राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | बिहार में बाढ़ प्रभावित किसानों को दुर्गा पूजा ...

क्लोजिंग सेरेमनी में ध्वजवाहक... | 11

वर्ष : 14 | अंक : 175 | पटना, रविवार, 04 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

एशियाई खेल 2026: भारत ने 21 स्वर्ण सहित 85 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। एशियाई खेल 2026 में शनिवार को 15वें और खेलों के लिहाज से आखिरी दिन भारत ने पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहते हुए अपने अभियान का समापन किया। शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों ने तीरंदाजी, गोल्फ, क्रिकेट, कुश्ती और हॉकी में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक अपने नाम किये। दिन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में कुमकुम मोहोद का व्यक्तिगत रिकर्व में ऐतिहासिक स्वर्ण, प्रणवी उर्स का गोल्फ में स्वर्ण, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम और पुरुष हॉकी टीम का स्वर्ण तथा अमन सहरावत का कुश्ती में स्वर्ण शामिल रहा। रविवार को एशियन खेल 2026 का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। इन उपलब्धियों के बाद भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई है।

भारत ने कुल 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक जीते हैं और पदक तालिका में चौथे स्थान पर है। पदक तालिका में चीन 341 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा, जिसमें 169 स्वर्ण, 89 रजत और 83 कांस्य शामिल हैं। जापान 267 पदकों के साथ दूसरे और दक्षिण कोरिया 149 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

भारत ने पाक को हरा लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड

निशिन। टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराते हुए एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर भारत से मिले 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 192 रन ही बना सकी। भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। साहिबजादा फरहान बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 11 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुए। उस्मान खान को भी सिर्फ 3 रनों के स्कोर पर अक्षर पटेल ने पवेलियन भेजा। माज सदाकत अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके और 18 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। 39 के स्कोर पर 3 विकेट खोकर मुश्किल में नजर आ रही पाकिस्तान की पारी को हसन नवाज और सैम अयूब ने संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 87 रनों की साझेदारी निभाई। अयूब 29 रन बनाने के बाद शिवम दुबे का शिकार बने। हालांकि, हसन ने एक छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और तेज तर्रार अंदाज में अर्धशतक पूरा किया। हसन नवाज ने 51 गेंदों में 96 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वह पाकिस्तान को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 7 छक्के लगाए। भारत की ओर से गेंदबाजी में अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट चटकाए। इससे पहले, भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की शुरूआत अच्छी नहीं ही और वैभव सूर्यवंशी सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, संजू सैमसन सिर्फ 2 रन ही बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद आउट हुए। ईशान किशन अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा पाए और 18 गेंदों में 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि, अभिषेक ने एक छोर से शानदार बल्लेबाजी की और महज 28 गेंदों का सामना करते हुए 61 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में अभिषेक ने 3 चौके और 7 छक्के लगाए। वहीं, उपकप्तान तिलक वर्मा बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। तिलक ने अपनी इस पारी में 3 चौके और 4 छक्के लगाए। उन्होंने शिवम दुबे (27 रन) के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी निभाई, जिसके बूते भारतीय टीम 200 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रही। पाकिस्तान की तरफ से गेंदबाजी में अहमद दानियाल और अराफात मिन्हास ने दो-दो विकेट चटकाए।

कुमकुम मोहोद ने जीता ऐतिहासिक गोल्ड

17 साल की कुमकुम मोहोद शनिवार को दक्षिण कोरिया की येजिन ओह को शूट-ऑफ में हराकर एशियन गेम्स के इंडिविजुअल रिकर्व इवेंट में कोई भी मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने मलेशिया को 5-1 से रौंदकर जीता गोल्ड

काकामिगहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में मलेशिया के खिलाफ 5-1 से जीत दर्ज करते हुए ऐतिहासिक गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने एलए 2028 ओलंपिक का टिकट भी अपने नाम कर लिया। मैच की शुरूआत से ही भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा। 11वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, 14वें मिनट में मलेशिया के शैली सिल्वरियस ने फील्ड गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 23वें मिनट में जुगराज सिंह ने एक बेहतरीन पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए बढ़त को 2-1 कर दिया। हाफ टाइम के बाद 42वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनाल्टी स्ट्रोक को शानदार तरीके से गोल में तब्दील किया। इसके बाद 54वें मिनट में शिलानंद लाकड़ा ने एक फील्ड गोल दागा और अंततः 57वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने अपना दूसरा गोल पेनाल्टी कॉर्नर से करते हुए मलेशिया की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक है। भारतीय टीम ने एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार अपने गोल्ड मेडल का सफलतापूर्वक बचाव किया। इससे पहले हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2022 का गोल्ड भी अपने नाम किया था। यह एशियन गेम्स के अलग-अलग संस्करणों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कुल 5वां गोल्ड मेडल है। देश ने साल 1966, 1998, 2014, 2022 और 2026 में यह खिताब जीता है। एशियन गेम्स में पहली बार पुरुष और महिला दोनों टीमों ने गोल्ड मेडल जीता है।

रेसलर अमन सहरावत ने देश को दिलाया गोल्ड

नगोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय रेसलर अमन सहरावत ने देश की झोली में एक और गोल्ड मेडल डाला है। अमन ने 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अमन ने रोमांचक फाइनल मैच में वर्ल्ड चैंपियन चोंग-सोंग को 11-7 से हराया। अमन ने एशियन गेम्स में यह लगातार दूसरा मेडल जीता है। पिछले एशियन गेम्स में अमन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। हालांकि, इस बार वह अपने मेडल का रंग बदलने में सफल रहे। एशियन गेम्स 2026 में रेसलिंग में यह भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है। इससे पहले, सुजीत कलकल ने फ्रीस्टाइल स्पर्धा में गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

मुख्यमंत्री ने चकाई स्थित निमार्णाधीन अंकुर बायोकेम प्राइवेट लिमिटेड एथेनॉल प्लांट का किया निरीक्षण

बिहार को उद्योग और स्किल का हब बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : सम्राट

- इन परियोजनाओं से लगभग 10 हजार से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे
- चकाई में औद्योगिक क्षेत्र के लिए करीब 9,000 एकड़ भूमि चिह्नित
- लछुआर मंदिर एवं गरही डैम को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जायेगा

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को जमुई जिले के चकाई प्रखंड स्थित निमार्णाधीन अंकुर बायोकेम प्राइवेट लिमिटेड एथेनॉल प्लांट का निरीक्षण किया। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि औद्योगिक क्षेत्र के लिए चिह्नित भूमि की 10 से 12 दिनों के भीतर मैपिंग सुनिश्चित कराई जाए, ताकि वास्तविक रूप से वन विभाग की भूमि तथा उस भूमि के कितने क्षेत्र में वर्तमान में जंगल मौजूद है, इसकी स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने 4,000 एकड़ रैयती एवं अन्य श्रेणी की भूमि की वास्तविक स्थिति का भी विस्तृत आकलन करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्य में अंचलाधिकारी, डीसीएलआर तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के संबंधित अधिकारियों का सहयोग लिया जाए। उन्होंने 30 अक्टूबर तक चिह्नित भूमि के संबंध में पूरा ब्यौरा एकत्रित कर आगे की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया।

पुलिसिंग व्यवस्था को और सुदृढ़ कर नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित हो: मुख्यमंत्री ने लछुआर मंदिर एवं गरही डैम को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दोनों स्थलों को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लछुआर मंदिर में जनसुविधाओं का विस्तार करने तथा श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था के लिए भी कार्ययोजना तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने जिले में पुलिसिंग व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को थानों में जाकर कार्यप्रणाली की समीक्षा करने को कहा, ताकि थाना स्तर पर कार्यों में और सुधार हो। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में हर हाल में विधि-व्यवस्था कायम रखी जाए। नशामुक्ति को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाने की कार्ययोजना तैयार करने तथा पुलिसिया कार्रवाई एवं प्रशासनिक सक्रियता बनाए रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने भीम बांध से लक्ष्मीपुर तथा मुंगेर से गंगटा को जोड़ने वाली सड़कों को दुरुस्त रखने एवं उनकी लगातार मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया, ताकि लोगों का आवागमन सुगम बना रहे। उन्होंने जिले में रोप-वे की आवश्यकता का आकलन कर आवश्यक प्रस्ताव भेजने को कहा। साथ ही कैमूर की तर्ज पर जंगल क्षेत्र में बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कार्य करने का निर्देश दिया।

मार्च 2027 तक प्लांट से उत्पादन होगा शुरू

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्लांट के निर्माण कार्य एवं परियोजना की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्लांट से मार्च 2027 तक उत्पादन शुरू हो जाएगा। निरीक्षण के पश्चात मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एथेनॉल प्लांट परिसर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जमुई के जिलाधिकारी नवीन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अंकुर बायोकेम प्राइवेट लिमिटेड एथेनॉल प्लांट के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि यह परियोजना एशिया के बड़े ग्रेन-बेस्ड एथेनॉल प्लांट्स में से एक है। इसे 105 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा है। संयंत्र की उत्पादन क्षमता 1000 किलो लीटर प्रतिदिन होगी, जिसके माध्यम से प्रतिदिन लगभग 10 लाख लीटर एथेनॉल का उत्पादन किया जाएगा। परियोजना में 20 मेगावाट की कैप्टिव पावर जेनरेशन सुविधा भी स्थापित की जाएगी, जिससे संयंत्र ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। संयंत्र को प्रतिदिन लगभग 30,000 क्विंटल अनाज की आवश्यकता होगी, जिससे स्थानीय किसानों को अपनी उपज के लिए स्थायी एवं भरोसेमंद बाजार उपलब्ध होगा। बैठक में बताया गया कि जमुई जिले में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं यथा- अंकुर स्टील प्राइवेट लिमिटेड, अंकुर बायोकेम प्राइवेट लिमिटेड (इथिनॉल), सीएलएम डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, अंकुर ट्रेडविस्टा प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से लगभग 3400 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इन परियोजनाओं से लगभग 10 हजार से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उद्योग के क्षेत्र में पूरे बिहार को आगे बढ़ाना है: मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग के क्षेत्र में पूरे बिहार को आगे बढ़ाना है। जमुई जिले को और अधिक समृद्ध बनाने के लिए यहां औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने हेतु जमीन चिन्हित की गई है। चकाई में बड़ा एथेनॉल प्लांट स्थापित हो रहा है, जिसमें मार्च 2027 तक उत्पादन शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार को स्किल का हब बनाना है और दुनिया के मानचित्र पर बिहार को स्थापित करने की दिशा में हर प्रकार से कार्य किया जा रहा है। समीक्षा बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पटना से चकाई पहुंचने के क्रम में मुख्यमंत्री ने चकाई में औद्योगिक क्षेत्र के लिए चिह्नित भूमि का हवाई निरीक्षण कर जायजा भी लिया।

बिहार के 6 जिलों में बाढ़ से 4.93 लाख लोग प्रभावित; 41 टीमें तैनात, राहत बचाव कार्य जारी

बाढ़ प्रभावित इलाकों में हेलीकॉप्टरों से पहुंचाई गई 10 टन सामग्री

प्रात : किरण

पटना, । नेपाल और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में सितंबर के अंतिम सप्ताह में हुई अत्यधिक बारिश के बाद राज्य के छह जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इस बीच राहत और बचाव अभियान को तेज करते हुए भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने सारण के बाढ़ प्रभावित इलाकों में करीब 10 टन आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, दरभंगा और मुजफ्फरपुर के 30 प्रखंडों की 144 ग्राम पंचायतों में करीब 4.93 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। भारतीय वायुसेना की मध्य वायु कमान (सीएसी) के हेलीकॉप्टरों को गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर और तटबंधों में टूट के बाद 2 अक्टूबर को अल्प सूचना पर बिहार में राहत कार्य के लिए तैनात किया गया। पटना से संचालित हेलीकॉप्टरों ने दिनभर उड़ान भरते हुए सारण जिले के चकिया, पृथ्वीपुर, सतजोड़ा, करचोलिया और मकेर सहित प्रभावित क्षेत्रों में करीब 10 टन आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई। विषम परिस्थितियों और कठिन भूभाग के बीच चलाए गए इस अभियान के जरिए बाढ़ प्रभावित समुदायों तक जरूरी सहायता पहुंचाई गई। रक्षा प्रकोष्ठ के मुताबिक प्राकृतिक आपदा के समय नागरिक प्रशासन को सहयोग देने और प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए वायुसेना का अभियान जारी है। इधर, आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार प्रभावित लोगों के बीच अब तक करीब 68,600 पॉलीथिन शीट और 64,100 ड्राई राशन पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। ड्राई राशन के वितरण का कार्य अभी जारी है। आबादी के निष्क्रमण और आवागमन को सुगम बनाने के लिए कुल 323 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। आवश्यकता के अनुसार नावों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 242 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से अब तक करीब 5.22 लाख लोगों को भोजन कराया जा चुका है। इसके अलावा दो बाढ़ राहत शिविर भी संचालित हैं, जहां करीब 100 लोगों के लिए आवासन, भोजन और चिकित्सा समेत आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की 14 टीमें और एसडीआरएफ की 28 टीमें प्रतिनियुक्त की गई हैं।

आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग केस: लालू, तेजस्वी, राबड़ी पर आरोप तय करने की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी समेत 9 लोगों के खिलाफ आरोप तय होने की प्रक्रिया फिलहाल टल गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली इस सुनवाई के लिए अब 30 अक्टूबर की अगली तारीख तय की गई है। इससे पहले 11 सितंबर को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा फैसला सुनाया था। कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की थी। यह जांच सीबीआई, नई दिल्ली द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर की गई थी। सीबीआई ने तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, पीसी गुप्ता और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जांच के अनुसार, तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव पर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया था था। उन्होंने पुरी और रांची के रेलवे होटलों के विकास व संचालन का ठेका नियमों को ताक पर रखकर मैसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित किया था।

राहुल ने 'सत्याग्रह' प्लेटफॉर्म किया लॉन्च

बोले- देशभर में लोग अपने हक के लिए अकेले लड़ रहे हैं

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक नई पहल सत्याग्रह की घोषणा की। उन्होंने कहा कि देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट किया, देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं झ और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। जेन-जी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं झ हर संघर्ष की अपनी कहानी है। पर जो आवाज अकेली उठती है, वो अक्सर दब जाती है। उन्होंने कहा कि ह्यसत्याग्रहह्ल इन्हीं आवाजों को एक नक्शे पर साथ लाने की पहल है।

बापू ने सिखाया था कि सच सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन उससे भी बड़ा हथियार है एकता में सच के साथ खड़े होना। राहुल गांधी ने लोगों से अपील करते हुए कहा, अगर आप भी किसी अन्याय से लड़ रहे हैं तो अपनी कहानी भेजिए। दो मिनट लगेंगे। आपकी कहानी नक्शे पर आएगी। आप देखेंगे कि आपकी तरह और कौन-कौन लड़ रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आश्वासन दिया कि वे हर संघर्ष में लोगों के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने लिखा, मैं जो कर सकता हूं, करूंगा झ संसद में, सड़क पर, खत लिखकर, जहां भी मेरी जरूरत हो वहां आपके साथ खड़े होकर। नेता विपक्ष के रूप में ये मेरी जिम्मेदारी है। अपने सत्याग्रह की कहानी मुझे यहां बताएं। इस पहल के तहत एक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया गया है, जहां देशभर से लोग अपने साथ हुए अन्याय, संघर्ष और आंदोलनों की कहानी साझा कर सकते हैं। इन कहानियों को एक इंटरैक्टिव मैप पर दिखाया जाएगा, ताकि एक ही तरह के मुद्दों से जूझ रहे लोग आपस में जुड़ सकें।

गुलाबी क्रांति | बकरी पालन यानि गुलाबी क्रांति के जरिए जीविका दीदियों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदल दी है पूरी तरह तस्वीर

बकरी पालन : 20 हजार महिलाओं की एकजुटता ने रचा 15 करोड़ के कारोबार का इतिहास

- चार जिलों में जीविका दीदियों ने बदली अर्थव्यवस्था की पूरी तस्वीर
- वर्ष 2020 में स्थापित कंपनी के सहारे बकरी पालन को बनाया संगठित और मूल्य श्रृंखला आधारित व्यवसाय

प्रात : किरण

पटना। बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने में जीविका के स्वयं सहायता समूह आधारित मॉडल लगातार नए और प्रेरणादायक अवसर पैदा कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज सीमांचल के चार जिलों अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज में गुलाबी क्रांति (बकरी पालन और मांस उत्पादन) के जरिए जीविका दीदियों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। सीमांचल जीविका गोट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से जुड़ीं करीब 20,000 महिलाओं की एकजुटता ने मौजूदा समय में 15 करोड़ रुपये से अधिक के संचयी कारोबार के माध्यम से एक नया इतिहास रच दिया है। दिसंबर 2020 में स्थापित और सितंबर 2021 से व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करने वाली इस कंपनी ने बकरी पालन को एक संगठित और मूल्य-श्रृंखला आधारित व्यवसाय में बदलने का काम किया है। अगस्त 2026 तक कंपनी से 19,956 (लगभग 20,000) शेयरधारक जुड़ चुके हैं और कुल शेयर पूंजी 99.78 लाख रुपये तक पहुंच गई है। आंकड़ों पर गौर करें तो इस सीमांचल जीविका गोट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से जुड़ीं जीविका दीदियों की मदद से वित्तीय वर्ष 2021-22 में कंपनी का टर्नओवर 25.50 लाख रुपये था, जो 2025-26 में बढ़कर 530.63 लाख रुपये (लगभग 5.31 करोड़ रुपये) हो गया। यानी पिछले पांच वर्षों में वार्षिक टर्नओवर में 20 गुना से भी अधिक का इजाफा हुआ है। जीविका के अधिकारियों के अनुसार, राज्य के चारों जिलों में बकरी पालन और मांस उत्पादन के कारोबार से वर्ष 2021-22 में किसानों को किया गया भुगतान 11.47 लाख रुपये था, जो 2025-26 में बढ़कर 146.70 लाख रुपये हो गया है। वहीं, अगस्त 2026 तक कंपनी ने कुल 15.49 करोड़ रुपये का संचयी टर्नओवर दर्ज किया है और इससे सीधे उत्पादक महिलाओं को 5.71 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

> सीमांचल में बकरी पालन के रूप में 20,000 महिलाओं की एकजुटता ने 15 करोड़ के कारोबार का इतिहास रचा है। यह सफलता इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि जब ग्रामीण महिलाएं संगठित होकर सामूहिक उद्यमिता से जुड़ती हैं, तो बड़े से बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की सोच के अनुरूप जीविका के माध्यम से हमारी दीदियां स्वावलंबी और सशक्त बन रही हैं। सीमांचल में बकरी पालन को संगठित बाजार और वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़कर जीविका ने बिचौलियों की भूमिका खत्म की है और महिलाओं को सीधे आर्थिक लाभ पहुंचाया है। ग्रामीण विकास विभाग इस सफल मॉडल को राज्य के अन्य हिस्सों में भी आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।
> - श्रवण कुमार (मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग एवं सूचना और जन सम्पर्क विभाग)

दुर्गापूजा के दौरान निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक

■ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। दुगार्पूजा के अवसर पर राज्य में निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड, श्री अजय यादव (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में बिहार के सभी विद्युत अंचल के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राहुल कुमार (भा.प्र.से.) तथा साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री सौरभ जोरवाल (भा.प्र.से.) सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में दुगार्पूजा एवं मेला क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की तैयारियों, विद्युत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं अनुरक्षण, सुरक्षा व्यवस्था तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान ऊर्जा सचिव श्री अजय यादव (भा.प्र.से.) ने विद्युत सुरक्षा से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूजा पंडालों एवं मेला क्षेत्रों के आसपास विद्युत लाइनों में लगे जर्जर तारों को समय रहते बदलने की कार्रवाई पूरी कर ली जाए। साथ ही, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों तथा पूजा पंडालों के ऊपर से गुजरने वाली 11 केवी बेयर कंडक्टर लाइनों में आवश्यकतानुसार सुरक्षा की दृष्टि से कवर्ड कंडक्टर लगाने अथवा गार्ड वायर की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने मेला क्षेत्रों में भीड़ वाले स्थानों पर स्थापित लोहे के विद्युत पोलों से स्पशार्घात की संभावना को रोकने के लिए डायइलेक्ट्रिक पेंट अथवा पॉलीथीन शीट लगाने तथा एलटी के नंगे तारों को एबी केबल में परिवर्तित करने का भी निर्देश दिया। ऊर्जा सचिव ने पूजा पंडालों एवं मेला क्षेत्रों को विद्युत आपूर्ति करने वाले भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर स्थित वितरण ट्रांसफार्मरों की फेंसिंग का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विद्युत सर्किलों के अधिकारियों को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मेला क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी हेतु सभी फ्यूज कॉल सेंटर को अलर्ट मोड पर सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने दुगार्पूजा के दौरान विद्युत आपूर्ति की प्रभावी निगरानी एवं आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए मुख्यालय स्तर पर 247 नियंत्रण कक्ष स्थापित करने तथा प्रमंडल स्तर पर पर्याप्त संख्या में पदाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी सुरक्षित एवं यथासंभव विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान क्षेत्रीय पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि दुगार्पूजा के अवसर पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं अनुरक्षण का कार्य प्रगति पर है। विद्युत उपकेंद्रों, 33 केवी एवं 11 केवी लाइनों तथा वितरण उपकेंद्रों के समुचित अनुरक्षण एवं मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, त्योहार के दौरान किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर पर्याप्त संख्या में ट्रांसफार्मर एवं आवश्यक विद्युत सामग्री उपलब्ध कराई गई है। ट्रांसफार्मर खराब होने अथवा जलने की स्थिति में उन्हें अविलंब बदलने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसी प्रकार, ब्रेकडाउन की स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए आवश्यक सामग्री, उपकरण एवं संसाधन क्षेत्रीय स्तर पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए गए हैं।बैठक के दौरान ऊर्जा सचिव ने क्षेत्रीय पदाधिकारियों को पूजा पंडाल के लिए अस्थाई कनेक्शन उपलब्ध कराने की बात भी कही। इस मौके पर श्री अजय यादव ने सभी को दुगार्पूजा की अग्रिम बधाई भी दी।

राष्ट्रीय सूड़ी महासभा का भव्य आयोजन: विद्यापति भवन में समाज सेवियों को मिला 'सूड़ी गौरव सम्मान 2026'

■ दानपुर के वीरेंद्र प्रसाद, गणेश सूरी और अधिवक्ता अंजय गुप्ता सम्मानित; प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर को सम्मान समारोह आयोजित करने का लिया गया संकल्प

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय सूड़ी महासभा, बिहार के तत्वावधान में 2 अक्टूबर 2026 को पटना के विद्यापति भवन में सूड़ी गौरव सम्मान 2026 समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज हित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दानापुर के श्री वीरेंद्र प्रसाद (रामजीचक), श्री गणेश सूरी एवं श्री अंजय कुमार गुप्ता (अधिवक्ता) को उनके उल्लेखनीय योगदान से प्रभावित होकर मुजफ्फरपुर के पूर्व एमएलसी प्रत्याशी श्री गोपी किशन द्वारा सूड़ी गौरव सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। महासभा ने इस अवसर पर ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए हर वर्ष 2 अक्टूबर को सूड़ी गौरव सम्मान दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया। इस गरिमामयी एवं विशाल सम्मेलन में कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, पूर्व विधायक पवन जायसवाल, पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, तथा पूर्व एमएलसी सुमन महासेठ प्रमुख थे। इनके अलावा बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पड़ोसी देश नेपाल से भी समाज के कई प्रमुख एवं प्रबुद्ध लोग इस कार्यक्रम के साक्षी बने। कार्यक्रम के मंच से सूड़ी समाज को मुख्य धारा से जोड़ने और उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार से एक स्वर में सूड़ी समाज को अति पिछड़ा वर्ग 1 में शामिल करने की मांगप्रमुखता से उठाई गई।

संक्षिप्त खबरें

अस्पताल में गंभीर लिवर खराबी से जूझ रही गर्भवती महिला को मिला नया जीवन

पटना।पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने एक 23 वर्षीय गर्भवती महिला को नया जीवन दिया है।गंभीर पीलिया, लिवर की कार्यक्षमता में गिरावट और किडनी की जटिलताओं से जूझ रही महिला को लगभग 33 दिनों केगहन इलाज केबाद अस्पताल से छुट्टी दी गई। 15 दिन बाद हुए फॉलोअप में उसका बिलिरुबिन पूरी तरह सामान्य पाया गया। महिला करीब 36 सप्ताह की गर्भावस्था में अत्यंत गंभीर हालत में भर्ती हुई थी। माँ और बच्चे की सुरक्षा को देखतेहुए 17 अगस्त को आपातकालीन सिजेरियन ऑपरेशन किया गया, जिससे 2.75 किलोग्राम के स्वस्थ शिशु का जन्म हुआ।प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव और बिलिरुबिन के 30ें/छि से ऊपर पहुँचने के कारण स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई थी। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. धीरज कुमार के नेतृत्व में लिवर संबंधी जटिलताओं का सटीक प्रबंधन किया गया।वहीं, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. (प्रो.) के. मंजू, डॉ. सुषमा सिंह, डॉ. स्मिता और पीजी डॉक्टरों की टीम ने आपातकालीन प्रसव व प्रसवोत्तर देखभाल संभाली।

क्रिकेट, हॉकी और कुश्ती में स्वर्णिम सफलता पर डॉ. प्रेम कुमार ने दी बधाई

पटना । बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित 20वें एशियाई खेल 2026 में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम द्वारा पाकिस्तान को 19 रनों से पराजित कर स्वर्ण पदक जीतने, भारतीय पुरुष हॉकी टीम द्वारा मलेशिया को हराकर स्वर्ण पदक जीतने तथा कुश्ती में अमन सहरावत द्वारा 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।माननीय अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया।भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने कहा कि अमन सहरावत ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती में स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है।इन उपलब्धियों से भारतीय खेल प्रतिभा और खिलाड़ियों के समर्पण का परिचय मिलता है।

महात्मा गाँधी के आदर्शों पर ही विकसित भारत संभव

पटना।गाँधी संग्रहालय में युवाओं ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।प्रेम यूथ फाउंडेशन की टीम ने गाँधी जी के मेरा जीवन ही मेरा संदेश है के आदर्श को अपनाते हुए विकसित भारत का संकल्प लिया।प्रख्यात गांधीवादी डॉ रजी अहमद ने महात्मा गाँधी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला ।उन्होंने बताया कि महात्मा गाँधी ने जन मानस को सत्य और कर्तव्यनिष्ठा का पाठ पढ़ाया है उसे हर युवाओं को जीवन मे उतारने की जरूरत है ।गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि स्वच्छता, स्वावलंबन और सेवा ही गाँधी जी के असली आदर्श हैं, इन्हीं पर चलकर विकसित भारत संभव है।उन्होंने युवाओ से नशा से दूर रहने का आह्वान किया है ।मौके पर दर्जनों स्वयंसेवक मौजूद रहे।

पंचायत सरकार भवनों को पूरी तरह क्रियाशील रखें : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। जिलाधिकारी ने जिले में संचालित विकासात्मक व कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री शुभम कुमार समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के कड़े निर्देश दिए।

पंचायत सरकार भवनों का संचालन और बायोमेट्रिक हाजिरी: डीएम ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों और प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के सभी पंचायत सरकार भवन पूरी तरह क्रियाशील रहें। कर्मियों का वेतन केवल बायोमेट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही जारी होगा। पंचायत भवन बंद पाए जाने पर संबंधित BPRO पर सीधी कार्रवाई होगी। SDM को नियमित अनुश्रवण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उद्योगों के लिए लैंड बैंक और त्वरित एनओसी: जिले में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए उड और रउ्ट को उपयुक्त सरकारी भूमि चिन्हित कर लैंड बैंक तैयार करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, उद्योग-संबंधी आवेदनों, एनओसी और लाइसेंस के त्वरित निष्पादन का आदेश दिया गया। सेवा संकल्प अभियान व अस्पतालों की व्यवस्था: सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत स्कूल, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य केंद्रों में सुधार सूची तैयार करने को कहा गया। स्कूलों में वास्तविक समस्याओं की पहचान बाल संसद व ह्यमीना मंच के माध्यम से होगी। स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए अस्पतालों में डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति और डिजिटल डिस्प्ले पर डॉक्टर का नाम व मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने का निर्देश Civil Surgeon को दिया गया। अन्य प्रमुख निर्देश:भू-अर्जन व मुआवजा: बकाया मुआवजा भुगतान के लिए विशेष कैंप लगाने और अधिग्रहित भूमि का तत्काल दाखिल-खारिज करने के आदेश दिए गए।- जनसेवा व शिकायतें: लोक शिकायत निवारण, RTPS और अदालती मामलों का ससमय निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

जी केसी का विश्वव्यापी सदस्यता अभियान शुरू

■ शास्त्री जी कायस्थ समाज के लिए गौरव-राजीव रंजन

प्रात: किरण संवाददाता

पटना! देश के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में कायस्थ समाज ने सादगी और शुचिता के रूप में लाल बहादुर शास्त्री को दिया। शास्त्री जी देश के लिए अमूल्य धरोहर तो थे ही कायस्थ समाज के लिए भी गौरव थे। ये बातें शास्त्री और गांधीजी जयंती के संयुक्त अवसर पर जद यू के राष्ट्रीय प्रवक्ता और ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन ने जीकेसी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के व्यक्तित्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आयोजन जीकेसी के पटना जिलाध्यक्ष मधुकर वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर संगठन के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन ने नए सदस्यों को आनलाइन सदस्यता दिला कर विश्व व्यापी सदस्यता अभियान की शुरूआत की। मौके पर सदस्यता अभियान के प्रभारी निलेश रंजन ने बताया कि यह अभियान पूरे महीने विशु भर में चलेगा। मौके पर अपने संबोधन में जीकेसी ग्लोबल उपाध्यक्ष सह प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने कहा कि आगामी 1 नवंबर को बिहार राज्य प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक पटना में की जा रही है। इसम भाग लेने के लिए राज्य के सभी जिलों से पटना में भारी संख्या में कायस्थ समाज का जुटान होगा। इसकी तैयारी जोर शोर से चल रही है। अंत में 20 दिसंबर को मुंबई में आयोजित हो रहा विराट कायस्थ समागम पर भी चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने आश्वासन दिया कि बिहार जी के सी से भारी संख्या में कायस्थ मुंबई पहुँचेगे। इस अवसर पर मुकेश महान अनिल दास, डा कृष्ण गोपाल सिन्हा,बलराम श्रीवास्तव धनंजय प्रसाद, सुभाष्नि स्वरूप, मंजू स्वरूप, संघमित्रा सहाय, सुमन कुमार, श्रीवास्तव, मुकुंद वर्मा, मणिभूषण प्रसाद, ओम श्री वास्तव, अनिल श्रीवास्तव नीतेश कुमार, रवि भूषण प्रसाद, ऋचा वर्मा, सहित कई लोग उपस्थित थे।

तुर्की से भारत लाया गया कुख्यात नार्को तस्कर नवप्रीत सिंह, अमित शाह ने एजेंसियों को दी बधाई

नई दिल्ली/पटना। मोदी सरकार को नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है। कुख्यात नार्को कार्टेल सरगना नवप्रीत सिंह उर्फ नवाब विर्क को तुर्की से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। आरोपी नवाब विर्क की फर्जी पहचान बनाकर तुर्की की नागरिकता हासिल कर चुका था और अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन व मेथम्फेटामाइन की तस्करी चला रहा था। भारतीय एजेंसियों की मुस्तैदी से उसका पदार्फाश कर उसे सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने इस सफलता पर सभी एजेंसियों को बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शाह ने कहा, मोदी सरकार दिसंबर 2029 से पहले हर नार्को कार्टेल को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। भगोड़ों के खिलाफ हमारी नीति संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है। प्रत्यर्पण और कानून प्रवर्तन में ऐतिहासिक सफलता: 288 भगोड़े वापस आए: 2019 से अगस्त 2026 के बीच 36 देशों से कुल 288 भगोड़ों का प्रत्यर्पण किया गया है।

क्या श्राद्ध विधि से श्राद्धकर्ता और उसके पूर्वजों को आध्यात्मिक लाभ होता है?

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। पीढ़ियों से, पितृपक्ष को पूर्वजों (पितरों) का स्मरण करने और उनके लिए श्राद्ध विधि करने के काल के रूप में जाना जाता है। पूर्वजों के आध्यात्मिक कल्याण और सद्गति के लिए की जाने वाली पारंपरिक श्राद्ध विधि क्या इसे करने वाले व्यक्ति और उसके पूर्वजों में मापने योग्य ऊर्जा परिवर्तन ला सकती है? महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय, गोवा द्वारा किए गए एक अध्ययन से अत्यंत असाधारण निष्कर्ष सामने आए हैं।

इस अध्ययन में, चार श्राद्धकताओं ने (अपने परिवार के सदस्यों के साथ) अपने पितरों के लिए श्राद्ध विधि की और दो पुरोहितों ने विधि संपन्न कराई। शोधकर्ता दल ने ऑरा एंड एनर्जी स्कैनर का उपयोग करके विधि से पहले और विधि के बाद श्राद्धकर्ता व्यक्तियों, पुरोहितों और विधि के घटकों के सूक्ष्म ऊर्जा के औरा (प्रभामंडल) के आंकड़े दर्ज किए। विशेष बात यह रही कि चारों श्राद्धकताओं में नकारात्मक ऊर्जा में लगभग 50% की कमी आई और सकारात्मक ऊर्जा में लगभग दोगुनी वृद्धि हुई। चौथे श्राद्धकर्ता की पत्नी के नकारात्मक ऊर्जा के औरा में 60% की भारी कमी आई, जबकि उसके सकारात्मक ऊर्जा के औरा में 100% से अधिक की वृद्धि हुई। विधि में शामिल हुए पुरोहितों के सकारात्मक ऊर्जा के औरा में विधि के बाद औसतन 55% से अधिक की वृद्धि हुई। भगवान दत्तात्रेय केचित्रकी सकारात्मक ऊर्जा में विधि के बाद 47% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

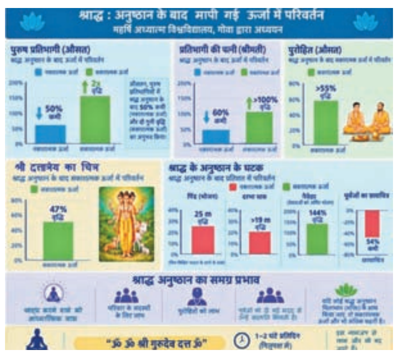

शोधकताओं ने विधि की सामग्रियों, जैसे पिंड, दर्भ और नैवेद्य में भी महत्वपूर्ण बदलाव दर्ज किए। पितरों को अर्पित किया गया अन्न (पिंड - तिल मिला हुआ चावल) औरदर्भ मेंविधि के बाद क्रमशः 25 मीटर और 19 मीटर से अधिक नकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि देखी गई। देवताओं को अर्पित किए गए नैवेद्य की सकारात्मक ऊर्जा में श्राद्ध के बाद 144% की हैरान कर देने वाली वृद्धि हुई। एक पूर्वज के चित्र में नकारात्मक ऊर्जा के औरा में 54% की कमी पाई गई और उसमें सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होता हुआ देखा गया। ये उल्लेखनीय आंकड़े इस विधि के प्राचीन लेकिन वैज्ञानिक आधार का प्रमाण देते हैं। श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार के सदस्यों को भी आध्यात्मिक लाभ मिलता है। यदि यह विधि भावपूर्वक की जाए, तो प्राप्त होने वाली सकारात्मक ऊर्जा अधिक होती है। भगवान दत्तात्रेय पितरों को गति देने वाले देवता हैं। श्राद्ध स्थल पर उनका चित्र रखकर उनकी भावपूर्वक पूजा करने से उनका तत्व कार्यरत होता है; जिसका लाभ परिवार के सभी सदस्यों को मिलता है। मंत्रोच्चार के साथ पितरों को अर्पित किया गया पिंड उन्हें आकर्षित करता है और तृप्त करता है, जिससे उन्हें परलोक के मार्ग में गति मिलने में सहायता होती है और उनके कारण वंशजों को होने वाला कष्ट कम होता है।

शोधकताओं का निष्कर्ष है कि श्राद्ध विधि करने वाले वंशज, उनका परिवार, पुरोहित और पूर्वज - इन सभी को आध्यात्मिक लाभ होता है, जो हिंदू परंपरा में इस विधि के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करता है। श्राद्ध के साथ-साथ, आध्यात्मिक लाभ बढ़ाने के लिए पितृपक्ष मेंप्रतिदिन एक से दो घंटे ह्लॐ ॐ श्री गुरुदेव दत्त ॐह्व का नामजप करना चाहिए।

- श्रीमती मधुरा धनंजय कर्वे, महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय, गोवा

मोकामा- रामपुर डुमरा रेलखंड में 03 नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, 02 एलसी गेट इंटरलॉकिंग एवं ऑटो सिग्नलिंग कार्य की हुई कमिश्निंग

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर। परिचालन दक्षता एवं रेलखंड की क्षमता में वृद्धि की दिशा में पूर्व मध्य रेल द्वारा निरंतर आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में दानापुर मंडल के मोकामाझ्र रामपुर डुमरा रेलखंड के लगभग 13 किलोमीटर हिस्से में आज 03 नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, 02 लेवल क्रॉसिंग गेट इंटरलॉकिंग तथा ऑटो सिग्नलिंग कार्य की कमिश्निंग की गई । मोकामा रामपुर डुमरा रेलखंड में टाल, हाथीदह एवं रामपुर डुमरा में 03 नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की कमिश्निंग की गई । इससे ट्रेनों के परिचालन में अधिक दक्षता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी तथा रेल परिचालन की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। इसके साथ ही इस रेलखंड में 02 लेवल क्रॉसिंग गेटों की इंटरलॉकिंग की गई । इससे लेवल क्रॉसिंग पर परिचालन अधिक सुरक्षित एवं संरक्षा में वृद्धि होगी तथा सड़क एवं रेल यातायात के सुरक्षित संचालन में मदद मिलेगी। ऑटो सिग्नलिंग कार्य के पूरा होने से इस रेलखंड पर दक्षता एवं सुगमता आएगी जिससे ट्रेनों के संचालन की क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही ट्रेनों के बेहतर परिचालन प्रबंधन, लाइन क्षमता के अधिक प्रभावी उपयोग तथा रेल संरक्षा सुनिश्चित होगी। रेल संरक्षा आयुक्त का निरीक्षण: इसी क्रम में रेल संरक्षा आयुक्त, पूर्वी सर्किल कोलकाता, श्री गुरु प्रकाश द्वारा आज दिनांक 03.10.2026 को माल और यात्री परिवहन के लिए बनाए गए नए पुल (राजेंद्रपुल-हाथीदह ऊपर) और विद्युतीकरण के साथ दोहरीकरण का निरीक्षण किया गया। संपूर्ण निरीक्षण दो दिनों 03 एवं 04 अक्टूबर में संपन्न की जानी है। आज दिनांक 03.10.2026 को निरीक्षण के प्रथम दिन संपूर्ण निरीक्षण मोटर ट्रॉली द्वारा किया गया। आज के इस निरीक्षण में रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा राजेंद्रपुल और हाथीदह ऊपर के बीच बने मुख्य पुल (पूर्वी लाइन), हाथीदह ऊपर से रामपुर डुमरा के बीच नए वाया-डक्ट-1 (हावड़ा एंड) तक का विस्तृत रूप से निरीक्षण किया गया ।

होटल मौर्या में बिहार के वरिष्ठ चिकित्सकों को मिला सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। जय मां काली बखोरापुर मंदिर ट्रस्ट, भोजपुर एवं बुद्धा कैंसर सेंटर, पटना के संयुक्त तत्वावधान में पटना के होटल मौर्या में बिहार के वरिष्ठ चिकित्सकों को समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि की गरिमामयी उपस्थिति रही।जबकि विशिष्ट अतिथि में बिहार के अनेक पद्मश्री से सम्मानित चिकित्सकों सहित पद्मश्री डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह, पद्मश्री डॉ. हेमंत कुमार, पद्मश्री डॉ. शांति राय एवं पद्मश्री डॉ. आर एन सिंह, पद्मश्री विजय प्रकाश के अलावा अनेक वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन के उपरांत स्वास्थ्य सचिव कुमार रवि ने मंदिर ट्रस्ट एवं बुद्धा कैंसर सेंटर की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि मंदिर और अस्पताल मिलकर समाज के मानसिक, आध्यात्मिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए एक स्वस्थ और विकसित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष बी डी सिंह, संरक्षक सुनील सिंह एवं वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया कि यह आयोजन चिकित्सकों की सेवा और समर्पण के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक का कार्य केवल बीमारी और बीमार व्यक्ति का इलाज करना ही नहीं है, बल्कि वे मरीज के साथ उनके परिजनों एवं निकट सहयोगियों को भी मानसिक संबल प्रदान करते हैं। अपने अनुभव और चिकित्सकीय सलाह के माध्यम से वे अन्य लोगों के उत्तम स्वास्थ्य तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

आवश्यक औषधियों एवं मेडिकल उपकरणों की सूची में संशोधन, सरकारी अस्पतालों में बेहतर उपचार सुविधाओं को मिलेगा बढ़ावा

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। राज्य के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर एवं सुलभ बनाने के उद्देश्य से बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने आवश्यक औषधियों की सूची में संशोधन किया है।इस संबंध में विभाग द्वारा आधिकारिक संकल्प जारी कर दिया गया है।संशोधित सूची में विभिन्न रोगों के उपचार के लिए आवश्यक औषधियों, मेडिकल डिवाइसेस एवं अन्य चिकित्सा सामग्रियों को शामिल किया गया है। इस निर्णय से सरकारी अस्पतालों में गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक उपचार निःशुल्क उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी तथा इलाज पर होने वाले उनके निजी खर्च में कमी आएगी।

कोर कमिटी की अनुशंसा के आधार पर सूची में संशोधन: राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के स्तर पर निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं की अध्यक्षता में आयोजित कोर कमिटी की बैठक में आवश्यक औषधियों एवं मेडिकल डिवाइसेस की सूची की समीक्षा की गई। बैठक में मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के अधीक्षकों, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, सिविल सर्जनों एवं औषधि नियंत्रकों द्वारा सूची में संशोधन की अनुशंसा की गई। कमिटी की अनुशंसाओं के आलोक में सरकार द्वारा आवश्यक औषधियों एवं मेडिकल डिवाइसेस की सूची में संशोधन संबंधी संकल्प जारी किया गया है। संशोधन का स्वागत करते हुए माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने कहा कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। आवश्यक औषधियों और मेडिकल उपकरणों की सूची में संशोधन से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। खासकर गरीब और जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क इलाज का लाभ मिलेगा तथा उनके निजी खर्च में कमी आएगी। औषधियों और उपकरणों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभाग पूरी तरह संकल्पित है।

संशोधित सूची के प्रमुख प्रावधान : हीमोफीलिया-ए के उपचार को प्राथमिकता, आवश्यक औषधियां EDL में शामिल: स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत की प्राथमिकताओं के अनुरूप हीमोफीलिया-ए एवं वॉन विलेब्रांड रोग के उपचार हेतु विशेष औषधियां राज्य की आवश्यक औषधि सूची में शामिल की गई हैं। ड्राइड ह्यूमन एंटीहीमोफिलिक फ्रैक्शन के अंतर्गत हीमोफीलिया-ए के लिए ह्यूमन कोएगुलेशन फैक्टर 8 की 250 एवं 500 क्व प्रीपेराशन शामिल हैं। वॉन विलेब्रांड रोग हेतु फैक्टर 8 के साथ वॉन विलेब्रांड फैक्टर की न्यूनतम 250 एवं 500 क्व वाली प्रीपेराशन शामिल हैं। इससे सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में इन गंभीर रक्तस्राव संबंधी विकारों से पीड़ित मरीजों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

डायलिसिस सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए 16 प्रकार की चिकित्सा सामग्री शामिल: क्रोनिक किडनी रोग के मरीजों के उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में डायलिसिस से जुड़े 16 प्रकार के आवश्यक मेडिकल डिवाइसेस एवं कंज्यूमेबल्स को सूची में शामिल किया गया है। इनमें डायलाइजर, एचडी ब्लड लाइन, फिस्टुला नीडल एवं प्लाज्मा फिल्टर सहित अन्य सामग्री शामिल हैं। सर्वाइकल कैंसर की जांच एवं सुरक्षित गर्भसमापन के लिए मेडिकल डिवाइसेस: महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की समय पर जांच के लिए पैप स्मीयर किट तथा सुरक्षित गर्भसमापन के लिए कार्मन कैनुला को सूची में शामिल किया गया है। इन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पतालों एवं जिला अस्पतालों की बाह्य रोगी तथा अंतःरोगी सेवाओं में उपलब्ध कराया जाएगा।

हृदय रोगियों के लिए टेनेक्टेप्लेस इंजेक्शन की उपलब्धता का विस्तार: दिल के दौरे जैसे आपातकालीन मामलों के उपचार में प्रयुक्त टेनेक्टेप्लेस इंजेक्शन अब मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के साथ-साथ जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं अधिसूचित ट्रॉमा सेंटरों की अंतःरोगी सेवाओं में भी उपलब्ध कराया जाएगा। अस्थमा एवं सीओपीडी के उपचार के लिए दवा में बदलाव:-अस्थमा एवं क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के उपचार में नेबुलाइजेशन के लिए पूर्व में सूचीबद्ध दवा के स्थान पर इप्राट्रोपियम ब्रोमाइड एवं लेवो-साल्बुटामोल रेस्प्यूल्स को शामिल किया गया है।

रैबीज से बचाव के लिए अनुमोदित विकल्पों का स्पष्ट समावेश: रैबीज इम्यूनोग्लोबुलिन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इक्वाइन रैबीज इम्यूनोग्लोबुलिन तथा रैबीज मोनोक्लोनल एंटीबॉडी को अनुमोदित विकल्पों के रूप में सूची में स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है।

इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान के लिए संस्थान-विशिष्ट सूची: पटना स्थित इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान में हृदय रोगियों को उच्चस्तरीय उपचार उपलब्ध कराने के लिए संस्थान-विशिष्ट सूची में कार्डियोलॉजी से संबंधित 27 प्रकार की औषधियां, 47 प्रकार के मेडिकल डिवाइसेस एवं 2 प्रकार के रीजेंट्स शामिल किए गए हैं।

एनीमिया एवं रक्तस्राव संबंधी रोगों के उपचार के लिए अन्य प्रावधान: एनीमिया के उपचार में प्रयुक्त आयरन सुक्रोज आदि के लिए 100 मिलीलीटर के नॉर्मल सलाइन पैक को सूची में शामिल किया गया है।

राज्य स्वास्थ्य समिति एवं BMS ICL के समन्वय से सुनिश्चित होगी उपलब्धता: राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार ने संशोधित सूची की औषधियों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध कराने और अंतिम पायदान तक के मरीजों तक पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की है। समिति इटरक्ळछ के साथ समन्वय कर नई औषधियों की खरीद हेतु निविदा एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करा रही है।

बिहार में बाढ़ प्रभावित किसानों को दुर्गा पूजा से पहले मिलेगा फसल क्षति मुआवजा: विजय

■ कृषि मंत्री ने गोपालगंज में बाढ़ प्रभावित किसानों से मुलाकात कर फसल नुकसान की जानकारी ली

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने बाढ़ से प्रभावित किसानों को फसल क्षति का मुआवजा दुर्गा पूजा से पहले उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू कर दी है। कृषि मंत्री सह गोपालगंज के जिला प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को गोपालगंज में बाढ़ प्रभावित किसानों से मुलाकात कर फसल नुकसान की जानकारी ली और अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में जल्द से जल्द क्षति का आकलन करने का निर्देश दिया। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर है। राज्य के 18 जिलों में पहले ही फसल क्षति का आकलन कराया जा चुका है। संबंधित जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर किसानों को मुआवजा राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा से पहले प्रभावित किसानों के खाते में फसल क्षति की राशि पहुंचाने की तैयारी है। गोपालगंज दौरे के दौरान विजय सिन्हा ने बैकुंठपुर प्रखंड के शीतलपुर में तटबंध टूटने के मामले की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच कराने के लिए जिलाधिकारी को निर्देश दिया गया है।

जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इस बीच, शनिवार को कुछ स्थानों में नदियों के जलस्तर में कमी दर्ज की गई है, हालांकि अभी भी कई स्थानों पर गंगा, गंडक अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। शनिवार को पटना के गांधीघाट में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 104 सेंटीमीटर ऊपर था। दीघाघाट में जलस्तर 29 सेंटीमीटर और हाथीदह में 92 सेंटीमीटर ऊपर दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे में दीघाघाट और गांधीघाट में 19-19 सेंटीमीटर तथा हाथीदह में सात सेंटीमीटर कमी की संभावना जताई गई है। मुंगेर में गंगा खतरे के निशान से 13 सेंटीमीटर नीचे थी, जबकि भागलपुर में पांच सेंटीमीटर नीचे जलस्तर दर्ज किया गया। वहीं कहलगांव में गंगा 69 सेंटीमीटर और साहेबगंज में 27 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। कहलगांव और साहेबगंज में जलस्तर बढ़ने का अनुमान है। पटना के मनेर में सोन नदी खतरे के निशान से 51 सेंटीमीटर ऊपर थी, जबकि सिवान के दरौली और गंगपुर सिसवन में घाघरा क्रमशः 86 और 26 सेंटीमीटर ऊपर दर्ज की गई। दोनों स्थानों पर अगले 24 घंटे में जलस्तर घटने की संभावना है। मुजफ्फरपुर के रेवाघाट में गंडक 29 सेंटीमीटर तथा डुमरियाघाट में 110 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। दोनों स्थानों पर जलस्तर में कमी का अनुमान है। वैशाली के हाजीपुर में गंडक खतरे के निशान से 43 सेंटीमीटर नीचे थी। खगड़िया में बूढ़ी गंडक 96 सेंटीमीटर ऊपर थी और इसमें वृद्धि की संभावना है। मुजफ्फरपुर के बेनीबाद में बागमती 83 सेंटीमीटर ऊपर थी। मधुबनी के कमतौल में अधवारा समूह की नदी 41 सेंटीमीटर ऊपर थी और वृद्धि का अनुमान है। खगड़िया के बलतारा में कोसी 46 सेंटीमीटर तथा कटिहार के कुरसेला में 50 सेंटीमीटर ऊपर दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 4 अक्टूबर तक नेपाल के गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, बागमती-अधवारा और महानंदा के जलग्रहण क्षेत्रों में हल्की से सामान्य वर्षा तथा अन्य क्षेत्रों में मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।

नीतीश कुमार ने गंडक नदी में आई बाढ़ को लेकर जताई चिंता

■ आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा को प्रभावित जिलों में पीड़ितों की हरसंभव सहायता करने को कहा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 7, सर्कुलर रोड स्थित अपने आवासीय कार्यालय में आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा से नेपाल में हुई भारी बारिश के चलते गंडक नदी में आई बाढ़ के संबंध में विस्तृत चर्चा की और इससे प्रभावित जिलों को लेकर चिंता जताई। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, जदयू विधायक दल के नेता एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, विधान परिषद् में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय गांधी व अन्य मौजूद रहे। नीतीश कुमार ने कहा कि नेपाल में भारी बारिश के चलते गंडक नदी में आई बाढ़ और तटबंध टूटने से सारण समेत छह जिलों के करीब ढाई सौ गांव और तीन लाख से अधिक लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। राज्य की अन्य नदियां भी उफान पर हैं। ऐसे में प्रभावित लोगों को सरकार से विशेष तत्परता की अपेक्षा रहती है, इसलिए जरूरतमंदों की हरसंभव सहायता में जुटे रहें। आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा ने नीतीश कुमार को इस विकट परिस्थिति में सरकार द्वारा किए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में जानकारी दी, जिस पर नीतीश कुमार ने संतोष व्यक्त किया। साथ ही कहा कि हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का होता है। एनडीए सरकार ने इस सोच के आधार पर जनसेवा का जो मानक तैयार किया है, हमेशा उससे भी बेहतर करने की कोशिश करें।

भारतीय पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों का एक साथ जीतना ऐतिहासिक क्षण: श्रवण

■ एशियन गेम्स में पुरुष और महिला दोनों टीमों के स्वर्ण पदक जीतने पर मंत्री श्रवण कुमार ने दी हार्दिक बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय हॉकी के ऐतिहासिक प्रदर्शन पर ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह बिहार हॉकी संघ के अध्यक्ष श्रवण कुमार ने भारतीय पुरुष एवं महिला हॉकी टीम को स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री कुमार ने कहा कि एशियन गेम्स में पहली बार भारतीय पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों का एक साथ स्वर्ण पदक जीतना भारतीय हॉकी के लिए गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि है।

यह सफलता देश में हॉकी के निरंतर मजबूत होते आधार, खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और टीम भावना का परिणाम है। श्री कुमार ने कहा कि भारतीय हॉकी ने एशिया के मंच पर अपनी श्रेष्ठता का शानदार प्रदर्शन किया है। दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। भारतीय हॉकी का यह स्वर्णिम अध्याय अब और बड़ी उपलब्धियों की ओर बढ़ रहा है। खिलाड़ियों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ और हॉकी इंडिया को हार्दिक बधाई। अब हमारी नजरें ओलंपिक के स्वर्ण पदक पर हैं। उन्होंने कहा कि यह सफलता देश के उन लाखों युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है जो हॉकी को अपना सपना बनाकर मैदान पर मेहनत कर रहे हैं। बता दें कि भारतीय महिला टीम ने फाइनल मैच में चीन को 1-0 से हराकर 44 वर्षों बाद एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक हासिल किया है। शनिवार को पुरुष टीम ने भी फाइनल मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 5-1 से पराजित कर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स हॉकी का स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर से भारत का खाता खोला और भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में आक्रामक एवं नियंत्रित हॉकी का शानदार प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ भारत ने एलए 2028 ओलंपिक के लिए सीधा स्थान भी सुनिश्चित किया है।

शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए चुनाव आयोग से मांगा गया दिशानिर्देश

दिशा निर्देश मिलते ही शुरू होगी सामान्य स्थानांतरण प्रक्रिया

पटना। आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए चुनाव आयोग से दिशा निर्देश मांगा है। विभाग की ओर से इस संबंध में चुनाव आयोग को पत्र भी भेजा गया है। आयोग की स्वीकृति मिलते ही शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण की नई तिथि जारी कर आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली, 2026 के तहत शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण के लिए पहले 4 अक्टूबर से ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू होनी थी। राज्य में विधान परिषद् के शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव की वजह से आचार संहिता लागू है। अब चुनाव आयोग का दिशा निर्देश प्राप्त होते ही सामान्य स्थानांतरण की तारीख घोषित की जाएगी।

45वीं अंतर विद्यालय लोक नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखेरा भारतीय संस्कृति का रंग

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पाटलिपुत्र द्वारा आयोजित 45वीं अंतर विद्यालय लोक नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को बापू सभागार, गांधी मैदान में किया गया। प्रतियोगिता में 19 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भारत के अनसुने नायक विषय पर शानदार प्रस्तुतियां देकर भारतीय लोक संस्कृति, परंपरा और देशभक्ति की अनूठी झलक प्रस्तुत की।कार्यक्रम का उद्घाटन रोटरी जिला गवर्नर रोटेरियन अनु नारंग ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी तथा भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक परमेंद्र हरि उपस्थित रहे।प्रतियोगिता के कनिष्ठ, वरिष्ठ एवं विषय आधारित वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा विशेष श्रेणी के पुरस्कार तथा प्रतिष्ठित चैंपियन ऑफ चैंपियंस पुरस्कार भी प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि राम कृपाल यादव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ रोटरी की सकारात्मक सामाजिक छवि और समाज में उसकी पहचान को मजबूत करते हैं। रोटरी जिला गवर्नर रोटेरियन अनु नारंग ने प्रतियोगिता को युवाओं की प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए अनूठा मंच बताते हुए बच्चों को रोटरी के इंटरैक्ट क्लब से जुड़कर समाजसेवा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ पाटलिपुत्र के द्वैमासिक समाचार-पत्र का विमोचन भी किया गया। इसमें क्लब की प्रमुख सेवा गतिविधियों एवं उपलब्धियों को संकलित किया गया है। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन अंजनी कुमार सिन्हा ने कहा कि 45 वर्षों से आयोजित हो रही यह प्रतियोगिता नई पीढ़ी को भारतीय लोक संस्कृति से जोड़ने तथा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में क्लब की महत्वपूर्ण पहल है। क्लब सचिव रोटेरियन उमेश कुमार जैन ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यालयों, प्रतिभागियों, शिक्षकों,अभिभावकों, निर्णायकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।प्रतियोगिता के अध्यक्ष रोटेरियन नवीन गुप्ता ने आयोजन की सफलता में सहयोग देने वाले के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रोटरी के पूर्व जिला गवर्नर संदीप नारंग, एल. बी. सिंह एवं नम्रता नाथ सहित पटना के विभिन्न रोटरी क्लबों के अध्यक्ष एवं सदस्य, विभिन्न विद्यालयों के निदेशक एवं प्राचार्य उपस्थित रहे।

दरभंगा एवं प्रमुख राष्ट्रीय उच्च पथ परियोजनाओं की समीक्षा : मंत्री ने दिए कार्य में तेजी लाने के निर्देश

■ बैठक में दरभंगा-जयनगर (एनएच-527 बी), मशरक-चकिया-भिठामोड़ (एनएच-227 एवं एनएच-227 ए-राम जानकी मार्ग) आदि परियोजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेंद्र ने शनिवार को दरभंगा सहित राज्य की कई प्रमुख राष्ट्रीय उच्च पथ परियोजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। इस उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दरभंगा से संबंधित सड़कों एवं पुलों के निर्माण कार्यों का उन्होंने विस्तृत जानकारी ली और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने एवं उनके अनुमोदन की प्रक्रिया में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए। बैठक में मंत्री इ. शैलेंद्र ने दरभंगा-जयनगर (किमी 31 से किमी 54, पैकेज-सेकेंड, एनएच-527 बी) से संबंधित लगभग 38 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजना के डीपीआर को शीघ्र तैयार कर सक्षम स्तर पर स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, मशरक-चकिया-भिठामोड़ (एनएच-227 एवं एनएच-227 ए-राम जानकी मार्ग) की लगभग 146 किलोमीटर लंबी महत्वपूर्ण परियोजना को उच्च प्राथमिकता पर रखते हुए एक सप्ताह के भीतर इसका डीपीआर तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए कहा। समीक्षा के दौरान अरवल (किमी 0) से बिहारशरीफ (किमी 89) तक एनएच-33 (पुराना एनएच-110) की कुल 89 किलोमीटर लंबी परियोजना के डीपीआर एवं अन्य तकनीकी प्रक्रियाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश मंत्री इ. शैलेंद्र ने दी। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाना और डीपीआर अनुमोदन एवं निर्माण कार्य में लगने वाले समय को कम करना था। इस दौरान अभियंता प्रमुख, उत्तर बिहार के मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ के मुख्य अभियंता, बीएसआरडीसीएल के मुख्य महाप्रबंधक और पुल निर्माण निगम के प्रबंध निदेशक सहित विभागीय पदाधिकारी प्रत्यक्ष एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

‘सह-अस्तित्व’ से बचेगा जंगल और वन्यजीव विद्यार्थियों ने सीखा संघर्ष से बचाव के उपाय

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मानव और वन्य जीवों के बीच सह-अस्तित्व ही संरक्षण की सबसे मजबूत कड़ी है। वन्य प्राणी सप्ताह-2026 के दूसरे दिन पटना जू में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताया कि वन क्षेत्रों में कमी, प्राकृतिक आवासों में बदलाव और जलवायु परिवर्तन जैसी परिस्थितियां मानव-वन्यजीव संघर्ष की वजह बन सकती हैं। ऐसे में जागरूकता, सतर्कता और वैज्ञानिक तरीके से रेस्क्यू एवं प्रबंधन बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को रेस्क्यू प्रक्रिया के साथ स्तनधारियों की विविधता और उनके संरक्षण की जानकारी भी दी गई।

संघर्ष कम करने में जागरूकता और समय पर रेस्क्यू जरूरी: कार्यक्रम के पहले सत्र में पटना जू के वन्यजीव चिकित्सक डॉ. मनोज कुमार टोनी ने ‘मानव-वन्यजीव संघर्ष और उसके निवारण के उपाय’ विषय पर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने बताया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए विभिन्न स्तरों पर लगातार प्रयास किए जाते हैं। स्थानीय स्तर पर लोगों में जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने के साथ संघर्ष की स्थिति में समय पर रेस्क्यू और उचित प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से रेस्क्यू किए गए गैंडे का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को रेस्क्यू ऑपरेशन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. टोनी ने कहा कि रेस्क्यू के दौरान भीड़ को नियंत्रित करना, वन्यजीव की गतिविधियों पर लगातार नजर रखना और सुरक्षित तरीके से उसे ट्रैंक्विलाइज करना महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने ट्रैंक्विलाइजेशन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और आवश्यक प्रक्रियाओं की भी जानकारी दी।

5,000 से अधिक स्तनधारी प्रजातियों की जानकारी: दूसरे सत्र में डॉ. दिलीप कुमार बैठा ने ‘स्तनधारियों पर संक्षिप्त चर्चा’ विषय पर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने बताया कि विश्वभर में 5,000 से अधिक स्तनधारी प्रजातियां पाई जाती हैं। इनका आकार, स्वरूप और जीवन-शैली एक-दूसरे से काफी अलग होती है। उन्होंने स्तनधारियों की विविधता के साथ पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और संरक्षण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को वन्यजीवों और उनके संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाने के साथ मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करना था। वन्यप्राणी सप्ताह के तहत पटना जू में विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताह का समापन समारोह 8 अक्टूबर को आयोजित होगा।

सेट पर लगी आग, बाल-बाल बचीं संजना पांडेय

पटना। भोजपुरी सिनेमा की टीआरपी क्वीन अभिनेत्री संजना पांडेय हाल ही में अपनी फिल्म ‘भूतनी का बदला’ की शूटिंग के दौरान एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गईं। फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के बदलापुर, जौनपुर में चल रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म के एक सीन में आग का इस्तेमाल किया जाना था और इसी दौरान अचानक आग बेकाबू होकर अभिनेत्री की ओर फैल गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद शूटिंग सेट पर मौजूद लोगों के बीच मची अफरा-तफरी की चर्चा भी फिल्मी गलियारों में होने लगी है। संजना पांडेय के मुताबिक, जिस सीन की शूटिंग हो रही थी, उसमें उन्हें आग के बीच खड़ा होना था। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत ज्वलनशील सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। शूटिंग के दौरान हवा काफी तेज चलने लगी, जिसके कारण आग को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया और लपटें अचानक उनकी ओर आ गईं। देखते ही देखते आग उनके कपड़ों तक पहुंच गई। अभिनेत्री ने बताया कि स्थिति बेहद अचानक बिगड़ी और कुछ ही क्षणों में उनके कपड़ों में आग लग गई।

पांच सवाल, जिनका जवाब चुनाव आयोग को देना ही होगा : दीपंकर

पटना। भाकपा माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने चुनाव आयोग पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। 1 अक्टूबर को चुनाव आयोग द्वारा सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव आयुक्तों के नाम पत्र जारी किया गया है जिसमें जिन लोगों के नाम एसआईआर के बाद भी मतदाता सूची से बाहर है और फर्स्ट टाइम वोटर हैं ,उनके नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। भाकपा माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, और आयोग से पांच सवाल पूछा है। उन्होंने कहा कि अब चुनाव आयोग (ईसीआई) चाहता है कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) एक महीने के भीतर उन मतदाताओं तक पहुंचें, जिन्हें वह छूटे हुए मतदाता बता रहा है। लेकिन ये मतदाता छूटे हुए नहीं हैं. इनमें से ज्यादातर को जानबूझकर और चुन-चुनकर मतदाता सूची से बाहर किया गया है। उन्होंने पार्टी के जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हमने बिहार के कुछ चुनिंदा बूथों पर घर-घर जाकर ऐसे मतदाताओं का सर्वे किया और पाया कि एसआईआर के तहत कम से कम 17 प्रतिशत मतदाताओं के नाम गलत तरीके से काटे गए हैं। दूसरे शब्दों में, चुनाव आयोग अब खुद मान रहा है कि एसआईआर की प्रक्रिया में लाखों मतदाताओं को वोटर लिस्ट से बाहर कर दिया गया है. अब पांच अहम सवाल हैं, जिनका जवाब चुनाव आयोग को देना होगा।

बाढ़ राहत कार्य युद्ध स्तर पर चलाया जाए : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा और वाल्मीकि नगर बराज से छोड़े गए पानी के बाद बिहार में बाढ़ का प्रकोप अत्यंत भयावह हो गया है। उत्तर बिहार के छह जिलों पश्चिम चंपारण,पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, वैशाली और सारण जिले के लाखों की आबादी बाढ़ की चपेट में आ गई है। राज्य सरकार बाढ़ की त्रासदी रोकने में विफल साबित हुई है। हजारों घर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं तो दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत बाढ़ की पानी में डूबने से हो गई है। 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक की फसल की छति हुई हैं। दर्जनों तटबंध और सड़के टूट गई है। सरकार का बाढ़ राहत का कार्य भी फ्लॉप है। बाढ़ पूर्व सरकार की सभी तैयारियां फिसड्डी साबित हुई है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि बिहार एक साथ बाढ़ और सूखे की त्रासदी झेल रहा है। लेकिन केंद्र सरकार द्वारा सहायता की कोई घोषणा नहीं की गई। केंद्र सरकार बाढ़ और सूखे को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सरकार से बाढ़ग्रस्त छेत्र में युद्ध स्तर पर राहत कार्य चलाने, सभी मृतक के आश्रितों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने, जिसका घर बाढ़ में गिर गया है उसे पक्का मकान देने और प्रति एकड़ 50 हजार रुपये की दर से फसल का छति मुआवजा देने की मांग करती है।।

जीविका के 20 साल बेमिसाल की सफलता नीतीश कुमार की संकल्प शक्ति का प्रमाण : जदयू

पटना। प्रदेश जदयू प्रवक्ता शंभू नाथ सिन्हा ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर बिहार के सभी जिलों में आयोजित जीविका के 20 साल बेमिसाल का राज्यव्यापी कार्यक्रम बेहद सफल रहा। इसकी व्यापक भागीदारी ने यह साबित किया है कि दूरदर्शी सोच, पारदर्शी शासन और दृढ़ संकल्प शक्ति के साथ आधी आबादी के जीवन में व्यापक और सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने अपने शासनकाल के दो दशकों में महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की है। जीविका इसी सोच और संकल्प का एक प्रमुख उदाहरण है, जिसने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिहार के कल्याण और विकास को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले नीतीश कुमार ने वर्ष 2005 में सत्ता संभालने के बाद राज्य के चैमुखी विकास की दिशा में काम शुरू किया। समाज के शोषितों और वंचितों के अधिकारों से लेकर आम लोगों और किसानों के हितों तक, उनकी सरकार ने विभिन्न वर्गों की समस्याओं और अपेक्षाओं को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि बिहार लंबे समय से बाढ़ और सुखाड़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की समस्या का सामना करता रहा है। नीतीश कुमार ने इन समस्याओं को लगातार विभिन्न मंचों पर उठाया है।

अमेरिकी नागरिक प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था में किए गए करोड़ों रुपए के घोटाला की उच्चस्तरीय जांच हो : फैसल

पटना। अमेरिकी नागरिक फैसल रहमानी एवं उसके भाई फहद रहमानी के द्वारा इमारत शरिया जैसे प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था के करोड़ों रुपए के दुरुपयोग के मामले पर उच्चस्तरीय जांच एवं कानूनी कार्रवाई केंद्र व राज्य सरकार करें। इमारत शरिया के रुपए से अमेरिका आना-जाना एवं देश के कई राज्यों में घूमना,यह पैसे कहां से आते हैं इसका हिसाब नकली धर्मगुरु एवं विदेशी नागरिक फैसल रहमानी को देना चाहिए।इमारत शरिया के इमारत को बचाने के लिए मैं अपनी आवाज उठाता रहूंगा। जब तक इमारत शरिया से भ्रष्टाचार एवं भ्रष्टाचारी नहीं है हटेंगे, आवाज बुलंद करता रहूंगा। इस बात की जानकारी देते हुए इमारत शरिया बचाओ अभियान के प्रदेश संयोजक फैसल अहमद ने कहा कि एक अमेरिकी नागरिक हमारे बिहार और देश के लिए खतरा पैदा कर सकता है।क्योंकि इस विदेशी नागरिक ने बिहार में खासकर जातिवादी को बढ़ावा दिया है।विदेशी नागरिक हमेशा सरकार के विरोध में रहकर अपनी रोटी सेकता रहा है। लोकसभा चुनाव हो या बिहार विधानसभा चुनाव ये विदेशी नागरिक को राजनीतिक करने का बहुत शौक है। सच तो यह है कि बिहार,झारखंड, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल के मुसलमान ऐसे विदेशी नागरिक को पसंद नहीं करते हैं क्योंकि यह व्यक्ति एक ढोंगी है तथा समाज के नाम पर कलंक है। सच्चे एवं ईमानदार मुसलमान ऐसे नकली धर्मगुरु के चक्कर में ना पड़े। इमारत शरिया में अभी कई ऐसे गुरु है जो इमारत के पैसे से ही करोड़पति बनकर बैठे हुए हैं ऐसे लोगों की जांच भी सुनिश्चित होनी चाहिए। बिहार ,झारखंड, पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा के मुसलमान अपना हिसाब इस मामले पर नकली धर्मगुरु एवं अमेरिकी नागरिक फैसल रहमानी से जरूर लें।

त्योहारों से पहले पटना में लगेंगी 7500 नई स्ट्रीट लाइटें

■ सभी 75 वार्डों में 100-100 लाइट लगाई जाएगी, पार्षदों के सुझाव और सर्वे के आधार पर तय हुई जगह

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। त्योहारों से पहले पटना शहर की प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने बड़ा फैसला लिया है। नगर निगम क्षेत्र के सभी 75 वार्डों में कुल 7,500 अतिरिक्त स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी।नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने प्रत्येक वार्ड में 100-100 नई स्ट्रीट लाइट लगाने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य शहर की प्रमुख सड़कों के साथ-साथ गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त रोशनी उपलब्ध कराना है।नई स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए स्थानों का चयन संबंधित वार्ड पार्षदों से मिले सुझाव और नगर निगम की ओर से कराए गए इंटरनल सर्वे के आधार पर किया गया है। उन इलाकों को प्राथमिकता दी गई है, जहां रोशनी की कमी है। इससे अंधेरे वाले क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है।नई लाइट लगाने के साथ ही शहर में पहले से लगी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और रखरखाव भी कराया जा रहा है। इसके लिए तीन-तीन सदस्यों वाली 26 टीमें विभिन्न इलाकों में काम कर रही हैं। टीमें खराब लाइट, स्विच, वायरिंग और अन्य तकनीकी खामियों को ठीक कर बंद पड़ी लाइटों को चालू कर रही हैं।जिन स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत संभव नहीं है, उन्हें बदलकर नई लाइटें लगाई जा रही हैं। नगर निगम का कहना है कि नई लाइटों की स्थापना और पुरानी लाइटों की मरम्मत से त्योहारों के दौरान शहर में रोशनी और आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। स्ट्रीट लाइट से जुड़ी शिकायतें नगर निगम के कंट्रोल रूम में दर्ज कराई जा सकती हैं। इसके लिए टोल फ्री नंबर 155304 और वॉट्सऐप चैटबॉट पर फ्री में शिकायत दर्ज की जा सकती है।

संतान की दीघार्यु के लिए महिलाओं ने किया जिउतिया व्रत

■ आर्द्रा नक्षत्र और वरीयान योग में केराव और गाय के दूध से होगा पारण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। आर्द्रा नक्षत्र और वरीयान योग के सुयोग में महिलाओं नेअपने संतान की कुशलता, दीघार्युष्य और वंश वृद्धि की कामना से जिउतिया का व्रत किया। शनिवार कोअष्टमी तिथि की उपस्थिति अपराह्न काल में, प्रदोष काल में और चंद्रोदयव्यापिनी होने से यह ब्रह्मभाव हो गया है। अष्टमी तिथि शनिवार को सुबह 10:03 बजे से शुरू होकर रविवार की सुबह 07:38 बजे तक है। इस संबंध में पंचरूपी हनुमान मदिर के पंडित मुकेश पांडेय ने विभिन्न पंचांगों के हवाले से बताया कि सनातन धर्मावलंबियों में इस व्रत का खास महत्व है। रविवार को अष्टमी तिथि के समाप्ति के बाद व्रती महिलाएं केराव और गाय के दूध से पारण करेंगी। जिउतिया व्रत से जुड़ी प्रमुख कथा के अनुसार, राजा जीमूतवाहन ने नागवंश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दिए थे। उनकी करुणा और त्याग की प्रेरणा से यह व्रत त्याग, धर्म व करुणा की शिक्षा देता है। इस पौराणिक कथा के मुताबिक, व्रत करने से नागदोष का प्रभाव घर-परिवार से दूर होता है और संतान का स्वास्थ्य उत्तम होता है। यह व्रत त्याग करुणा और धर्म की शिक्षा देता है। महिला अपने अखंड सौभाग्य, पुत्रों की मंगल कामना, दीघार्युष्य व वंश वृद्धि के लिए जीवत्पुत्रिका (जीउतिया) का निर्जला व्रत करती है। जिउतिया के दिन कुश से जीमूतवाहन की मूर्ति बनाकर उनकी पूजा साथ में माता लक्ष्मी और देवी दुर्गा की पूजा करने के बाद माताएं ब्राह्मण या योग्य पंडित से जीमूतवाहन की कथा सुनकर उनको दक्षिणा प्रदान की।

पटना नगर निगम क्षेत्र में कर के दायरे से बाहर संपत्तियों के लिए लगेंगे शिविर

■ वार्डवार आयोजित होंगे कर निर्धारण शिविर, नए कर निर्धारण, पुनर्निर्धारण एवं संपत्ति कर भुगतान की मिलेगी सुविधा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना नगर निगम द्वारा संपत्ति कर के दायरे से बाहर रह गई संपत्तियों को कर के दायरे में लाने तथा राजस्व संग्रहण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष पहल की जा रही है। संपत्ति कर संवर्धन के लिए चलाए गए डोर-टू-डोर अभियान के बाद अब निगम द्वारा विभिन्न वार्डों में वार्डवार कर निर्धारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से आम नागरिक अपनी संपत्तियों का नया कर निर्धारण पुनर्निर्धारण, संपत्ति कर में परिवर्तन अथवा संशोधन तथा संपत्ति कर भुगतान से संबंधित कार्य आसानी से करवा सकेंगे। नागरिक अपनी सुविधानुसार नजदीकी शिविर में पहुंचकर इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। पटना नगर निगम द्वारा प्रथम चरण में 5 से 7 अक्टूबर तथा दूसरे चरण में 8 से 10 अक्टूबर 2026 तक शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रथम चरण में 5 से 7 अक्टूबर 2026 तक नूतन राजधानी अंचलः वार्ड पार्षद कार्यालय, सब्जपुरा (वार्ड-3) तथा पाटलिपुत्र अंचलः गेट संख्या 93, अशोक राजपथ (वार्ड 22-ए) में होगा। जबकि दूसरा चरण 8 से 10 अक्टूबर 2026 में नूतन राजधानी अंचलः वार्ड पार्षद कार्यालय, हरनीचक (वार्ड 11) एवं पाटलिपुत्र अंचल में वार्ड पार्षद कार्यालय, बैंक ऑफ बरौडा के पास, कुर्जी (वार्ड 22-बी) में होगा। सभी सफाई निरीक्षकों एवं सेक्टर सुपरवाइजरों को अपने-अपने वार्डों में भ्रमण कर ऐसी संपत्तियों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है, जिनका अब तक कर निर्धारण नहीं हुआ है अथवा जिनके पुनर्निर्धारण की आवश्यकता है।

चिह्नित संपत्तियों की जानकारी संबंधित कार्यपालक पदाधिकारियों को उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि संबंधित संपत्तिधारकों को शिविरों के माध्यम से कर निर्धारण की सुविधा प्रदान की जा सके।इसके अतिरिक्त, निगम के कंट्रोल रूम द्वारा संपत्ति कर के दायरे से बाहर रह गए बिजली उपभोक्ताओं से भी संपर्क किया जाएगा। उन्हें कर निर्धारण शिविरों की जानकारी देते हुए अपनी संपत्ति का कर निर्धारण कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कर निर्धारण के साथ-साथ शिविरों में संपत्तिधारक अपने बकाया संपत्ति कर का भुगतान भी कर सकेंगे। विदित हो कि 1 अक्टूबर 2026 से बकाया संपत्ति कर की राशि पर प्रतिमाह 1.5 प्रतिशत की दर से पेनाल्टी लागू हो गई है।सभी बकायेदार संपत्तिधारकों से अपील है कि वे अतिरिक्त पेनाल्टी से बचने के लिए यथाशीघ्र अपने बकाया कर का भुगतान करें। साथ ही, जिन संपत्तियों का अब तक कर निर्धारण नहीं हुआ है, उनके स्वामी निर्धारित शिविरों में पहुंचकर समय रहते अपनी संपत्ति का कर निर्धारण सुनिश्चित कराएं।

मिथिला की परंपरा के अनुरूप अतिथियों और ग्राम रक्षा दल के पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। पंचायत सरकार भवन, बाबूबरही में बिहार ग्राम रक्षा दल, प्रखंड बाबूबरही के तत्वावधान में प्रखंड स्तरीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम रक्षा दल के सदस्यों, प्रखंड क्षेत्र के मुखिया एवं मधुबनी जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्राम रक्षा दल के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष राम सोगारथ यादव ने की, जबकि संचालन मधुबनी जिलाध्यक्ष अशोक कुमार यादव ने किया। मुख्य अतिथि बिहार ग्राम रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद राउत रहे। कार्यक्रम में बाबूबरही प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के मुखिया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सम्मेलन में पंचायती राज विभाग द्वारा निर्गत पत्र के आलोक में ग्राम रक्षा दल के सदस्यों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने को लेकर विशेष चर्चा हुई। उपस्थित मुखिया से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराने की दिशा में आवश्यक पहल करने का आग्रह किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रशिक्षण मिलने से ग्राम रक्षा दल के सदस्य अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक अनुशासन और दक्षता के साथ कर सकेंगे।समारोह में अतिथियों, मुखिया एवं ग्राम रक्षा दल के पदाधिकारियों को मिथिला की परंपरा के अनुरूप पाग, माला एवं चादर प्रदान कर सम्मानित किया गया। सतघरा पंचायत के मुखिया नंदकिशोर यादव के नेतृत्व में आयोजित सम्मान समारोह में ग्राम रक्षा दल के सदस्यों के सम्मान, अधिकार और भविष्य से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई।मुखिया महासंघ के अध्यक्ष लक्ष्मण पासवान ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए ग्राम रक्षा दल के इतिहास और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उनके पिता भी ग्राम रक्षा दल के सदस्य रहे हैं। उन्होंने दल के सदस्यों के कल्याण एवं उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में सरकार, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से पहल की अपेक्षा जताई।इस अवसर पर मधुबनी जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्राम रक्षा दल के प्रखंड अध्यक्षों को भी पाग, माला एवं चादर से सम्मानित किया गया। संगठन की मजबूती, आपसी समन्वय एवं सदस्यों की समस्याओं के समाधान को लेकर विचार-विमर्श किया गया।प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद राउत ने कहा कि ग्राम रक्षा दल के सदस्य गांवों में सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता एवं प्रशासनिक सहयोग से जुड़े कार्यों में अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदस्यों के प्रशिक्षण, सम्मान और भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठन स्तर पर लगातार प्रयास किया जाएगा।कार्यक्रम में लक्ष्मी पासवान, विनोद चौधरी, अरविन्द पासवान, रंजीत कुमार कामत, अशोक कुमार, राम एकबाल, नन्द कुमार यादव, वीरेन्द्र कुमार राय, विजय झा, राजकुमार साहु, भोगेन्द्र यादव, लक्ष्मण दास, भोगी साह, रविन्द्र पासवान, भोगेन्द्र सिंह, जीवछ साह एवं बदरे आलम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में प्रदेश महामंत्री विजय कुमार साह ने अतिथियों, मुखिया, ग्राम रक्षा दल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ी के खिलाफ आइसा-आरवाईए का प्रतिवाद मार्च

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) और आइसा के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय स्थित केंद्रीय पुस्तकालय परिसर के बाबा नागार्जुन प्रतिमा स्थल से प्रतिवाद मार्च निकाला। मार्च विश्वविद्यालय थाना होते हुए कामरेड भोगेंद्र झा चौक पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया। मार्च को संबोधित करते हुए आरवाईए के राज्य उपाध्यक्ष संदीप कुमार चौधरी ने आरोप लगाया कि पिछले 10 महीनों में दो चुनाव आयुक्तों द्वारा कई बार आपत्ति दर्ज कराने के बावजूद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के स्तर से ऐसे फैसले लिए गए, जिनसे विपक्षी दलों ने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दो चुनाव आयुक्तों की ओर से 10 महीनों में 14 बार आपत्ति दर्ज किए जाने की बात सामने आई थी। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने और नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 में किए गए बदलावों पर भी सवाल उठाया। द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, एस आई आर के दौरान 30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की प्रारूप मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए गए थे। फॉर्म-6 के ऑनलाइन संस्करण में रक्तसे संबंधित अतिरिक्त जानकारी मांगे जाने को लेकर भी दो चुनाव आयुक्तों ने आपत्ति जताई थी। बाद में आयोग ने संबंधित अतिरिक्त घोषणा को फॉर्म-6 से हटा दिया। सभा को संबोधित करते हुए इंकलाबी नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष ओणम सिंह और आइसा राज्य परिषद सदस्य मिथिलेश यादव ने कहा कि छात्र-युवा पेपर लीक, रोजगार, शिक्षा और मतदान अधिकार से जुड़े सवालों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग दोहराते हुए कहा कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रतिवाद मार्च में संदीप कुमार चौधरी, ओणम सिंह, मिथिलेश यादव, मयंक कुमार यादव, सोनू पासवान, गोपाल पासवान, रोहन कुमार, सुजीत पासवान, किसान नेता केशरी कुमार यादव, मो. हम्माद, प्रिंस कुमार, सोहन सहित दर्जनों छात्र-युवा शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

अमेजॅन ने अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा का किया विस्तार

मुर्शिदाबाद। अमेजॅन ने 120 से अधिक शहरों को कवर करने वाले राष्ट्रव्यापी रोलआउट के हिस्से के रूप में अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा अमेजॅन नाउ को पश्चिम बंगाल में 19 स्थानों तक विस्तारित किया है। उक्त विस्तार में कोलकाता, आसनसोल, दुर्गापुर, मुर्शिदाबाद, कृष्णानगर, बशीरहाट, कटवा, चित्तरंजन, हबरा, बंगगांव, डोमकल, राणाघाट, जांगीपुर, बोलगपुर, खड़गपुर, रामपुर, बर्दवान, मिदनापुर और नदिया शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि अमेजॅन नाउ ने केवल दो सप्ताह में अपनी भौगोलिक पहुंच को दोगुना कर दिया है और किराने का सामान, फल और सब्जियां, जमे हुए भोजन, व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद, फैशन, सौंदर्य आइटम, छोटे उपकरण और घर और रसोई उत्पादों सहित दैनिक आवश्यकताओं की एक श्रृंखला में मिनटों के भीतर डिलीवरी प्रदान करता है। अमेजॅन ने यह भी कहा कि ग्राहक 8 अक्टूबर से शुरू होने वाले अमेजॅन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के दौरान सेवा के माध्यम से उत्सव के प्रस्तावों तक पहुंच सकते हैं। ऑफर में चुनिंदा उत्पादों पर छूट, एसबीआई क्रेडिट और डेबिट कार्ड और ईएमआई लेनदेन पर 10 प्रतिशत की तत्काल छूट और प्राइम सदस्यों के लिए 10 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत शामिल है।

सहयोग शिविर की तैयारियों का बीडीओ ने किया स्थल निरीक्षण

मनीगाछी(दरभंगा)। आगामी 5 सितंबर को जतुका पैकटोल एवं राघोपुर पश्चिमी पंचायत में आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों को लेकर शनिवार को बीडीओ संदीप कुमार पाण्डेय ने दोनों स्थलों का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने शिविर के आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बीडीओ ने बताया कि राघोपुर पश्चिमी पंचायत में पंचायत भवन तथा जतुका पैकटोल पंचायत में दिघिया पोखर स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र के समीप सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से आम लोगों को आवश्यक सहयोग एवं सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि शिविर की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए संबंधित पंचायतों के मुखिया को आवश्यक प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया गया है, ताकि पात्र लोग शिविर का लाभ उठा सकें। निरीक्षण के दौरान मुखिया बिजली पासवान सहित पंचायत स्तरीय कर्मी मौजूद थे।

वर्षों से लापता युवक जयनगर रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद

मधुबनी बासोपट्टी पुलिस ने करीब दो वर्षों से लापता चल रहे जमुई जिले के एक युवक को जयनगर रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, युवक रेलवे पटरी के आसपास घूमते हुए मिला था। उसकी स्थिति और हुलिया काफी अस्त-व्यस्त थाथानाध्यक्ष ने युवक को थाना लाकर उसकी साफ-सफाई कराई। इसके बाद बाल-दाढ़ी कटवाकर उसे नए कपड़े पहनाए गए और खाना खिलाया गया। पुलिस ने युवक के परिजनों से संपर्क कर उन्हें सूचना दी।सूचना मिलने पर परिजन थाना पहुंचे। आवश्यक सत्यापन के बाद पुलिस ने युवक को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। करीब दो वर्षों बाद युवक के सकुशल मिलने से परिजनों में खुशी का माहौल है।

मधेपुरा के संजय कुमार सुमन को मिला इंटरनेशनल ऑनररी डॉक्टरेट अवार्ड, लोगों में प्रसन्नता

प्रात: किरण संवाददाता

सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन और मदर ताहिरा चैरिटेबल फाउंडेशन (बेतिया) ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती (2 अक्टूबर, 2026) के उपलक्ष्य में सामाजिक कार्यकर्ता,हिंदी एवं अंगिका के साहित्यकार संजय कुमार सुमन को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मानद डिग्री– डॉक्टर ऑफ लेटर्स (ऊछ३३.) / इंटरनेशनल ऑनररी डॉक्टरेट अवार्ड 2026 से सम्मानित किया है।यह सम्मान गांधीवादी दर्शन, सत्याग्रह आंदोलन, विश्व शांति, अहिंसा, सत्य, मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन को कम करने, सतत विकास (वृक्षारोपण के माध्यम से) और मानव कल्याण के प्रति उनके असाधारण आजीवन समर्पण और वैश्विक योगदान के लिए श्रीसुमन

को प्रदान किया गया है।सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन के महासचिव डॉ. एजाज अहमद ने कहा कि श्रीसुमन अंतरराष्ट्रीय शांति, अहिंसा और मानवीय प्रयासों में उनका काम पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह पुरस्कार श्रीसुमन को सर्वोच्च सम्मान के रूप में दिया गया है।इस सम्मान लिए श्रीसुमन ने सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन के महासचिव डॉ. एजाज अहमद को तहेदिल से आभार एवं धन्यवाद दिया है। श्री सुमन को इंटरनेशनल ऑनररी डॉक्टरेट अवार्ड मिलने पर दर्जनों लोगों ने इन्हें बधाई देते हुए कहा कि हमें इन से प्रेरणा लेकर गांव-गांव तक लोगों को जागरूक होने की जरूरत है।लोगों ने कहा कि श्रीसुमन न केवल पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय हैं, बल्कि समाज सेवा, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान सराहनीय है। उन्होंने समाज की भलाई के लिए कई पहल की हैं और लगातार अपने कार्यों से समाज को जागरूक किया है। इसके परिणामस्वरूप, उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब तक दो दर्जन से ज्यादा सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

एसएसबी एसटीएफ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मिली बड़ी सफलता

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के एफ समवाय मुख्यालय कमला द्वारा बिहार एसटीएफ एवं जयनगर थाना पुलिस टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए 02 देशी पिस्तौल, 24 जिंदा कारतूस, 04 मैगजीन एवं लगभग 65,000 रु.नकद के साथ एक व्यक्ति को मामले में गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई समवाय आसूचना कार्मिक से प्राप्त विशिष्ट सूचना के आधार पर समवाय प्रभारी के निर्देश पर निरीक्षक अमोल कुमार के नेतृत्व में 06 बलकर्मियों की एसएसबी टीम ने बिहार एसटीएफ एवं जयनगर पुलिस के 02 कर्मियों के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई की। संयुक्त टीम द्वारा सीमा स्तम्भ संख्या 270/08 से लगभग 7 किलोमीटर दूर, थाना जयनगर, जिला मधुबनी क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर जांच की गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से निम्नलिखित सामग्री बरामद हुई बरामद सामग्रीमें देशी पिस्तौल 02 नग, 7.65 एम एम जिंदा कारतूस 20 नग, 8` जिंदा कारतूस 04 नग पिस्तौल की मैगजीन 04 नग, भारतीय रुपैया लगभग 65,000 मोबाइल फोन 02 नगशामिल है। गिरफ्तार व्यक्तिविजय कुमार सिंह, उम्र लगभग 51 वर्ष, निवासी कोरहिया, थाना जयनगर, जिला मधुबनी बताया जाता है।प्रारंभिक पूछताछ में जानकारी प्राप्त हुई कि बरामद हथियार एवं कारतूस को किसी अन्य व्यक्ति को बेचने के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। मामले में हथियारों एवं संबंधित सामग्री के स्रोत तथा संभावित प्राप्तकर्ता के संबंध में आगे की जांच की जा रही है।बरामद देशी पिस्तौल, मैगजीन, जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन एवं नकद राशि तथा गिरफ्तार व्यक्ति को कब्जे में लेकर विधिवत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सभी बरामद सामग्री एवं गिरफ्तार व्यक्ति को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु थाना जयनगर को सुपुर्द करने की प्रक्रिया जारी है। मामले में आर्म्स एक्ट के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।कमांडेंट, 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर ने कहा कि सीमा क्षेत्र में अवैध हथियारों एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए एसएसबी द्वारा आसूचना आधारित कार्रवाई लगातार जारी है। बिहार एसटीएफ एवं स्थानीय पुलिस के साथ बेहतर समन्वय के माध्यम से ऐसे तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

बीआरसी कार्यालय पर शिक्षक संघ बिहार प्रखण्ड ईकाई का धरना आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर स्थित बीआरसी कार्यालय परिसर में शनिवार को शिक्षक संघ बिहार के आह्वान पर शिक्षक संघ जयनगर प्रखण्ड ईकाई के तत्वावधान में 12 सूत्री मांगो को लेकर एक दिवसीय धरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता व नेतृत्व संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष डा. धनिक लाल यादव एवं संचालन संघ के प्रखण्ड सचिव राम विनोद यादव के द्वारा किया गया। धरना कार्यक्रम में उपस्थित संघ के सदस्यो शिक्षको ने मांगो को लेकर आवाज बुलंद करते हुए मांगो को पूरा करने को लेकर जोरदार नारे लगाए । धरना कार्यक्रम को संघ के अध्यक्ष डा .धनिक लाल यादव समेत वक्ताओं ने सम्बोधित करते हुए कहा मांगो में जबरन स्थानांतरण पर रोक लगाई जाए, सांतवा वेतमान लाभ देने, पुरानी पेंशन लागू करने, नियोजित एवं विशिष्ट शिक्षको को स्नातक ग्रेड एवं कालवध प्रोन्नति का लाभ देने, सभी कोटि के वेतन भुगतान समय पर करने, प्रधान शिक्षकों का वेतन,संरक्षण के साथ वेतन निर्धारण कर वेतन अंतर वेतन का भुगतान किया जाए, अनुकम्पा पर बहाल शिक्षको के आश्रित को वेतन मान दिया जाए, ऊर्दू विद्यालय पर शुक्रवार को हाफ डे करने का पत्र निकाला जाए, निदेशक प्राथमिक शिक्षा के पत्रांक 2708 दिनांक 17.09.26 के आलोक में डीएलएड डिग्री धारी शिक्षकों पूर्णता की तिथि से प्रशिक्षित वेतनमान देने,मधुबनी जिले के विशिष्ट शिक्षकों के शेष प्रखंडो के बचे हुए सेवा पुस्तिका का संधारण अविलंब किया जाए, मधुबनी जिला के एमडीएम की लंबित राशि का भुगतान शीघ्र किया जाए, मधुबनी जिला के विभिन्न प्रखंडो में कार्यरत सफाईकर्मी का बकाया मानदेय का भुगतान शीघ्र किए जाने समेत अन्य मांगे शामिल है। मांग पत्र बीईओ को सौंपे जाने की जानकारी दी गई। धरना कार्यक्रम में अध्यक्ष डा.धनिक लाल यादव, सचिव राम विनोद यादव, रविन्द्र कुमार, विनोद कुमार विनायक,मनोज कुमार शर्मा, राजीव रंजन राही, ललित नारायण दिवाकर, मनोज ठाकुर,किसुन साफी , सत्येंद्र कुमार, वीरेंद्र कुमार सिंह,मनोज कुमार, शिव कुमार समेत कई सदस्यों व शिक्षकों ने भाग लिया। मांग पूरा नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा 10 तारीख को जिला में कार्यक्रम होगा इसके पश्चात विधानसभा का घेराव किया जाएगा। मांगो को लेकर चरणबद्ध आंदोलन कार्यक्रम में भाग लेने को लेकर आह्वान किया गया।

सिंहवाड़ा में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन निर्माण की कवायद तेज

सिंहवाड़ा(दरभंगा)। सिंहवाड़ा प्रखंड में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गई है। शनिवार को जिलाधिकारी कौशल कुमार ने प्रस्तावित भवन निर्माण स्थल का निरीक्षण कर भूमि की उपलब्धता, स्थल की उपयुक्तता एवं निर्माण से जुड़े विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने संबंधित अधिकारियों से स्थल की भौतिक स्थिति तथा निर्माण कार्य से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों एवं अभियंताओं को निर्देश दिया कि भवन निर्माण से पूर्व सभी तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं का समुचित आकलन करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता, उपयोगिता और निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्माण से जुड़ी प्रक्रिया पूरी कर एक सप्ताह के अंदर कार्य प्रारंभ कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सहायक समाहर्ता कल्पना रावत, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रविन्द्र कुमार, अंचलाधिकारी अंकुर राय, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

व्यवसायिक संघ जयनगर की 21 सदस्यीय संयोजक कमिटी गठित

मधुबनी जयनगर व्यापारियों एवं ग्राहकों के हितों को लेकर व्यवसायिक संघ जयनगर की पहली बैठक शुक्रवार को रॉयल होटल में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता देवधा मध्य के पैक्स अध्यक्ष सह स्टील-हार्डवेयर व्यवसायी मो. अजीम अंसारी ने की। बैठक में जयनगर शहर के विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़े दर्जनों व्यवसायियों ने भाग लिया। बैठक में बाजार व्यवस्था, व्यापारियों की सुरक्षा, ग्राहकों की सुविधा समेत व्यापार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। संघ को मजबूत एवं व्यापक बनाने के लिए सर्वसम्मति से 21 सदस्यीय संयोजक कमिटी का गठन किया गया। इसमें मो. जाबीर हुसैन को संयोजक बनाया गया। अभाष कुमार गुड्डू, मो. अब्बास, शिवकुमार राउत, सत्यनारायण साह, मो. शकील, मो. जमाल, कुशे यादव, विनोद यादव, अनुराग कुमार गुप्ता, जितेंद्र साह, रंजीत जायसवाल, मो. कुर्बान, दीपक कशेरा, दुर्गेश महतो एवं नजामउद्दीन को सह-संयोजक की जिम्मेदारी दी गई। वहीं भूषण सिंह को संघ का संरक्षक चुना गया।बैठक में निर्णय लिया गया कि पर्व-त्योहार के बाद नवंबर माह तक जयनगर के विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों में सदस्यता अभियान चलाकर 500 सदस्यों को संघ से जोड़ा जाएगा। इसके बाद बड़े व्यवसायी सम्मेलन का आयोजन कर संघ की विधिवत कमिटी एवं पदाधिकारियों का चुनाव कराया जाएगा।संघ के संरक्षक भूषण सिंह ने कहा कि व्यवसायिक संघ व्यापारियों एवं ग्राहकों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठित रूप से आवाज उठाएगा। उन्होंने भारत-नेपाल खुली सीमा पर 1950 की भारत-नेपाल संधि के प्रावधानों के अनुरूप सुगम व्यापार के लिए पहल करने की बात कही। साथ ही ररइ, कस्टम, पैथर, नगर पंचायत जयनगर सहित अन्य संबंधित विभागों से जुड़ी व्यापारियों की समस्याओं को उचित स्तर पर उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बाजार में आने वाले ग्राहकों की सुरक्षा, सहायता एवं आवश्यक सुविधाओं को लेकर भी संघ पहल करेगा। बैठक में विकास यादव, मनोज कुमार, अजीम अंसारी, रामबाबू यादव, असलम सहित दर्जनों व्यवसायी उपस्थित थे।

संतान की दीघार्यु के लिए माताओं ने रखा निर्जला जितिया व्रत

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। मिथिलांचल के प्रसिद्ध लोकपर्व जितिया को लेकर शनिवार को क्षेत्र में श्रद्धा और आस्था का माहौल रहा। संतान की लंबी आयु, निरोगी जीवन और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर व्रतधारी महिलाओं ने तीन दिवसीय जितिया पर्व के दूसरे दिन निर्जला उपवास रखा। अहले सुबह करीब साढ़े तीन बजे महिलाओं ने ओठगन में दही-चूड़ा ग्रहण कर निर्जल व्रत का संकल्प लिया। इसके बाद पूरे दिन अन्न और जल का त्याग कर भगवान जितवाहन की पूजा-अर्चना की तथा व्रत कथा का श्रवण किया। पर्व को लेकर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। जगह-जगह व्रतधारी महिलाओं ने पुरोहितों के माध्यम से जितिया व्रत की कथा सुनी। पूजा-अर्चना कर महिलाओं ने अपनी संतान के दीघार्यु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन की कामना की। घरों और पूजा स्थलों पर दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहा। नहाय-खाय से शुरू हुआ था पर्व जितिया पर्व की शुरूआत शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ हुई थी। व्रतधारी महिलाओं ने तालाबों एवं नदियों में स्नान कर भगवान जितवाहन को तेल एवं खैर अर्पित कर जल में प्रवाहित किया। इसके बाद घरों में पितराइन को दही-चूड़ा और चीनी का भोग लगाया गया। व्रतधारी महिलाओं ने अरवा-अरवाइन के अन्न से तैयार भोजन ग्रहण कर नहाय-खाय की रस्म पूरी की। शनिवार की अहले सुबह ओठगन के बाद निर्जला उपवास शुरू किया गया। बाबा कुशेश्वरनाथ मंदिर में भी सुनी कथा जितिया पर्व को लेकर बाबा कुशेश्वरनाथ शिव मंदिर में भी व्रतधारी महिलाओं की भीड़ रही। महिलाओं ने बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के बाद जितवाहन भगवान की कथा का श्रवण किया। मंदिर परिसर में महिलाओं ने संतान की दीघार्यु और परिवार की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर भक्ति और आस्था से सराबोर रहा।

एसएसबी जवानो ने भारी मात्रा में नेपाली शराब जब्त करते हुए मामले में तीन व्यक्ति को हिरासत में लिया

मधुबनी भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अवैध गतिविधियों एवं शराब तस्करी की रोकथाम के लिए 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल एसएसबी जयनगर द्वारा लगातार सतर्कता, निगरानी एवं गश्त की जा रही है। इसी क्रम में समवाय मुख्यालय कमला की ह्यएफह्व कंपनी की नाका पार्टी ने आसूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 324 लीटर नेपाली शराब जब्त की तथा मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।प्राप्त आसूचना के आधार पर नाका पार्टी द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 271/04 से लगभग 800 मीटर भारतीय क्षेत्र के अंदर निगरानी की जा रही थी। इसी दौरान नेपाल की ओर से कुछ व्यक्तियों को सिर पर बोरियों में सामान लेकर भारतीय क्षेत्र में आते हुए देखा गया। संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए नाका पार्टी द्वारा उन्हें रोकने का प्रयास किया गया।एसएसबी की कार्रवाई को देखकर पीछे से आ रहे कुछ व्यक्तियों ने अपने सिर पर लदी बोरियां खेतों के बीच छोड़ दीं और अंधेरे का लाभ उठाकर नेपाल सीमा की ओर भाग गए। नाका पार्टी द्वारा घेराबंदी कर तीन व्यक्तियों को मौके पर पकड़ लिया गया।इसके बाद घटनास्थल एवं आसपास के खेतों में तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान विभिन्न स्थानों पर पड़ी बोरियों से कुल 1,080 बोतल नेपाली शराब, जिसकी कुल मात्रा 324 लीटर बरामद की गई। मामले में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचानदीपक कुमार (21 वर्ष) निवासी आमा टोल, देवधा और सूरज कुमार (19 वर्ष) निवासी सिमरारी, बासोपट्टी एवं रवि शंकर (19 वर्ष) निवासी इनरवा गोठ, उसराही, थाना देवधा बताया जाता है।प्रारंभिक पूछताछ में प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित शराब इनरवा, नेपाल स्थित गिरी की शराब दुकान से खरीदी गई थी तथा इसे भारतीय क्षेत्र में लाकर उशराही गांव निवासी मदन यादव को सौंपे जाने की बात सामने आई है। मामले में आगे की जांच एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई संबंधित प्राधिकारियों द्वारा की जा रही है।बरामद शराब की जब्ती सूची एवं गिरफ्तार व्यक्तियों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज तैयार कर थाना देवधा, जिला मधुबनी को सुपुर्द करने की कार्रवाई की जा रही है।कमांडेंट, 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर ने कहा कि भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अवैध तस्करी एवं अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों की रोकथाम के लिए एसएसबी द्वारा लगातार सतर्कता एवं आसूचना आधारित कार्रवाई की जा रही है। सीमा क्षेत्र में तस्करी की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जवानों द्वारा नियमित गश्त, निगरानी एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए स्थानीय प्रशासन एवं संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्रवाई जारी रखी जाएगी। सीमा पर अवैध गतिविधियों के विरुद्ध एसएसबी की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ी के खिलाफ आइसा-आरवाईए का प्रतिवाद मार्च

दरभंगा। इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) और आइसा के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय स्थित केंद्रीय पुस्तकालय परिसर के बाबा नागार्जुन प्रतिमा स्थल से प्रतिवाद मार्च निकाला। मार्च विश्वविद्यालय थाना होते हुए कामरेड भोगेंद्र झा चौक पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया। मार्च को संबोधित करते हुए आरवाईए के राज्य उपाध्यक्ष संदीप कुमार चौधरी ने आरोप लगाया कि पिछले 10 महीनों में दो चुनाव आयुक्तों द्वारा कई बार आपत्ति दर्ज कराने के बावजूद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के स्तर से ऐसे फैसले लिए गए, जिनसे विपक्षी दलों ने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दो चुनाव आयुक्तों की ओर से 10 महीनों में 14 बार आपत्ति दर्ज किए जाने की बात सामने आई थी। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने और नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 में किए गए बदलावों पर भी सवाल उठाया। द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, एस आई आर के दौरान 30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की प्रारूप मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए गए थे। फॉर्म-6 के ऑनलाइन संस्करण में रक्तसे संबंधित अतिरिक्त जानकारी मांगे जाने को लेकर भी दो चुनाव आयुक्तों ने आपत्ति जताई थी। बाद में आयोग ने संबंधित अतिरिक्त घोषणा को फॉर्म-6 से हटा दिया। सभा को संबोधित करते हुए इंकलाबी नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष ओणम सिंह और आइसा राज्य परिषद सदस्य मिथिलेश यादव ने कहा कि छात्र-युवा पेपर लीक, रोजगार, शिक्षा और मतदान अधिकार से जुड़े सवालों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग दोहराते हुए कहा कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रतिवाद मार्च में संदीप कुमार चौधरी, ओणम सिंह, मिथिलेश यादव, मयंक कुमार यादव, सोनू पासवान, गोपाल पासवान, रोहन कुमार, सुजीत पासवान, किसान नेता केशरी कुमार यादव, मो. हम्माद, प्रिंस कुमार, सोहन सहित दर्जनों छात्र-युवा शामिल थे।

24 घंटे में बाबूबरही लूटकांड का खुलासा, चार गिरफ्तार

मधुबनी बाबूबरही थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर उद्भेदन करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से तीन देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, 2.36 लाख रुपये नकद, 2.5 किलोग्राम गांजा तथा दो मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, एक अक्टूबर को तिरहुता निवासी रामवृक्ष साहु ने बाबूबरही थाना में आवेदन देकर 3.40 लाख रुपये नकद, दो मोबाइल फोन एवं एक मोटरसाइकिल छीन लिए जाने की शिकायत की थी। मामले में बाबूबरही थाना कांड संख्या 528/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर-02 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी शाखा के सहयोग से तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर जांच करते हुए विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लदनियां थाना क्षेत्र के तेनुआही निवासी राजकुमार मंडल, करण साफी एवं विजय कुमार राम तथा खजौली थाना क्षेत्र के कसमा मरार निवासी दिपक सरहान के रूप में हुई है।पुलिस के मुताबिक, राजकुमार मंडल के खिलाफ लूट, डकैती एवं आर्म्स एक्ट समेत कई मामले पूर्व से दर्ज हैं। वहीं करण साफी एवं दिपक सरहान का भी आपराधिक इतिहास रहा है।गिरफ्तारी के दौरान बरामद हथियार एवं गांजा के संबंध में बाबूबरही थाना में अलग से कांड संख्या 529/26 दर्ज किया गया है। इसमें एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट एवं बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।छापेमारी टीम में सदर-02 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खजौली अंचल के पुलिस निरीक्षक सरवर आलम, बाबूबरही थानाध्यक्ष राहुल कुमार, अनुसंधानकर्ता अमृता सिंह, बाबूबरही थाना के सशस्त्र बल तथा तकनीकी शाखा के पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल रहे।

खादी राष्ट्रवादी सोच का संस्कार, हर धागे में राष्ट्र निर्माण की भावना :डॉ. गोपाल जी ठाकुर

दरभंगा। खादी केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी सोच का संस्कार है। इसके हर धागे में राष्ट्र निर्माण की भावना समाहित है। गांधी जयंती के अवसर पर खादी उत्पादों पर शुरू की गई 25 प्रतिशत की विशेष छूट का जिलावासियों को लाभ उठाना चाहिए, ताकि खादी के प्रचलन को और बढ़ावा मिल सके। ये बातें स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने शुक्रवार को रामबाग स्थित खादी और ग्रामोद्योग भवन में आयोजित खादी महोत्सव-2026 के उद्घाटन के दौरान कहीं। सेवा संकल्प अभियान एवं गांधी जयंती के उपलक्ष्य में ह्यवोकल फॉर लोकलह्न के समर्थन में आयोजित महोत्सव का सांसद ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इससे पूर्व उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद ने कहा कि खादी महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन का जीवंत उदाहरण है। खादी को अपनाना स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ स्थानीय कारीगरों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग भवन द्वारा खादी वस्त्रों पर दी जा रही 25 प्रतिशत की विशेष छूट सराहनीय पहल है। लोगों को इसका लाभ उठाते हुए खादी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी खादी को जन-जन से जोड़ने तथा स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। सांसद ने खादी को भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा बताते हुए युवाओं से खादी वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। मौके पर खादी ग्रामोद्योग के विनोद कुमार मिश्रा, वार्ड पार्षद सोनी पूर्व, भाजपा जिला मंत्री बालेंदु झा, अवकाश प्राप्त प्राध्यापक प्रो. भास्कर नाथ ठाकुर, उपेंद्र झा, घनश्याम राय, पंकज कुमार मिश्र, चंदन मिश्रा, मनीष झा सहित अन्य मौजूद थे।

विधायक ने अभियंताओं व संवेदकों को दिया सख्त निर्देश, एक सप्ताह में दुरुस्त करें जर्जर सड़कें

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।कांटी विधायक अजीत कुमार ने शनिवार को क्षेत्र की जर्जर ग्रामीण सड़कों के जीर्णोद्धार को लेकर ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंताओं एवं संवेदकों के साथ बीबीगंज स्थित अपने आवास पर महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में विधायक ने स्पष्ट निर्देश दिया कि क्षेत्र में जर्जर पड़ी उन सभी सड़कों की एक सप्ताह के अंदर मरम्मत कराई जाए, जिनके कारण आम लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों को मोटरेबल बनाकर आवागमन सुचारू कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मौके पर मौजूद अभियंताओं और संवेदकों ने विधायक को आश्वस्त किया कि एक सप्ताह के अंदर सभी चिह्नित जर्जर सड़कों को मोटरेबल बनाने की कार्रवाई पूरी की जाएगी। विधायक ने नरसंडा चौक से पकड़ी, नरसंडा चौक से मानिकपुर चौक, मुबारकपुर फरदो पुल से मुबारकपुर स्कूल, मुबारकपुर स्कूल से फंसिहरवा चौक, बथनाराम बाईपास सड़क से बथना हाई स्कूल, करजा चट्टी से फंदा तथा कांटी एनएच स्थित दलित बस्ती से ढेमहां होते हुए रामपुर जाने वाली सड़क को उच्च प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त करने का निर्देश दिया। श्री कुमार ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के अंदर सड़कों के जीर्णोद्धार की कार्रवाई शुरू नहीं हुई तो संबंधित अभियंताओं एवं संवेदकों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा सरकार से की जाएगी। बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता धीरेंद्र कुमार, सभी सहायक एवं कनीय अभियंता, संवेदक सीके शाही, राम सोगारथ राय, एसएस कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधि तथा संवेदक गुड्डू सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

डिजिटल कृषि पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 5 अक्टूबर से

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में ह्यविकसित भारतह्व के दृष्टिकोण के साथ डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ और अन्नम. एआई के सहयोग से आयोजित होगी। विश्वविद्यालय के विद्यापति सभागार में 05 एवं 06 अक्टूबर को आयोजित होने वाली इस कार्यशाला का विषय स्केल-आधारित डिजिटल कृषि को अपनाने के लिए एगनेटिक रोडमैप तैयार करना रखा गया है। कार्यशाला का मूल मंत्र स्मार्ट फार्म, समृद्ध किसान, विकसित भारत है।कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य पारंपरिक

कृषि प्रणालियों में एआई, आईओटी, ड्रोन, जीआईएस, बिग डेटा और रोबोटिक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के एकीकरण में तेजी लाना है। इसमें देश भर के कृषि वैज्ञानिक, नीति निर्माता, एग्री-स्टार्टअप उद्यमी, छात्र एवं प्रतिशील किसान भाग लेंगे उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए कृषि को स्मार्ट और डिजिटल बनाना अनिवार्य है। यह कार्यशाला केवल एक चर्चा का मंच नहीं, बल्कि एक रोडमैप तैयार करने का प्रयास है, जिससे छोटे किसानों को सीधे डिजिटल सप्लाई चेन से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य की खेती के लिए नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है कार्यक्रम के आयोजन सचिव ने बताया कि कार्यशाला को चार मुख्य थीम में बांटा गया है। पहला-क्लाइमेट एंड टेक-स्मार्ट फार्मिंग, जिसमें प्रिसिजन कृषि, जलवायु लचीलापन और ड्रोन तकनीक पर चर्चा होगी। दूसरा- रिसोर्स एंड क्रॉप मैनेजमेंट, जिसमें एआई आधारित कीट-रोग पूर्वानुमान और जैविक खेती शामिल है। तीसरा- उद्यानिकी एवं पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन और चौथा- एग्रीबिजनेस एवं डिजिटल सप्लाई चेन इन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से संसाधनों का दक्ष उपयोग होगा और पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। कार्यशाला के आयोजक सीएईटी के अधिष्ठाता डॉ. आर. सुब्बैया हैं। पंजीकरण शुल्क छात्रों के लिए 1000 रुपये और फैकल्टी के लिए 1200 से 1500 रुपये रखा गया है।

संक्षिप्त खबरें

वाम दलों द्वारा देशव्यापी विरोध दिवस, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

मुजफ्फरपुर।वाम दलों द्वारा घोषित एक सप्ताह के देशव्यापी विरोध दिवस के तहत आज भाकपा-माले ने बंदरा प्रखंड के सिमरा में प्रतिरोध मार्च निकाला।भाकपा-माले कार्यकताओं ने सिमरा भट्ठा चौक से सिमरा चौक तक मार्च निकाला और सिमरा चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने ह्ललोकतंत्र के हत्यारे ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दोह्व के नारे लगाए।सभा को संबोधित करते हुए भाकपा-माले प्रखंड सचिव रामबली मेहता ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। उन्हें अविलंब अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अगर वे इस्तीफा नहीं देते हैं तो वाम दल देशव्यापी आंदोलन को और तेज करेगा।इस कार्यक्रम में भाकपा-माले प्रखंड सचिव रामबली मेहता, संजय कुमार दास, महेश महतो, शत्रुधन महतो, अनीता देवी, विष्णदेव महतो, गीता देवी, नवीन कुमार, रेणु देवी, समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

दरभंगा स्नातक-शिक्षक निर्वाचन में 13 अभ्यर्थियों ने कटाई नाजीर रसीद

दरभंगा। बिहार विधान परिषद के 05-दरभंगा स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चल रही नामांकन प्रक्रिया के तहत शनिवार को कुल 13 अभ्यर्थियों ने नामांकन के लिए नाजीर रसीद कटाई। नामांकन प्रक्रिया निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के तहत जारी है। बिहार में संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अधिसूचना 29 सितंबर को जारी हुई थी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि छह अक्टूबर निर्धारित है। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 10 अभ्यर्थियों ने नाजीर रसीद कटाई। इनमें दरभंगा के दिलीप कुमार, सरोज कुमार, ब्रह्मानंद मिश्रा एवं जय प्रकाश झा, बेगूसराय के रजनीकांत पाठक, मधुबनी के रविंद्र प्रसाद सिंह, दिनेश कुमार चौधरी, अमेश चन्द्र झा एवं मोहम्मद रियासत अली तथा समस्तीपुर की प्रीति कुमारी शामिल हैं। इसी प्रकार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए तीन अभ्यर्थियों ने नाजीर रसीद कटाई। इनमें दरभंगा के घनश्याम राय एवं शमशाद अली तथा बेगूसराय के गजेंद्र कुमार शामिल हैं। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नामांकन पत्रों की संवीक्षा सात अक्टूबर को होगी, जबकि अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि नौ अक्टूबर है। मतदान 23 अक्टूबर को तथा मतगणना 27 अक्टूबर को निर्धारित है।

जीवछ नदी में स्नान के दौरान युवक डूबा, एनडीआरएफ की मांग को लेकर फोरलेन जाम

दरभंगा। सदर थाना क्षेत्र के काकरघाटी गांव के समीप शनिवार की दोपहर जीवछ नदी में स्नान करने के दौरान पैर फिसलने से एक युवक गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान काकरघाटी गांव निवासी अखलेश यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। ग्रामीणों एवं स्वजनों ने अपने स्तर से नदी में शव की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। ग्रामीणों के अनुसार शुक्रवार को गांव में एक बुजुर्ग की मौत हो गई थी। उनके दाहसंस्कार के लिए ग्रामीण जीवछ नदी के घाट पर पहुंचे थे। दाहसंस्कार के बाद शनिवार को अखलेश यादव नदी में स्नान करने गए थे। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चले गए। अखलेश को तैरना नहीं आता था, जिससे वह डूब गए। घटना की सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों एवं स्वजनों ने बांस-बल्ले की मदद से नदी में शव की खोजबीन शुरू की। शव नहीं मिलने पर दोपहर करीब 12 बजे सदर थाना पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस से ग्रामीणों ने एनडीआरएफ की टीम बुलाकर शव की तलाश कराने की मांग की।

6 निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित करने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। निवार्ची पदाधिकारी, तिरहुत स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र-सह-आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह द्वारा बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्वि-वार्षिक निर्वाचन को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने का निदेश दिया गया है। उनके निदेश पर प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। मतदान एवं मतगणना के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें चारों जिलों-सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली- के पदाधिकारी और कर्मी भाग लेंगे। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तिरहुत शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान की तिथि 23 अक्टूबर एवं मतगणना की तिथि 27 अक्टूबर को निर्धारित है। मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संचालित करने हेतु मतदान एवं मतगणना कर्मियों का सघन प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। इस आलोक में तिरहुत स्नातक एवं तिरहुत शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र में अवस्थित सभी ज़िलों सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली जिले के मतदान कर्मियो के लिए प्रशिक्षण की तिथि एवं स्थान निर्धारित कर दिया गया है। पीठासीन पदाधिकारी तथा अन्य सभी मतदान कर्मी पी1, पी2 एवं पी3 का प्रशिक्षण जिला के प्रशिक्षण कोषांग द्वारा सम्पन्न कराने का निदेश दिया गया है। सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारी तिरहुत शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र-सह-जिला पदाधिकारी, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली को निदेशित किया गया है कि अपने सभी मतदान कर्मियों का अंतिम प्रशिक्षण डिस्पैच दिवस अर्थात पोल डेट से एक दिन पूर्व अपने जिला मुख्यालय स्थित डिस्पैच केन्द्रों से प्रदान करेंगे।

पीएम आवास योजना की सूची से नाम हटाने का आरोप, बीडीओ से की शिकायत

मुजफ्फरपुर। गायघाट प्रखंड की रामनगर पंचायत से पहुंचे एक दंपति ने प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची से उनका नाम हटाए जाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में दंपति ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से शिकायत कर मामले की जांच कराने और पात्रता के आधार पर उनका नाम पुनः सूची में शामिल कराने की मांग की है। दंपति ने बताया कि वे प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ के पात्र हैं। इसके बावजूद उनका नाम सूची से हटा दिया गया है। उनका कहना है कि योजना के तहत पक्का आवास मिलने की उम्मीद थी, लेकिन सूची से नाम हटने के बाद उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दंपति ने बीडीओ से मामले की जांच कर यह पता लगाने की मांग की है कि किस स्तर पर उनका नाम सूची से हटाया गया। साथ ही उन्होंने पात्रता की जांच के बाद योजना का लाभ दिलाने की गुहार लगाई है। इधर, बीडीओ ने दंपति की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है। जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होने और पात्र पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

प्रमुख स्टेशनों पर बनेगा अस्थायी होल्डिंग एरिया, छठ पर रेलवे की तैयारी तेज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं। यात्रियों की अत्यधिक भीड़ और दबाव को देखते हुए मुजफ्फरपुर समेत मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे। इसके लिए रेलवे प्रशासन की ओर से ई-निविदा भी जारी कर दी गई है। रेलवे की ओर से जारी टेंडर के अनुसार 16 से 25 नवंबर तक 10 दिनों के लिए होल्डिंग एरिया की विशेष व्यवस्था की जाएगी। इस पूरे कार्य के लिए रेलवे ने करीब 50 लाख रुपये की अनुमानित लागत तय की है। संवेदक को व्यवस्था तैयार करने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया है, ताकि छठ पर्व से पहले सभी तैयारियां पूरी की जा सकें। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सकुर्लेटिंग एरिया में बने नए भवन के पास होल्डिंग एरिया तैयार करने की योजना पर मंथन चल रहा है। यहां पंडाल और वेटिंग स्पेस बनाया जाएगा, जहां ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से रोका जा सकेगा। इससे मुख्य प्रवेश द्वार और प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। छठ के दौरान दिल्ली, मुंबई, कोलकाता समेत देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग बिहार लौटते हैं। ट्रेनों के पहुंचने के समय स्टेशन पर अचानक यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में होल्डिंग एरिया में यात्रियों को रोककर ट्रेन आने के समय ही उन्हें क्रमबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म पर भेजने की व्यवस्था की जाएगी। रेलवे की इस व्यवस्था का उद्देश्य प्लेटफॉर्मों और प्रवेश-निकास द्वारों पर भीड़ को नियंत्रित करना है। इससे अफरा-तफरी और भगदड़ जैसी स्थिति की आशंका को कम करने के साथ यात्रियों की आवाजाही को सुरक्षित और सुगम बनाया जा सकेगा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप राहत कार्य जारी: जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी के निदेश पर गंडक एवं बागमती नदी के जल के आस-पास के इलाकों में फैल जाने से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए जिला प्रशासन द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिय के अनुरूप सभी कार्य किया जा रहा है। सामुदायिक रसोई केन्द्रों का संचालन, पॉलीथिन शीट्स का वितरण, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा आवश्यकतानुसार प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने, सूखा राशन का वितरण, स्वास्थ्य जाँच तथा दवाओं की उपलब्धता, नावों का परिचालन, कुट्टी-भूसा पशु चारा का वितरण एवं पशु चिकित्सा की उपलब्धता, स्वच्छ पेयजल, शौचालय की सुविधा, तटबंधों की निगरानी एवं सुदृढ़ीकरण सहित आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण से हर राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है। अनुमंडल पदाधिकारियों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों सहित सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को लगातार क्षेत्र भ्रमण करने; बच्चों, महिलाओं, किसानों, बुजुर्गों सहित आम जनता से नियमित संवाद स्थापित करने एवं फीडबैक लेने तथा स्थिति के अनुसार तुरंत रिस्पॉन्ड करने का निदेश दिया गया है। ज़िलाधिकारी कुमार गौरव स्वयं वरीय अधिकारियों के साथ लगातार क्षेत्र भ्रमण एवं प्रभावित इलाकों में कैम्प कर रहे हैं तथा राहत एवं बचाव कार्यों का अनुश्रवण कर रहे हैं। उनके द्वारा स्थानीय लोगों एवं जन प्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित कर उनका सुझाव एवं फीडबैक लिया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा एसओपी के अनुसार राहत एवं बचाव कार्य संचालित किया जा रहा है।

आम के बगीचे में मिला मानव कंकाल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के भूसरा गांव स्थित एक आम के बगीचे में शनिवार को मानव कंकाल मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। कंकाल मिलने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना गायघाट थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने कंकाल को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। इस दौरान आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, बरामद मानव कंकाल की पहचान अभी नहीं हो सकी है। कंकाल कितना पुराना है और मृतक की पहचान किस प्रकार की जाएगी, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। वहीं, स्थानीय स्तर पर भी लापता लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि कंकाल की पहचान की जा सके। पुलिस की जांच के बाद ही घटना से जुड़ी पूरी तस्वीर सामने आने की संभावना है।

खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, शिवम और सुप्रिया ने जीते स्वर्ण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन विभिन्न खेल स्पधाओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खेल भवन, सिकंदरपुर स्टेडियम समेत शहर के विभिन्न खेल मैदानों में एथलेटिक्स, फुटबॉल, खो-खो, टेबल टेनिस, योग, वेटलिफ्टिंग और बॉक्सिंग के मुकाबले आयोजित किए गए। जिला खेल अधिकारी राजेंद्र कुमार ने प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। एथलेटिक्स के अंडर-14 वर्ग की 100 मीटर बालिका दौड़ में सुप्रिया ने प्रथम, सृष्टि भारती ने द्वितीय और मौसम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में शिवम कुमार पहले, आयुष राज दूसरे और आर्यन राज तीसरे स्थान पर रहे। 200 मीटर बालिका वर्ग में मौसम कुमारी ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि बालक वर्ग में शिवम कुमार ने लगातार दूसरी जीत दर्ज कर दोहरा खिताब अपने नाम किया। लंबी कूद में बालिका वर्ग से शिवानी कुमारी और बालक वर्ग से मुन्ना कुमार विजेता बने। फुटबॉल के अंडर-17 बालक वर्ग में मनोरमा देवी उच्च विद्यालय जमालाबाद ने फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि मुखर्जी सेमिनरी उपविजेता रही। खो-खो के अंडर-14 बालक वर्ग में हाई स्कूल सकरी सरैया ने क्राइस्ट ज्योति इंटरनेशनल स्कूल को हराकर खिताब जीता। बालिका वर्ग में मध्य विद्यालय हरपुर बांद्रा की टीम विजेता रही। टेबल टेनिस के अंडर-14 बालक वर्ग में वत्सल दगा प्रथम रहे। अंडर-17 वर्ग में आयुष कुमार और अंडर-19 वर्ग में रयान मासूमी ने पहला स्थान हासिल किया। योग के अंडर-14 बालक वर्ग में आरंभ कुमार और बालिका वर्ग में आनंदिता कश्यप ने बाजी मारी। वेटलिफ्टिंग के अंडर-17 बालिका वर्ग के 44 किलोग्राम भार वर्ग में रीता ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि बालक वर्ग के 56 किलोग्राम भार वर्ग में आशीष ने पहला स्थान प्राप्त किया। बॉक्सिंग के अंडर-17 बालिका वर्ग में मोनू प्रिय ने स्वर्ण पदक हासिल किया। बालक वर्ग के विभिन्न भार वर्गों में संजय, अंशुमान, शिवांश, कुंदन, सक्षम राज और पीयूष ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षा शिक्षकों और खेल संयोजकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्कूल गई छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता सात लोगों पर अपहरण की प्राथमिकी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कुढ़नी थाना क्षेत्र के एक गांव से 17 वर्षीय नाबालिग छात्रा के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। छात्रा के पिता के आवेदन पर पुलिस ने सकरा थाना क्षेत्र के रहने वाले सात नामजद लोगों के खिलाफ शादी की नीयत से बहला-फुसलाकर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। घटना के बाद से छात्रा के परिजन चिंतित हैं और उसकी सकुशल बरामदगी की गुहार पुलिस से लगाई है। प्राथमिकी के अनुसार, घटना 21 सितंबर की बताई गई है। छात्रा दोपहर करीब 12:20 बजे घर से पास स्थित सरकारी स्कूल में पढ़ने के लिए निकली थी। देर शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों, सहेलियों और संभावित ठिकानों पर खोजबीन के बावजूद छात्रा का कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों का आरोप है कि स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने के दौरान उन्हें पता चला कि सकरा थाना क्षेत्र के एक गांव के सात नामजद लोगों ने कथित तौर पर एक राय होकर छात्रा को शादी की नीयत से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले लिया है और उसे किसी अज्ञात स्थान पर छिपाकर रखा गया है। छात्रा के पिता ने कुढ़नी थाने में लिखित शिकायत देकर बेटी की सकुशल बरामदगी और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर छात्रा की बरामदगी का प्रयास कर रही है।

एडमिट कार्ड नहीं मिलने पर छात्राओं का हंगामा, मिठनपुरा-पानी टंकी रोड जाम

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से पांच अक्टूबर से आयोजित होने वाली स्नातक सत्र 2024-28 के पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा से ठीक पहले शनिवार को एमडीडीएम कॉलेज की छात्राओं ने जमकर हंगामा किया। एडमिट कार्ड नहीं मिलने से आक्रोशित सैकड़ों छात्राओं ने कॉलेज के मुख्य द्वार के समीप मिठनपुरा-पानी टंकी चौक जाने वाली मुख्य सड़क को जाम कर दिया। छात्राएं सड़क पर बैठकर विश्वविद्यालय और कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करती रहीं। सड़क जाम होने से मिठनपुरा-पानी टंकी मार्ग पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों तथा वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। सूचना मिलने पर स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और छात्राओं को समझाकर सड़क खाली कराने का प्रयास किया। प्रदर्शन कर रही छात्राओं का आरोप है कि सोमवार से पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा शुरू होनी है। रविवार को अवकाश होने के कारण शनिवार ही एडमिट कार्ड लेने का अंतिम मौका था। छात्राओं का कहना है कि वे दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से एडमिट कार्ड लेने कॉलेज पहुंचीं, लेकिन उन्हें एडमिट कार्ड नहीं दिया गया और परिसर से बाहर जाने को कहा गया। छात्राओं ने कहा कि परीक्षा नजदीक होने के बावजूद एडमिट कार्ड को लेकर स्पष्ट व्यवस्था नहीं की गई है। उनका कहना है कि बिना प्रवेश पत्र के परीक्षा में शामिल होने को लेकर वे असमंजस में हैं। छात्राओं ने मांग की कि एडमिट कार्ड वितरण की तत्काल व्यवस्था की जाए। फिलहाल पुलिस और कॉलेज प्रशासन छात्राओं से बातचीत कर मामले को शांत कराने तथा यातायात बहाल कराने के प्रयास में जुटा है। छात्राएं अपनी मांग पूरी होने तक सड़क से हटने को तैयार नहीं हैं।

उत्तर बिहार में 6 अक्टूबर तक मौसम रहेगा शुष्क

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मौसम पूवार्नुमान के अनुसार 3 से 6 अक्टूबर तक उत्तर बिहार के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान आसमान साफ रहने का अनुमान है। हालांकि 6 अक्टूबर को गोपालगंज, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण के कुछ स्थानों पर बहुत हल्की बारिश हो सकती है। पूवार्नुमान अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 80 से 90 प्रतिशत और दोपहर में 35 से 45 प्रतिशत के आसपास रह सकती है। इस दौरान पश्चिमी या दक्षिण-पश्चिमी दिशा से 4 से 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। मौसम वेधशाला पूसा के अनुसार पिछले तीन दिनों में अधिकतम तापमान का औसत 33.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत और दोपहर में 68 प्रतिशत रही। औसत हवा की गति 6 किलोमीटर प्रति घंटा तथा दैनिक वाष्पीकरण 3.8 मिलीमीटर दर्ज किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को रबी फसलों की समय पर बुआई के लिए खेत की तैयारी शुरू करने और गुणवत्तापूर्ण बीज व कृषि सामग्री की व्यवस्था पहले से करने की सलाह दी है। राई, मसूर, मटर, लहसुन, धनिया, सरसों, सूरजमुखी, राजमा और मेथी की बुआई तथा आलू की रोपाई के लिए खेत तैयार करने को कहा गया है। मिट्टी की उर्वरता और जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद के प्रयोग की सलाह दी गई है। धान की फसल में गांधी बग की नियमित निगरानी करने को कहा गया है, क्योंकि इसके प्रकोप से दाने सफेद और खोखले हो सकते हैं। वहीं तोरी, मूली, फूलगोभी और पत्तागोभी की खेती के लिए भी वैज्ञानिकों ने खेत की तैयारी, उपयुक्त किस्मों के चयन और संतुलित उर्वरक प्रयोग की सलाह दी है। किसानों से फसलों में कीट एवं रोग के लक्षण दिखाई देने पर नियमित निगरानी करते हुए अनुशंसित कृषि उपाय अपनाने को कहा गया है।

कांटी की जर्जर सड़कें बनीं डेंजर जोन, मरम्मत नहीं होने से बढ़ा हादसे का खतरा

मुजफ्फरपुर। पथ निर्माण विभाग डिवीजन-1 की कथित उदासीनता के कारण कांटी नगर परिषद क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। सड़कों पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण राहगीरों, वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को आवागमन में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने जर्जर सड़कों को हादसे का डेंजर जोन बताते हुए जल्द मरम्मत की मांग की है। कांटी हाई स्कूल से पुराना चौक, नया चौक, अस्पताल रोड, प्रखंड चौक, स्टेशन रोड होते हुए शेरना की ओर जाने वाले करीब तीन किलोमीटर लंबे मार्ग में कई जगह सड़क की स्थिति खराब है। कांटी रेलिंग पुल के समीप भी सड़क जर्जर हो गई है। यह मार्ग वार्ड छह और 15 के सीमांकन क्षेत्र में आता है। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब दो वर्षों से इस सड़क की मरम्मत नहीं हुई है। इसी तरह कांटी पेट्रोल पंप से कांटी थाना, हनुमान मंदिर होते हुए कांटी पुराना चौक तक जाने वाली पुरानी मोतिहारी रोड भी कई स्थानों पर गड्ढों में तब्दील हो गई है। करीब एक से डेढ़ किलोमीटर लंबे इस मार्ग की तीन-चार वर्षों से मरम्मत नहीं होने की बात स्थानीय लोग कह रहे हैं। लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। इस संबंध में एसडीएम पश्चिमी स्नेहा कुमारी ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। संबंधित अधिकारियों को तत्काल मरम्मत कराने का निर्देश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामले में लापरवाही की जांच कर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

पीजी परीक्षा में दो बार गलत प्रश्नपत्र, छात्रों ने किया परीक्षा का बहिष्कार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के परीक्षा हॉल में शनिवार को पीजी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के दौरान गलत प्रश्नपत्र बांटे जाने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। दूसरी पाली में दोपहर एक बजे परीक्षा शुरू होनी थी। उत्तर पुस्तिका और प्रश्नपत्र मिलने के बाद परीक्षार्थियों ने प्रश्नपत्र गलत होने का विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रश्नपत्र वापस लेकर दूसरा प्रश्नपत्र वितरित किया, लेकिन दूसरा प्रश्नपत्र भी गलत निकला। इससे आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने परीक्षा का बहिष्कार कर दिया और परीक्षा हॉल से बाहर निकल आए। दो बार गलत प्रश्नपत्र मिलने से नाराज परीक्षार्थी परीक्षा भवन के बाहर एकत्रित हो गए

और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। करीब डेढ़ घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी परीक्षा दोबारा शुरू नहीं हो सकी। हंगामे की सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. विपिन कुमार राय और परीक्षा नियंत्रक प्रो. अरविंद कुमार भी परीक्षा केंद्र पहुंचे और आक्रोशित छात्र-छात्राओं से बातचीत शुरू की। हंगामा कर रहे परीक्षार्थियों का कहना था कि परीक्षा केंद्र पर पांच मिनट देर से पहुंचने पर उन्हें परीक्षा से वंचित कर दिया जाता है, जबकि विश्वविद्यालय की गलती के कारण उनका डेढ़ घंटे से अधिक समय बर्बाद हो गया। दरभंगा, मधुबनी और बेतिया समेत दूर-दराज के जिलों से परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों, खासकर छात्राओं ने कहा कि परीक्षा में देरी होने से शाम को घर लौटने में परेशानी होगी। पीजी परीक्षा में गलत प्रश्नपत्र बांटे जाने की घटना के बाद विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। इससे पहले एडमिट कार्ड नहीं मिलने के विरोध में एमडीडीएम कॉलेज की छात्राओं ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं को लेकर परीक्षार्थियों में विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी गई।

दुगार्पूजा से छठ तक स्कूलों में रहेगी छुट्टियों की भरमार

मुजफ्फरपुर। बिहार के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए अक्टूबर और नवंबर का महीना छुट्टियों के लिहाज से खास रहने वाला है। शिक्षा विभाग के अवकाश कैलेंडर के अनुसार दुगार्पूजा से लेकर छठ पूजा तक विभिन्न पर्वों पर विद्यालयों में अवकाश रहेगा। हालांकि, छुट्टियों के बीच कई दिनों में विद्यालय नियमित रूप से खुले भी रहेंगे। अक्टूबर में 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर अवकाश था। वहीं जीवित्पुत्रिका व्रत यानी जितिया की छुट्टी में बदलाव करते हुए इसे 3 अक्टूबर को निर्धारित किया गया है। 4 अक्टूबर को रविवार होने के कारण स्कूल बंद रहेंगे। इसके बाद 5 अक्टूबर से विद्यालय निर्धारित समय पर खुलेंगे। इसके बाद 11 अक्टूबर को दुगार्पूजा कलश स्थापना के अवसर पर अवकाश रहेगा। वहीं दुगार्पूजा के लिए 17 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक पांच दिनों की छुट्टी निर्धारित की गई है। इस तरह अक्टूबर में पर्वों के कारण कुल आठ दिनों का अवकाश रहेगा, जबकि रविवार की छुट्टियां इसमें अलग से शामिल नहीं हैं। दुगार्पूजा की छुट्टी समाप्त होने के बाद 22 अक्टूबर से स्कूलों में फिर पढ़ाई शुरू होगी। नवंबर में दीपावली, चित्रगुप्त पूजा, भैया दूज और छठ पूजा के अवसर पर लंबा अवकाश रहेगा। कैलेंडर के अनुसार 7 नवंबर से 17 नवंबर तक कुल 10 दिनों का अवकाश निर्धारित है। इसके बाद 18 नवंबर से विद्यालयों में पढ़ाई दोबारा शुरू होगी। राज्य के निर्धारित अवकाश कैलेंडर के अनुसार मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, मधुबनी, सीतामढ़ी और शिवहर के सरकारी स्कूलों में भी यही अवकाश लागू रहेगा। यह व्यवस्था राजकीय, राजकीयकृत, परियोजना, उत्क्रमित प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों समेत संबंधित सरकारी विद्यालयों पर लागू होगी।

मेडिकल हॉल से 120 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तुर्की थाना पुलिस ने गौशाला चौक स्थित एक मेडिकल हॉल में छापेमारी कर 120 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अवैध शराब के खिलाफ लगातार छापेमारी और सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 2 अक्टूबर 2026 की शाम तुर्की थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गौशाला चौक स्थित गुप्ता मेडिकल हॉल में अवैध विदेशी शराब का भंडारण किया गया है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने मेडिकल हॉल में छापेमारी की। तलाशी के दौरान विभिन्न प्रकार की कुल 120 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से शरतचंद्र गुप्ता, थाना तुर्की, जिला मुजफ्फरपुर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि बरामद शराब कहां से लाई गई थी और इसके कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका क्या है।

विचार मंथन

सम्पादकीय

पुतिन की परमाणु चेतावनी और भारत की शांति नीति

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ताजा बयान ने यूरोप और दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मॉस्को में वाल्दाई फोरम के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस के किसी भी क्षेत्र पर हमला हुआ तो रूस अपनी सुरक्षा के लिए सभी उपलब्ध हथियारों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने विशेष रूप से कलिनिनग्राद का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि नाटो देश इस रूसी क्षेत्र को बाकी रूस से अलग करने की कोशिश करते हैं तो रूस तत्काल जवाब देगा। उनके बयान को पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि रूस और नाटो के बीच यूक्रेन युद्ध के बाद से सैन्य और राजनीतिक टकराव लगातार बढ़ा है। कलिनिनग्राद रूस का ऐसा क्षेत्र है जो भौगोलिक रूप से रूस के मुख्य भूभाग से अलग है। यह बाल्टिक सागर के किनारे पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित है और चारों ओर से नाटो के सदस्य देशों के निकट है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 से यह क्षेत्र सोवियत संघ और बाद में रूस के नियंत्रण में है। रूस के लिए कलिनिनग्राद केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं बल्कि सैन्य और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां रूस की बाल्टिक नौसेना की मौजूदगी है और क्षेत्र में आधुनिक सैन्य प्रणालियां तैनात हैं। इसकी भौगोलिक स्थिति रूस को बाल्टिक सागर तथा यूरोप के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने की क्षमता देती है। पुतिन ने अपने बयान में पश्चिमी देशों पर रूस के खिलाफ तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पश्चिमी देशों में आने वाले वर्षों में रूस के साथ संभावित युद्ध की बातें की जा रही हैं। उन्होंने बाल्टिक सागर में होने वाले सैन्य अभ्यासों और रूसी जहाजों को लेकर उठाए जा रहे कदमों का भी उल्लेख किया। रूस की ओर से यह दावा भी किया गया है कि नाटो कलिनिनग्राद की हवाई और समुद्री नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। हालांकि नाटो ने इस दावे को खारिज किया है और कहा है कि रूस पर हमला करने या कलिनिनग्राद को निशाना बनाने की उसकी कोई योजना नहीं है। नाटो की ओर से रूस की परमाणु धमकियों पर आपत्ति जताई गई है। नाटो का कहना है कि वह रक्षात्मक गठबंधन है और उसकी सैन्य गतिविधियां रूस के किसी क्षेत्र पर हमला करने के उद्देश्य से नहीं हैं। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने भी रूस से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां बंद करने को कहा है। इस पूरे घटनाक्रम से स्पष्ट है कि यूक्रेन युद्ध का असर केवल रूस और यूक्रेन तक सीमित नहीं है, बल्कि यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था और रूस तथा नाटो के संबंधों पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ा है। बाल्टिक सागर में पिछले कुछ समय से नाटो के सैन्य अभ्यास भी तनाव का एक कारण बने हुए हैं। नाटो ने समुद्र के नीचे मौजूद संचार केबल और पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। रूस इन गतिविधियों को अपनी सुरक्षा के नजरिए से देखता है, जबकि नाटो इन्हें सदस्य देशों और महत्वपूर्ण समुद्री ढांचे की सुरक्षा से जोड़ता है। दोनों पक्षों के बीच इस तरह की गतिविधियों को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। परमाणु हथियारों के संदर्भ में पुतिन का बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे सैन्य टकराव का खतरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय रहा है। रूस दुनिया की प्रमुख परमाणु शक्तियों में शामिल है और नाटो में भी अमेरिका, ब्रिटेन तथा फ्रांस जैसी परमाणु शक्तियां हैं। ऐसे में किसी भी सैन्य संकट में परमाणु हथियारों का उल्लेख अंतरराष्ट्रीय तनाव को और बढ़ा सकता है। इसलिए दुनिया के अधिकांश देश रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे संघर्ष से बचने तथा बातचीत का रास्ता बनाए रखने पर जोर देते रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारत की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। रूस के साथ भारत के लंबे समय से मजबूत और बहुआयामी संबंध हैं। रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, अंतरिक्ष और रणनीतिक सहयोग सहित अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच संबंध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच व्यक्तिगत संवाद भी लगातार बना हुआ है। इसके बावजूद भारत ने यूक्रेन युद्ध के मामले में रूस का समर्थन करने के बजाय लगातार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान का पक्ष रखा है। पुतिन ने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा मित्र बताते हुए कहा है कि मोदी लगातार यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की बात उठाते हैं। उनका कहना है कि मोदी हर मुलाकात में युद्ध रोकने और शांति का रास्ता निकालने पर चर्चा करते हैं तथा उनके पास इस दिशा में उपयोगी सुझाव हैं। यह स्थिति भारत की विदेश नीति के उस दृष्टिकोण को सामने लाती है जिसमें मित्र देशों के साथ संबंध बनाए रखते हुए विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाती है।

करुणा और संवेदनशीलता से ही जीवित रहती है मानवता

कांतिलाल मांडोत

मानव सभ्यता ने ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। मनुष्य को बौद्धिक रूप से संसार का समर्थ प्राणी माना जाता है। उसके पास सोचने, समझने, निर्णय लेने और परिस्थितियों को बदलने की अद्भुत क्षमता है। लेकिन मनुष्य की वास्तविक श्रेष्ठता केवल उसकी बुद्धि और उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके भीतर मौजूद करुणा, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की भावना में निहित है। यदि मनुष्य के हृदय से करुणा समाप्त हो जाए और दूसरे के सुख-दुःख के प्रति संवेदनशीलता समाप्त हो जाए तो ज्ञान और संपन्नता के बावजूद मानवता का वास्तविक अर्थ अधूरा रह जाता है। मनुष्य अकेले अपने जीवन की प्रत्येक आवश्यकता पूरी नहीं कर सकता। उसके जीवन की अनेक आवश्यकताएं प्रकृति और असंख्य जीवों के सहयोग से पूरी होती हैं। जल, वायु, अन्न, वनस्पतियां और पशु-पक्षी जीवन-व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए अन्य प्राणियों के प्रति दया और संरक्षण केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि मनुष्य का नैतिक दायित्व भी है। जिस प्रकृति और जीव-जगत से मनुष्य निरंतर प्राप्त करता है, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना उसके जीवन की जिम्मेदारी है। करुणा मनुष्य को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी कराती है। मानव समाज में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक-दूसरे का सहयात्री है। किसी के जीवन में सुख है तो किसी के हिस्से में संघर्ष और अभाव भी हो सकता है। ऐसे में दूसरे के दुख को देखकर मुंह फेर लेना संवेदनशील समाज की पहचान नहीं हो सकती। आर्थिक असमानता के बीच संपन्न व्यक्ति का दायित्व और बढ़ जाता है। समाज में ऐसे अनेक परिवार हैं जो सीमित साधनों में जीवनयापन करते हैं और उनकी छोटी-छोटी आवश्यकताएं भी संघर्ष का कारण बन जाती हैं। दूसरी ओर यदि संपन्न व्यक्ति अपनी समृद्धि का प्रदर्शन करते हुए केवल अपने सुख में डूबा रहे तो सामाजिक दूरी और असंतोष बढ़ सकता है। करुणा का अर्थ केवल किसी जरूरतमंद को वस्तु या धन देना नहीं है। किसी की परेशानी को समझना, उसके आत्मसम्मान का ध्यान रखना, संकट में उसके साथ खड़ा होना और आवश्यकता पड़ने पर सहयोग का हाथ बढ़ाना भी करुणा का ही रूप है। संवेदनशीलता मनुष्य को दूसरों की परिस्थितियों को समझने की दृष्टि देती है। जब हृदय में करुणा होती है तो रिश्तों में कठोरता कम होती है और परस्पर विश्वास बढ़ता है। परिवार, समाज और राष्ट्र की मजबूती के पीछे ऐसी ही मानवीय भावनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आज के समय में भौतिक उपलब्धियों की दौड़ तेज होती जा रही है। व्यक्ति सफलता, संपत्ति और प्रतिष्ठा को जीवन का प्रमुख लक्ष्य मानने लगा है। ऐसे वातावरण में करुणा और संवेदनशीलता का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। हमें यह समझना होगा कि किसी समाज की वास्तविक समृद्धि केवल उसकी आर्थिक स्थिति से नहीं मापी जा सकती। समाज कितना मानवीय है, कमजोर और जरूरतमंद लोगों के प्रति उसका व्यवहार कैसा है और संकट की घड़ी में लोग एक-दूसरे के कितने काम आते हैं, यह भी उसकी प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। मन की करुणा पारस्परिक संबंधों को मधुर बनाती है। संवेदनशील व्यक्ति केवल अपने हित की चिंता नहीं करता, बल्कि अपने आसपास के लोगों के सुख-दुःख को भी समझता है। यही भावना परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र तक फैलती है। मानवता की आधारभूमि पारस्परिकता है और पारस्परिकता तभी मजबूत हो सकती है जब उसमें प्रेम, सहयोग, सहानुभूति और विश्वास का समावेश हो। इसलिए करुणा को कमजोरी नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र की शक्ति के रूप में देखना चाहिए। सार्थक और निर्दोष जीवन जीने की कला है धर्म धर्म मानव जीवन को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण अवधारणा है, लेकिन समय के साथ धर्म की व्याख्याएं इतनी जटिल होती गईं कि उसके मूल उद्देश्य को समझना कठिन हो गया। अलग-अलग परंपराओं और संप्रदायों ने धर्म को अपने-अपने दृष्टिकोण से परिभाषित किया है। इन व्याख्याओं में विविधता स्वाभाविक है, लेकिन धर्म के ऐसे मूल तत्व भी हैं जिन्हें सभी मनुष्यों के लिए उपयोगी माना जा सकता है।

आसमान में मंडराया खतरा तो हिम्मत बनी सैकड़ों यात्रियों की ढाल

विमान के भीतर अचानक पैदा हुए संकट ने यात्रियों और चालक दल के सामने असाधारण चुनौती खड़ी कर दी थी। ऐसी स्थिति में घबराहट फैलना स्वाभाविक था, लेकिन विमान के संचालन से जुड़े लोगों के लिए सबसे जरूरी था कि वे संयम बनाए रखें और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कैप्टन स्मित की भूमिका इसी जिम्मेदारी की मिसाल के रूप में सामने आई। किसी भी विमान के कॉकपिट में बैठे पायलट पर सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी होती है। सामान्य परिस्थितियों में उड़ान भरना, दिशा बदलना और विमान को सुरक्षित उतारना भी विशेषज्ञता का काम है, लेकिन आपात स्थिति में यही जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। उस समय पायलट को बहुत कम समय में उपलब्ध विकल्पों का आकलन कर निर्णय लेना पड़ता है। एक छोटी सी चूक भी गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

विमान में बैठे यात्रियों के लिए उड़ान का समय सामान्यतः रोमांच और सुविधा का अनुभव होता है, लेकिन जब हजारों फीट की ऊंचाई पर अचानक कोई गंभीर संकट सामने आ जाए तो कुछ ही क्षणों में पूरी स्थिति जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। ऐसे समय में विमान के पायलट की भूमिका केवल विमान उड़ाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसकी सूझबूझ, धैर्य, निर्णय क्षमता और साहस सैकड़ों लोगों के जीवन की रक्षा का आधार बन जाते हैं। हाल की एक घटना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि संकट के सामने मजबूत हौसला और पेशेवर जिम्मेदारी कितनी बड़ी ताकत बन सकती है। दुबई से इजरायल जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में सामने आए गंभीर खतरे के दौरान कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस तरह परिस्थितियों का सामना किया, उसने उन्हें चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विमान के भीतर अचानक पैदा हुए संकट ने यात्रियों और चालक दल के सामने असाधारण चुनौती खड़ी कर दी थी। ऐसी स्थिति में घबराहट फैलना स्वाभाविक था, लेकिन विमान के संचालन से जुड़े लोगों के लिए सबसे जरूरी था कि वे संयम बनाए रखें और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कैप्टन स्मित की भूमिका इसी जिम्मेदारी की मिसाल के रूप में सामने आई। किसी भी विमान के कॉकपिट में बैठे पायलट पर सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी होती है। सामान्य परिस्थितियों में उड़ान भरना, दिशा बदलना और विमान को सुरक्षित उतारना भी विशेषज्ञता का काम है, लेकिन आपात स्थिति में यही जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। उस समय पायलट को बहुत कम समय में उपलब्ध विकल्पों का आकलन कर निर्णय लेना पड़ता है। एक छोटी सी चूक भी गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। कैप्टन स्मित के अनुभव और धैर्य ने ऐसे ही कठिन समय में उनकी पेशेवर क्षमता को सामने रखा। कैप्टन स्मित मूल रूप से गुजरात से हैं। दिलचस्प बात यह है कि बचपन में उनका सपना पायलट बनने का नहीं था। उनका झुकाव परिवार के कारोबार को आगे बढ़ाने की ओर था। उन्होंने टेक्सटाइल इंजीनियरिंग और प्रबंधन की पढ़ाई भी की। बाद में एक विमानन संबंधी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद उनके जीवन की दिशा बदल गई। विमानन की दुनिया ने उन्हें आकर्षित किया और उन्होंने वाणिज्यिक पायलट बनने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड में उड़ान प्रशिक्षण लिया और कठिन प्रशिक्षण के बाद व्यावसायिक विमानन में अपना करियर बनाया। एक पायलट के रूप में उनकी पहली उड़ान बेंगलुरु से दिल्ली के बीच रही। इसके बाद उन्होंने फ्लाईदुबई में अपना करियर आगे बढ़ाया। उन्हें वाणिज्यिक विमान उड़ाने का 13 वर्ष से अधिक का अनुभव है और बोइंग 737 विमान पर लगभग 9750 घंटे उड़ान का अनुभव बताया जाता है। इतने लंबे अनुभव का महत्व तभी समझ में आता है जब पायलट को अचानक सामान्य परिस्थितियों से अलग किसी चुनौती का सामना करना पड़े। वर्षों के प्रशिक्षण और अनुभव से विकसित निर्णय क्षमता ऐसे समय में सबसे बड़ा सहारा बनती है। इस घटना ने विमान में पायलट के साथ पूरे चालक दल की भूमिका को भी रेखांकित किया है। यात्रियों की सुरक्षा केवल कॉकपिट तक सीमित नहीं होती। केबिन क्रू भी आपात परिस्थितियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। यात्रियों को शांत रखना, उन्हें सुरक्षा संबंधी निर्देश देना और कठिन परिस्थितियों में व्यवस्थित ढंग से काम करना चालक दल की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। इसलिए विमान की सुरक्षित यात्रा के पीछे पायलट और केबिन क्रू दोनों का तालमेल महत्वपूर्ण होता है। कैप्टन स्मित ने घटना से पहले भी एक बातचीत में आपात स्थिति के दौरान केबिन क्रू की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया था। यह विचार उनकी पेशेवर सोच को दशार्ता है कि विमान में सुरक्षा किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी टीम के अनुशासन और समन्वय का परिणाम है। संकट के समय यही टीम भावना यात्रियों के लिए सुरक्षा कवच बनती है। विमानन इतिहास में ऐसे अनेक अवसर आए हैं जब पायलट और चालक दल ने असाधारण परिस्थितियों में यात्रियों की जान बचाई। वर्ष 1988 में अलोहा एयरलाइंस की उड़ान के दौरान ऊंचाई पर विमान का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बावजूद चालक दल ने विमान को सुरक्षित उतारने का प्रयास किया। वर्ष 2009 में अमेरिका में एक विमान के दोनों इंजनों पर पक्षियों के झुंड से टकराने के बाद पायलटों ने बेहद कठिन परिस्थिति में विमान को हडसन नदी में उतारा और बड़ी संख्या में यात्रियों की जान बची। इसी तरह विमानन इतिहास में नीरजा भानोट का नाम भी साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। 1986 में एक विमान के अपहरण के दौरान उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा के लिए असाधारण साहस दिखाया और कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। ऐसे उदाहरण बताते हैं कि विमानन क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की जिम्मेदारी केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित नहीं है।

बच्चों में खेल के मैदान से दूरी और जरूरत से ज्यादा साफ-सफाई ने बढ़ाई चिंता

स्वच्छता निश्चित रूप से जरूरी है, लेकिन सामान्य वातावरण से पूरी तरह दूरी बनाना भी स्वस्थ जीवन का पर्याय नहीं है। विशेषज्ञों ने इसी बदलती जीवनशैली को लेकर चिंता जताई है। कानपुर में आयोजित ईएनटी विशेषज्ञों के राष्ट्रीय सम्मेलन यूपीएओआईसीओएन में बच्चों के स्वास्थ्य और बदलती दिनचर्या पर चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने इस दिशा में ध्यान आकर्षित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों में बार-बार होने वाली सर्दी-खांसी और जुकाम को केवल संक्रमण के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उनकी जीवनशैली, शारीरिक सक्रियता, नींद, भोजन और सामान्य वातावरण के संपर्क को भी समझना जरूरी है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

बच्चों को स्वस्थ रखना हर माता-पिता की पहली प्राथमिकता होती है। बीमारी से बचाने के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना, समय-समय पर हाथ धुलाना, पौष्टिक भोजन देना और संक्रमण से दूर रखना सामान्य और आवश्यक सावधानियां हैं। लेकिन जब यही सावधानियां अति में बदल जाती हैं तो प्रश्न उठता है कि क्या हम बच्चों को स्वस्थ रखने के प्रयास में कहीं उनके स्वाभाविक प्रतिरोधक तंत्र के विकास में बाधा तो नहीं डाल रहे? आज यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि बच्चों की जीवनशैली तेजी से बदल रही है। कभी बच्चे सुबह घर से निकलकर गलियों, मैदानों और पार्कों में घंटों खेलते थे। मिट्टी में खेलना, पेड़ों के आसपास घूमना, साइकिल चलाना, दौड़ना और दोस्तों के साथ शारीरिक गतिविधियों में शामिल होना उनके बचपन का स्वाभाविक हिस्सा था। आज वही बचपन मोबाइल फोन, टैबलेट, टीवी और वीडियो गेम की चमकती स्क्रीन के सामने सिमटता जा रहा है। दूसरी ओर, बच्चों को हर प्रकार के सूक्ष्मजीव से बचाने की कोशिश भी कई परिवारों की दिनचर्या का हिस्सा बन गई है। स्वच्छता निश्चित रूप से जरूरी है, लेकिन सामान्य वातावरण से पूरी तरह दूरी बनाना भी स्वस्थ जीवन का पर्याय नहीं है। विशेषज्ञों ने इसी बदलती जीवनशैली को लेकर चिंता जताई है। कानपुर में आयोजित ईएनटी विशेषज्ञों के राष्ट्रीय सम्मेलन यूपीएओआईसीओएन में बच्चों के स्वास्थ्य और बदलती दिनचर्या पर चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने इस दिशा में ध्यान आकर्षित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों में बार-बार होने वाली सर्दी-खांसी और जुकाम को केवल संक्रमण के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उनकी जीवनशैली, शारीरिक सक्रियता, नींद, भोजन और सामान्य वातावरण के संपर्क को भी समझना जरूरी है। बच्चों को संक्रमण से बचाने के लिए हाथ धोना बेहद महत्वपूर्ण है। खाना खाने से पहले, शौचालय के इस्तेमाल के बाद और गंदगी या संभावित संक्रमण के संपर्क में आने के बाद हाथ धोना स्वास्थ्य की बुनियादी आदतों में शामिल है। इससे अनेक संक्रमणों का जोखिम कम किया जा सकता है। लेकिन हर कुछ मिनट में हाथ धोना, हर वस्तु को बार-बार सैनिटाइज करना और बच्चे को सामान्य वातावरण से पूरी तरह अलग रखने की कोशिश अलग विषय है। मानव शरीर का प्रतिरोधक तंत्र बाहर की दुनिया के साथ संपर्क से भी सीखता है। सामान्य वातावरण में मौजूद विभिन्न सूक्ष्मजीवों के संपर्क में आने पर प्रतिरक्षा तंत्र को बाहरी तत्वों को पहचानने और उनके प्रति प्रतिक्रिया विकसित करने के अवसर मिलते हैं। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि बच्चों को जानबूझकर गंदगी या संक्रमण के संपर्क में लाया जाए। इसका अर्थ केवल इतना है कि सामान्य, सुरक्षित और स्वाभाविक वातावरण से अनावश्यक दूरी भी न बनाई जाए। बच्चे को स्वस्थ रखने का अर्थ यह नहीं कि उसके आसपास ऐसा कृत्रिम वातावरण बना दिया जाए जहां मिट्टी, पौधे, धूल, दूसरे बच्चे या सामान्य घरेलू वातावरण का कोई संपर्क ही न हो। स्वच्छता और अतिस्वच्छता के बीच का अंतर समझना आज पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है। बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता पर चर्चा करते समय केवल हाथ धोने की आदत पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। आज की सबसे बड़ी चुनौती शायद बच्चों की निष्क्रिय जीवनशैली भी है। एक समय था जब माता-पिता बच्चों को घर से बाहर खेलने के लिए कहते थे। आज कई माता-पिता को बच्चों को मोबाइल से दूर करके बाहर खेलने के लिए समझाना पड़ता है। कार्टून, ऑनलाइन गेम, वीडियो, सोशल मीडिया सामग्री और मनोरंजन के अनेक डिजिटल विकल्प बच्चों का ध्यान लंबे समय तक स्क्रीन पर बनाए रखते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चे घंटों एक ही स्थान पर बैठे रहते हैं। दौड़ना, कूदना, साइकिल चलाना, गेंद खेलना और खुले वातावरण में समय बिताना कम होता जाता है। मुंबई के वरिष्ठ ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. असीम देसाई ने भी बच्चों में बार-बार सर्दी-खांसी और जुकाम के संदर्भ में बदलती दिनचर्या तथा जीवनशैली को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यहां समस्या केवल मोबाइल की मौजूदगी नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब स्क्रीन बच्चे के दिन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लेती है और उसकी जगह से खेल, नींद, पढ़ाई, बातचीत तथा शारीरिक गतिविधि पीछे हटने लगती है। बच्चों के लिए खेल का अर्थ केवल समय बिताना नहीं है। खेल उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दौड़ते समय शरीर सक्रिय होता है। गेंद खेलते समय आंख और हाथ के बीच तालमेल विकसित होता है। साइकिल चलाने से संतुलन बेहतर होता है। समूह में खेलने से सहयोग, अनुशासन और सामाजिक व्यवहार सीखने का अवसर मिलता है। शारीरिक सक्रियता शरीर के सामान्य स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है और प्रतिरक्षा तंत्र के बेहतर कामकाज में भी इसकी भूमिका है। इसके विपरीत लगातार बैठे रहने वाली जीवनशैली बच्चों के समग्र स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य की चर्चा केवल इस सवाल तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि उन्होंने आज कितनी बार हाथ धोए। यह भी देखना होगा कि उन्होंने आज कितनी देर दौड़ लगाई, कितना खेला, कितनी नींद ली और भोजन में क्या खाया। बचपन को केवल किताब और स्क्रीन के बीच बंद कर देना, उसके स्वाभाविक विकास को सीमित करना है। बच्चों में सर्दी, खांसी और जुकाम होना सामान्य बात हो सकती है। बच्चों का प्रतिरोधक तंत्र विकसित होने की प्रक्रिया में होता है और वे विभिन्न सामान्य संक्रमणों के संपर्क में आते हैं। इसलिए हर बार नाक बहने, छींक आने या खांसी होने पर माता-पिता का घबरा जाना भी उचित नहीं है। हालांकि लगातार, गंभीर या असामान्य लक्षण होने पर चिकित्सकीय सलाह आवश्यक है। महत्वपूर्ण यह है कि हर बीमारी को केवल दवा से दबाने की प्रवृत्ति से बचा जाए। बच्चे की पूरी दिनचर्या को देखना चाहिए। क्या वह पर्याप्त सो रहा है? क्या वह रोज खेलता है? क्या वह पौष्टिक भोजन करता है? क्या वह लगातार स्क्रीन के सामने बैठा रहता है? क्या वह सामान्य वातावरण से पूरी तरह अलग रहता है? क्या घर में हर छोटी गतिविधि के बाद हाथ धुलवाए जाते हैं?

रेहड़ी वाली पर कार्रवाई, शोरूमों पर भी नजर हो

शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी ढांचे, सामान रखने के लिए घेरा गया स्थान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक जगह को प्रभावित करता है। सवाल यह नहीं कि किसके खिलाफ कार्रवाई हुई; सवाल यह है कि क्या हर अतिक्रमण के खिलाफ समान कार्रवाई हो रही है? गरीब की रेहड़ी दिखाई देना आसान है, लेकिन बड़े प्रतिष्ठानों का कब्जा अक्सर व्यवस्था की आंखों के सामने भी सामान्य मान लिया जाता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

हिसार में अतिक्रमण हटाने के नाम पर एक रेहड़ी वाली महिला का सामान फेंके जाने का दृश्य सामने आता है तो सवाल केवल एक महिला की रेहड़ी का नहीं रह जाता, बल्कि पूरे प्रशासनिक रवैये पर उठता है। शहर को अतिक्रमण मुक्त करना नगर निगम की जिम्मेदारी है और सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों तथा रास्तों पर कब्जे हटाए जाने चाहिए। लेकिन कानून की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके सामने कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं, बल्कि रोज कमाकर परिवार चलाने वाली गरीब महिला खड़ी हो। नियम सबके लिए समान हैं तो कार्रवाई का तरीका और पैमाना भी सबके लिए समान होना चाहिए। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई यदि जरूरी है तो वह दुकानदार, रेहड़ी वाला, शोरूम मालिक या किसी भी अन्य व्यक्ति के लिए समान रूप से होनी चाहिए। सड़क पर कुछ फीट तक सामान फैलाकर बैठी रेहड़ी को अतिक्रमण मानना उचित है तो दुकान के बाहर फुटपाथ और सड़क तक फैलाया गया सामान भी उसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी ढांचे, सामान रखने के लिए घेरा गया स्थान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक जगह को प्रभावित करता है। सवाल यह नहीं कि किसके खिलाफ कार्रवाई हुई; सवाल यह है कि क्या हर अतिक्रमण के खिलाफ समान कार्रवाई हो रही है? गरीब की रेहड़ी दिखाई देना आसान है, लेकिन बड़े प्रतिष्ठानों का कब्जा अक्सर व्यवस्था की आंखों के सामने भी सामान्य मान लिया जाता है। यदि ऐसा कहीं हो रहा है तो यह प्रशासन की निष्पक्षता के लिए गंभीर प्रश्न है। नगर निगम को बाजारवार सर्वे कर यह सार्वजनिक करना चाहिए कि निर्धारित सीमा से बाहर कौन-कौन से कब्जे हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। इससे किसी भी कार्रवाई पर पक्षपात का सवाल उठने की गुंजाइश कम होगी। रेहड़ी-पटरी पर कारोबार करने वाले लोग शहर की अर्थव्यवस्था का भी हिस्सा हैं। सब्जी, फल, कपड़े, खाने-पीने की वस्तुएं या छोटे घरेलू सामान बेचने वाले अनेक लोग अपनी छोटी-सी पूंजी से परिवार चलाते हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की भी है। उनके लिए रेहड़ी केवल व्यापार का साधन नहीं, बल्कि घर की आय का महत्वपूर्ण स्रोत होती है। इसलिए यदि कोई रेहड़ी निर्धारित स्थान पर नहीं लग सकती तो उसे हटाने से पहले नियमों के अनुरूप वैकल्पिक व्यवस्था की दिशा में भी सोचना चाहिए। हरियाणा में स्ट्रीट वेंडरों के लिए कानूनी व्यवस्था मौजूद है। सर्वे, पंजीकरण, वेंडिंग जोन और टाउन वेंडिंग कमेटी जैसी व्यवस्थाओं का उद्देश्य यही है कि सड़क किनारे होने वाले छोटे कारोबार को पूरी तरह अनियंत्रित भी न छोड़ा जाए और गरीब विक्रेताओं की आजीविका भी अनावश्यक रूप से न छीनी जाए। इसलिए प्रशासन को अतिक्रमण और वैध स्ट्रीट वेंडिंग के बीच स्पष्ट अंतर करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात है व्यवहार की भाषा। नियम तोड़े जाने पर सामान हटाया जा सकता है, चालान किया जा सकता है और कानून के अनुसार जब्ती की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। लेकिन किसी महिला के साथ अपमानजनक भाषा, धक्का-मुक्की या अमानवीय व्यवहार किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रशासनिक अधिकार नागरिक के सम्मान से बड़ा नहीं हो सकता। यदि सामने आए वीडियो में दिखाई दे रहा व्यवहार वास्तविक घटना का हिस्सा है, तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वीडियो के एक हिस्से के आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद जांच से बचना भी उचित नहीं होगा। नगर निगम को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उस दिन क्या कार्रवाई हुई, किस अधिकारी या कर्मचारी की ड्यूटी थी, महिला को पहले कोई सूचना दी गई थी या नहीं, सामान जब्त करने की क्या प्रक्रिया अपनाई गई और बाद में उसे सामान वापस लेने का अवसर दिया गया या नहीं। यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा नियमों का उल्लंघन या अभद्र व्यवहार सिद्ध होता है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कार्रवाई का उद्देश्य अधिकारियों का मनोबल गिराना नहीं, बल्कि प्रशासनिक अधिकारों के जिम्मेदार इस्तेमाल का संदेश देना होना चाहिए। जिस प्रकार अतिक्रमण करने वाले से नियमों का पालन अपेक्षित है, उसी प्रकार कार्रवाई करने वाले अधिकारी से भी कानून और मयार्दा का पालन अपेक्षित है। सवाल यह भी है कि क्या अतिक्रमण हटाने के अभियान की शुरूआत केवल छोटी रेहड़ियों से होनी चाहिए? यदि शहर को वास्तव में व्यवस्थित करना है तो नगर निगम को एक व्यापक और पारदर्शी अभियान चलाना चाहिए। फुटपाथों पर बने स्थायी-अस्थायी कब्जे, दुकानों के बाहर फैला सामान, सड़क तक निकले बोर्ड, अस्थायी निर्माण और अन्य व्यावसायिक अतिक्रमण—सबकी एक समान जांच हो। कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जाए ताकि नागरिकों को भी पता चले कि नियम केवल कमजोर पर लागू नहीं होते। शहर की सुंदरता का अर्थ केवल चमकते शोरूम नहीं है। जिस फुटपाथ पर किसी बड़े ब्रांड का सामान फैलता है, वह भी जनता का है और जिस फुटपाथ पर कोई गरीब महिला छोटी-सी रेहड़ी लगाती है, वह भी जनता का है। सार्वजनिक स्थान पर अधिकार का निर्धारण आर्थिक हैसियत से नहीं, कानून से होना चाहिए। नगर निगम चाहे तो इस पूरे विवाद को एक अवसर में बदल सकता है। शहर के सभी बाजारों का डिजिटल सर्वे कराया जाए। प्रत्येक दुकान और शोरूम की स्वीकृत सीमा स्पष्ट की जाए। रेहड़ी-पटरी वालों के लिए निर्धारित वेंडिंग जोन बनाए जाएं। पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ खाली रखे जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों को पहले स्पष्ट सूचना दी जाए और फिर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई हो। महिलाओं और कमजोर वर्गों के मामलों में मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। अतिक्रमण हटाना जरूरी है, लेकिन अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया स्वयं अन्याय का कारण नहीं बननी चाहिए। शहर में व्यवस्था चाहिए, मगर ऐसी व्यवस्था नहीं जिसमें गरीब की रोजी सड़क पर बिखरी दिखाई दे और बड़े कब्जे नजरअंदाज होते रहें। हिसार प्रशासन और नगर निगम को यह संदेश स्पष्ट रूप से देना चाहिए कि कानून की नजर में रेहड़ी और शोरूम अलग-अलग नागरिक नहीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय, राहत एवं स्वास्थ्य सेवाएं लगातार जारी

छपरा सदर। बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा दिन-रात लगातार कार्य किया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मेडिकल टीमें सक्रिय हैं, जबकि भोजन उपलब्ध कराने हेतु सामुदायिक किचेन का संचालन किया जा रहा है। प्रभावित लोगों को आवश्यक राहत एवं अन्य सुविधाएं निरंतर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बाढ़ के पानी में दो युवक डूबे, एक युवक को बचाया गया

पानापुर (सारण)। प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति के बीच हादसों का सिलसिला जारी है। धेनुकी गांव के समीप बाढ़ के पानी में डूबने से रसौली निवासी 25 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार, पिता ग्रहण भगत, और 11 वर्षीय किशन कुमार, पिता शंकर भगत, हादसे का शिकार हो गए। बताया गया कि बाढ़ के पानी में डूबने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से धर्मेंद्र कुमार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए पानापुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पानापुर लाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। वहीं, 11 वर्षीय किशन कुमार तेज बहाव वाले बाढ़ के पानी में लापता हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद उसकी खोजबीन शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों के साथ बचाव दल भी किशन की तलाश में जुटा हुआ है। फिलहाल किशन का कोई पता नहीं चल सका है। गौरतलब है कि सारण तटबंध टूटने के बाद पानापुर प्रखंड के दर्जनों गांवों में बाढ़ का पानी फैल गया है। धेनुकी समेत कई गांवों में घरों और सड़कों तक पानी पहुंच गया है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। प्रशासन और बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य चला रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री एवं भोजन की व्यवस्था लगातार जारी

छपरा, सदर। जिला प्रशासन, सारण द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सूखा राशन (ड्राई राशन) सहित आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है, ताकि प्रभावित परिवारों को तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध हो सके। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कम्युनिटी किचन संचालित कर गुणवत्तापूर्ण एवं पर्याप्त भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता की लगातार निगरानी की जा रही है।

पानापुर में तीन महिलाओं का सुरक्षित प्रसव

पानापुर (सारण)। प्रखंड में बाढ़ की चुनौती के बीच स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार लोगों तक चिकित्सा सुविधा पहुंचाने में जुटी है। इसी क्रम में पानापुर में तीन गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराकर उनका सुरक्षित प्रसव कराया गया। बाढ़ के कारण कई गांवों में आवागमन प्रभावित होने के बावजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने जरूरतमंद महिलाओं तक पहुंचकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध करायी। स्वास्थ्य विभाग की टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं, बच्चों और अन्य मरीजों की स्थिति पर नजर रख रही है।

बाढ़ की विभीषिका के बीच युवकों ने बचाई एक हिरण के बच्चे की जान

तरैया, सारण। बाढ़ राहत में जुटे स्वयंसेवी आशीष कुमार सिंह ने अपने सहकर्मी राहतकर्मियों के साथ एक घायल हिरण के शावक की रक्षा की। राहतकर्मियों ने घायल हिरण के बच्चे को तरैया पुलिस के हवाले करते हुए वन विभाग को सुपुर्द करना भी सुनिश्चित किया। बाढ़ राहत प्रबंध में जुटे स्वयंसेवियों ने न केवल बाढ़ में फंसे लोगों के जान-माल की हिफाजत कर रहे हैं, बल्कि एक बेजुबान घायल हिरण शावक की रक्षा की और उसे वन विभाग को सुपुर्द कर अपनी जिम्मेवारी भी निभाई। मानवीय सेवा की यह अद्भुत मिसाल की यह सारण तटबंध के बाढ़ प्रभावित अरदेवा गाँव की है।

अमेजॅन नाउ पश्चिम बंगाल में 19 स्थानों तक विस्तारित

दुर्गापुर। अमेजॅन ने 120 से अधिक शहरों को कवर करने वाले राष्ट्रव्यापी रोलआउट के हिस्से के रूप में अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा अमेजॅन नाउ को पश्चिम बंगाल में 19 स्थानों पर विस्तारित किया है, जो उत्सव के मौसम से केवल दो सप्ताह पहले अपने पदचिह्न को दोगुना कर देता है। हर्ष गोयल, उपाध्यक्ष- एवरीडे एसेंशियल, अमेजॅन इंडिया ने कहा कि अमेजॅन नाउ के माध्यम से ऑर्डर हर तिमाही में दोगुना हो रहे हैं। सितंबर में कंपनी ने पिछले तीन महीने की अवधि में भारत में वार्षिक सकल बिक्री में 1 बिलियन डॉलर की सूचना दी और इसका उद्देश्य 300 से अधिक शहरों में सेवा का विस्तार करना है। विस्तार में कोलकाता, आसनसोल, दुर्गापुर, मुर्शिदाबाद, कृष्णागर, बशीरहाट, कटवा, चित्तरंजन, हाबरा, बंगगांव, डोमकल, रानाघाट, जंगीपुर, बोलपुर, खड़गपुर, रामपुरहाट, बर्दवान, मिदनापुर और नादिया शामिल हैं। यह सेवा अमृतसर, अबोहर, जालंधर, अंबाला, मंगलौर, मणिपाल, विशाखापत्तनम, कोच्चि, चंगनासेरी, भुवनेश्वर और करवाड़ सहित शहरों में भी पहुंच गई है।

सांसद रूडी के पहल पर जिला प्रशासन और डीडीसी लक्ष्मण तिवारी ने दिखाई तत्परता

सांसद प्रतिनिधि राकेश कुमार सिंह पहुँचे पीड़ित के घर

प्रात : किरण संवाददाता

दरियापुर। दरियापुर प्रखंड के हरना पंचायत अंतर्गत समस्तपुरा गाँव निवासी स्व. कामेश्वर कुमार के बाढ़ के पानी में शव फंसे होने की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव अभियान चलाया। इस घटना की सूचना सामाजिक कार्यकर्ता श्री रंजन विद्यार्थी एवं श्री मोनू सिंह ने *माननीय सांसद श्री राजीव प्रताप रूडी जी और उनके सांसद कण्ट्रोल रूम को दी। जिसके बाद सांसद रूडी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत उप विकास आयुक्त लक्ष्मण तिवारी से बात कर अविलंब मदद पहुँचाने का आग्रह किया। सांसद जी के निर्देश एवं जिला प्रशासन के आदेश के बाद भाजपा नेता सह सांसद प्रतिनिधि श्री राकेश कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त श्री लक्ष्मण तिवारी एवं अंचल अधिकारी दरियापुर श्री जयंत राज पीड़ित के घर समस्तपुरा पहुँचे और रङ्गक्कक्की टीम के सहयोग से बाढ़ के पानी में फंसे स्व. कामेश्वर कुमार के शव को बाहर निकलवाया।

उनका आशामिक निधन हो गया था। परिजनों के आग्रह पर मानवीय आधार पर बिना पोस्टमार्टम के शव को सीधे आमी घाट पर अंतिम संस्कार हेतु परिवार को सौंप दिया गया। इस मानवीय पहल के लिए स्थानीय ग्रामीणों ने सांसद राजीव प्रताप रूडी, सांसद प्रतिनिधि राकेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी , उऊऊ लक्ष्मण तिवारी एवं अंचल अधिकारी जयंत राज की सराहना की।

उप मुख्यमंत्री ने दरियापुर में सामुदायिक किचेन एवं स्वास्थ्य कैंप का किया निरीक्षण

■ निरीक्षण के क्रम में उप मुख्यमंत्री ने सामुदायिक किचेन में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की व्यवस्था एवं उपलब्ध सुविधाओं की ली जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। उप मुख्यमंत्री-सह-वाणिज्य-कर मंत्री-सह- प्रभारी मंत्री जिला सारण विजेंद्र प्रसाद यादव ने शनिवार को दरियापुर प्रखंड अंतर्गत बारवें पंचायत में सारण तटबंध के समीप संचालित सामुदायिक किचेन एवं स्वास्थ्य कैंप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उप मुख्यमंत्री ने सामुदायिक किचेन में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की व्यवस्था एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने स्वास्थ्य कैंप में बाढ़ प्रभावित लोगों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं, दवाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन, स्वास्थ्य सुविधा एवं अन्य आवश्यक राहत-सहायता निर्बाध रूप से उपलब्ध कराने तथा राहत कार्यों में पूरी तत्परता बनाए रखने का निर्देश दिया।

बांध मरम्मत शुरू होने से पानापुर में राहत की उम्मीद

प्रात : किरण संवाददाता

पानापुर (सारण)। प्रखंड के वृत्त भगवानपुर के समीप जहां गंडक नदी का बांध टूट गया था, वहां पानी का स्तर कुछ कम होने और पानी की रफ्तार घटने के बाद बांध को बांधने और मरम्मत करने का काम शुरू कर दिया गया है। इससे पानापुर क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति को लेकर लोगों को थोड़ी राहत मिली है। बांध टूटने के बाद पानी तेजी से पानापुर और तरैया क्षेत्र की ओर फैलने लगा था, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई थी। प्रशासन और ग्रामीणों की सक्रियता के बीच अब टूटे हिस्से पर बांध को दुरुस्त करने का काम चल रहा है। पानी का बहाव कम होने से मरम्मत कार्य में भी मदद मिल रही है। फिलहाल पानापुर प्रखंड के जीपुरा, मोरिया, रामपुरखरौनी, कोंध, रसौली और बकवा गांव बाढ़ के पानी से बचे हुए हैं। हालांकि आसपास के कई निचले इलाकों में पानी का दबाव बना हुआ है। प्रशासन की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों को सतर्क रहने और नदी एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। बांध की मरम्मत पूरी होने और पानी का बहाव सामान्य होने के बाद स्थिति में और सुधार की उम्मीद है।

जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के बकाया वेतन भुगतान के मामले में उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालय को त्वरित कार्रवाई का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार ने जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा को माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में संबंधित याचिकाकर्ताओं के बकाया वेतन भुगतान के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के कुलसचिव को भेजे गए पत्र में अवमाननावाद संख्या-1679/2025 (CWJC No. 18298/2023 से उद्धृत) का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि श्री अभय रंजन एवं अन्य बनाम राज्य सरकार एवं अन्य मामले में माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन के संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत पत्र पर विचार किया गया है। पत्र के अनुसार, संबंधित मामले में कुल 29 वादियों द्वारा वेतनमान के वित्तीय भार की गणना करते हुए सितंबर 2026 से फरवरी 2027 तक के वेतन भुगतान का अनुरोध किया गया है। मामले में कुल 33 वादियों का नाम शामिल करते हुए 1,46,75,124/- की राशि की मांग की गई है। विभाग ने यह भी उल्लेख किया है कि विश्वविद्यालय के पी.एल. खाते में वेतन मद में 31,04,33,907/- तथा पेंशन मद में 23,08,28,487/- उपलब्ध हैं। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उपलब्ध राशि से माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में याचिकाकर्ताओं की वेतनान्तर/बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। मामले की अगली सुनवाई 06 अक्टूबर 2026 को माननीय न्यायालय में सूचीबद्ध होने की जानकारी देते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया है कि माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में याचिकाकर्ताओं की बकाया राशि का भुगतान उपलब्ध पी.एल. खाते की राशि से करते हुए की गई कार्रवाई का स्पष्ट प्रतिवेदन दो दिनों के अंदर विभाग को उपलब्ध कराया जाए। विभाग ने पत्र में यह भी चेतावनी दी है कि समय पर कार्रवाई प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराने के कारण यदि माननीय न्यायालय द्वारा कोई प्रतिकूल आदेश पारित होता है, तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही विश्वविद्यालय की होगी। साथ ही मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है। इस निर्देश से संबंधित कर्मचारियों/याचिकाकर्ताओं के बकाया वेतन भुगतान की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है।

सीपीएस में शिक्षा और संस्कार पर प्रेरणादायक कार्यशाला आयोजित

■ इंजीनियर वी. गिरिश ने 600 विद्यार्थियों को एकाग्रता बढ़ाने और नैतिक मूल्यों को अपनाने के बताए गुर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सेंट्रल पब्लिक स्कूल (सीपीएस), छपरा के सभागार में शनिवार को ब्रह्माकुमारी संस्था के तत्वावधान में शिक्षा और संस्कार विषय पर प्रेरणादायक कार्यशाला का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में इंजीनियर वी. गिरिश उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 600 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता इंजीनियर वी. गिरिश ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एकाग्रता की शक्ति, उसके महत्व तथा उसे मजबूत बनाने के विभिन्न तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि एकाग्रता विद्यार्थियों की पढ़ाई और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बच्चों को मन को शांत रखने, सकारात्मक सोच विकसित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के कई उपयोगी गुर सिखाए। साथ ही उन्होंने शिक्षा के साथ अच्छे संस्कारों और नैतिक मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन डॉ. हरेंद्र सिंह ने आगत अतिथियों का अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत और सम्मान किया। ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से छपरा सेवाकेंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी अनामिका दीदी, राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उर्मिला दीदी, बीके रानी बहन, बीके किरण बहन, बीके आराधना बहन, बीके प्रियांशु बहन, बीके अरविंद भाई एवं बीके अंकित भाई की उपस्थिति रही। दो दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन शाम को जीवन के नैतिक मूल्यों पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इसमें शहर के अनेक प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया।

चिकित्सकों, इंजीनियरों, अधिवक्ताओं सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोगों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उपस्थित लोगों ने शिक्षा और संस्कार के महत्व पर केंद्रित इस पहल की सराहना की। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ नैतिक शिक्षा, आध्यात्मिक जागरूकता, अनुशासन और सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण से जोड़ना है। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को एकाग्रता बढ़ाने, जीवन में अच्छे संस्कार अपनाने तथा जिम्मेदार और मूल्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशु चिकित्सा एवं पशु चारा वितरण का कार्य जारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। शनिवार को अमनौर प्रखंड अंतर्गत ग्राम कुआरी, पंचायत धर्मपुर जाफर में बांध के समीप पशुपालन विभाग द्वारा संचालित पशु चिकित्सा शिविर के माध्यम से बाढ़ प्रभावित पशुपालकों के पशुओं के लिए पशु चारा का वितरण किया गया। इसी क्रम में मकेर प्रखंड के फुलवरिया-जगदीशपुर क्षेत्र में चलंत पशु चिकित्सा इकाई द्वारा बाढ़ प्रभावित एवं बीमार पशुओं का चिकित्सीय उपचार किया गया। पशुपालन विभाग की टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर पशुओं की स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मानव राहत के साथ-साथ पशुधन की सुरक्षा, चिकित्सा एवं चारा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आशियाना छिना तो तटबंध बना ठिकाना, धूप और अंधेरे में कट रही बाढ़ पीड़ितों की रातें

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर (सारण)। घर में बाढ़ का पानी घुसा तो आशियाना ही छिन गया। मजबूरी में अमनौर कल्याण, सहादी, नरसिंहभानपुर, गंगापुर, मधुबनी, बसंतपुर, परमानंद छपरा, कुआरी, परसुरामपुर, बगही, धोबाही, जीरात, डबर छपरा, गुणा छपरा, गोसी अमनौर और पुरैना समेत दर्जनों गांव के बाढ़ पीड़ितों ने परसुरामपुर सारण तटबंध एवं नरसिंहभानपुर नहर बांध को अपना ठिकाना बना लिया है। लेकिन यहां भी उनकी मुश्किलें कम नहीं हुईं। दिन में सिर के ऊपर तपता सूरज और रात में चारों ओर घना अंधेरा उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गया है।-न तिरपाल, न पानी, न रोशनीः तटबंध पर शरण लिए पीड़ितों के पास सिर छुपाने के लिए तिरपाल तक नहीं है, न पीने का साफ पानी है और न रात गुजारने के लिए रोशनी की समुचित व्यवस्था। दिन भर तेज धूप में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग किसी तरह समय काट रहे हैं। शाम होते ही अंधेरा उनकी परेशानी और बढ़ा देता है। रोशनी नहीं होने से सांप और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है। ऐसे में बच्चों को लेकर रात गुजारना पीड़ित परिवारों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं है। बाढ़ पीड़ित अनीता देवी और आशा देवी की आंखों में पीड़ा साफ झलकती है। उन्होंने कहा, घर में पानी भरा है इसलिए लौट नहीं सकते।

फर्जी स्टाम्प-बेलबांड बिक्री मामले मे नगर थानाध्यक्ष द्वारा प्राथमिकी दर्ज नहीं

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। विधि मंडल के काउंटर से फॉर्म, स्टाम्प एवं बेलबांड की बिक्री के बाद कथित रूप से फर्जी स्टाम्प एवं बेलबांड मिलने का मामला सामने आया था। जिसको लेकर विधि मंडल के कोषाध्यक्ष दुर्गेश प्रकाश बिहारी ने नगर थाने में विधि मंडल के काउंटर नंबर एक पर पदस्थापित कर्मचारी देवेंद्र सिंह पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए 14 सितंबर को आवेदन दिया गया था। आवेदन में मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया गया था। आवेदन के अनुसार, दौलतगंज निवासी मुवक्किल ब्रजेश कुमार जायसवाल विधि मंडल के काउंटर से एक बेलबांड और दो शपथपत्र खरीदकर लाए थे। दस्तावेजों पर संदेह होने के बाद कोषाध्यक्ष दुर्गेश प्रकाश बिहारी एवं सहायक सचिव अभय कुमार मिश्रा काउंटर पर पहुंचे। वहां जांच के दौरान बेलबांड फर्जी प्रतीत हुआ, जबकि दोनों शपथपत्रों पर लगे टिकट भी संदेह के घेरे में पाए गए। कोषाध्यक्ष के अनुसार, टिकटों की जांच फ्रैंकिंग मशीन से टिकट बिक्री करने वाले व्यक्ति से करायी गयी। जांच में संबंधित टिकटों को फोटोस्टेट टिकट बताया गया। इसके बाद दोनों शपथपत्र और बेलबांड को जब्त कर लिया गया। सभी दस्तावेजों को एक लिफाफे में सील कर विधि मंडल कार्यालय में कोषाध्यक्ष के कब्जे में सुरक्षित रखा गया । आवेदन में कहा गया है कि फर्जी स्टाम्प अथवा टिकट की बिक्री करना कानूनन अपराध है। परंतु विधि मंडल के अधिवक्ताओं ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नगर थाना में पंद्रह दिन पूर्व दिए गए आवेदन पर नगर थानाध्यक्ष द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं किया गया। जबकी प्राथमिकी दर्ज करने के लिए विधि मंडल के महामंत्री ने वरीय पुलिस अधीक्षक को भी प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन भेजा है। परन्तु आज तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

जितिया पर्व पर चिरांद के घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज। जीवित्पुत्रिका (जितिया) पर्व को लेकर धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी चिरांद के विभिन्न गंगा घाटों पर शनिवार को आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अहले सुबह से ही हजारों महिला श्रद्धालुओं का घाटों पर पहुंचना शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने पवित्र नदी में स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा संतान की दीघार्यु और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए दान-पुण्य किया।

जितिया पर्व के चलते चिरांद के घाटों पर पूरे दिन मेले जैसा दृश्य देखने को मिला। दूर-दराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। घाटों के आसपास पूजन सामग्री एवं अन्य सामानों की अस्थायी दुकानें सज गईं, जिससे क्षेत्र में पर्व की रौनक बढ़ गई। इधर, नदी के जलस्तर में दोबारा वृद्धि को देखते हुए डोरीगंज थानाध्यक्ष राजशेखर के नेतृत्व में पुलिस टीम तिवारी घाट, बंगाली बाबा घाट, मेला घाट, डोरीगंज घाटों पर विशेष रूप से सतर्क रही। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं की भीड़ और नदी की स्थिति पर लगातार नजर बनाए रहे, ताकि स्नान के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी से श्रद्धालुओं को भी सुरक्षा का भरोसा मिला। श्रद्धालुओं ने बताया कि जितिया पर्व उनके लिए आस्था और मातृत्व से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। स्नान-दान और पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर संतान की मंगलकामना की।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन के लिए राहत एवं चिकित्सा सेवाएं लगातार जारी

छपरा सदर। सारण जिले के सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा लोगों के साथ-साथ उनके पशुधन की सुरक्षा एवं आवश्यक सुविधाओं का भी लगातार ध्यान रखा जा रहा है। पशुओं के लिए सूखा चारा वितरणः सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मवेशियों के लिए सूखा चारा उपलब्ध कराने एवं वितरण की व्यवस्था लगातार की जा रही है। इसी क्रम में मकेर प्रखंड के रेवाघाट में भी पशुपालकों के बीच पशुओं के लिए सूखा चारा वितरित किया जा रहा है।-पशु चिकित्सा एवं राहत शिविरः चलंत पशु चिकित्सा इकाई द्वारा दरियापुर प्रखंड के बरवे पंचायत अंतर्गत इदिलपुर, बरवे गांव में बाढ़ राहत शिविर आयोजित कर बाढ़ प्रभावित पशुओं की जांच, उपचार एवं आवश्यक पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला प्रशासन सारण द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के साथ-साथ पशुधन के लिए चारा, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी लगातार सुनिश्चित की जा रही हैं।

राजेंद्र स्टेडियम में होगा भव्य रावण वध समारोह 50 फीट का रावण व मेघनाथ का पुतला बनेगा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। विजयादशमी के अवसर पर छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में विजयादशमी समारोह समिति द्वारा भव्य रावण वध कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समारोह समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सलीम परवेज ने की। बैठक में समिति के कार्यकारी अध्यक्ष वरुण प्रकाश ने कार्यक्रम की तैयारियों एवं आयोजन से संबंधित विस्तृत जानकारी सदस्यों के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विजयादशमी समारोह को भव्य एवं आकर्षक रूप देने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। समिति के अनुसार, इस वर्ष 50 फीट ऊंचे रावण एवं मेघनाथ के पुतले का निर्माण कराया जाएगा। विजयादशमी के दिन राजेंद्र स्टेडियम में रावण वध कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासी एवं श्रद्धालु शामिल होंगे। समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल, व्यवस्थित एवं भव्य बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ तैयारियों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक में अध्यक्ष सलीम परवेज, कार्यकारी अध्यक्ष वरुण प्रकाश, ददन गिरी, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, पवन कुमार अग्रवाल, श्याम बिहारी अग्रवाल, विभूति नारायण शर्मा, शंकर देव सिंह उर्फ कन्हैया जी, अली रशीद, सुरभित दत्त, धनंजय कुमार गोलू, सत्य प्रकाश यादव, मोहम्मद जमाल, अशरफ, राजेश फैशन सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने शहरवासियों से विजयादशमी के इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की।

अमनौर में बाढ़ पीड़ितो की मदद के लिए आगे आए जनप्रतिनिधि और शिक्षक

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। गंडक की विभीषिका झेल रहे बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों के साथ अब शिक्षक समूह भी आगे आया है। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक किचन चलाया जा रहा है और हर राहत केंद्र पर अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र खोला गया है। इसके साथ ही कई समाजसेवी भी पीड़ितों के दुःख में सहयोग के लिए खड़े हैं। शिक्षक और जनप्रतिनिधियों ने बांटी राहत सामग्रीः पैगा मित्रसेन पंचायत के राम जन्म राय पूर्व मुखिया के पौत्र प्रखंड शिक्षक मुकेश यादव ने अमनौर कल्याण, नरसिंह, भानपुर, परमानंद छपरा और जगदीशपुर में बाढ़ पीड़ितों के बीच केला और सेब एवं साबुन सर्फ तेल का वितरण किया। बाढ़ से प्रभावित होने के बाद भी जीवित पुत्रिका ब्रत कर रही महिलाएं फल प्राप्त इन्हें काफी सराहना की। उप प्रमुख विवेकानंद राय और पूर्व मुखिया राज कुमार सिंह ने पीड़ितों के बीच तिरपाल का वितरण किया। जिला पार्षद भाग-2 के आलोक राय ने चूड़ा-मीठा का वितरण किया। सूरज सावरिया आईटीआई के निदेशक शशि शेखर ने राहत सामग्री पहुंचाई। सरपंच प्रतिनिधि सुरजीत कुमार सिंह ने सत्तू, अचार और प्याज का वितरण किया।

नाव से घूम-घूम कर खिलाई खिचड़ीः समाजसेवी युवा नेता उज्ज्वल सिंह ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए नाव से घूम-घूम कर बाढ़ में फंसे लोगों के बीच खिचड़ी बनाकर वितरित की। प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर हो रही इस मदद से बाढ़ पीड़ितों को काफी सहारा मिल रहा है। शिक्षक समूह भी आगे आया है। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक किचन चलाया जा रहा है और हर राहत केंद्र पर अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र खोला गया है। इसके साथ ही कई समाजसेवी भी पीड़ितों के दुःख में सहयोग के लिए खड़े हैं।

शिक्षक और जनप्रतिनिधियों ने बांटी राहत सामग्रीः पैगा मित्रसेन पंचायत के राम जन्म राय पूर्व मुखिया के पौत्र प्रखंड शिक्षक मुकेश यादव ने अमनौर कल्याण, नरसिंह, भानपुर, परमानंद छपरा और जगदीशपुर में बाढ़ पीड़ितों के बीच केला और सेब का वितरण किया। बाढ़ से प्रभावित होने के बाद भी जीवित पुत्रिका ब्रत कर रही महिलाएं फल प्राप्त इन्हें काफी सराहना की। उप प्रमुख विवेकानंद राय और पूर्व मुखिया राज कुमार सिंह ने पीड़ितों के बीच तिरपाल का वितरण किया। जिला पार्षद भाग-2 के आलोक राय ने चूड़ा-मीठा का वितरण किया। सूरज सावरिया आईटीआई के निदेशक शशि शेखर ने राहत सामग्री पहुंचाई। सरपंच प्रतिनिधि सुरजीत कुमार सिंह ने सत्तू, अचार और प्याज का वितरण किया। वही समाज सेवी राकेश सिंह ने नाव से घूम-घूम कर बना खिचड़ी का वितरण किया. समाजसेवी युवा नेता उज्ज्वल सिंह ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए नाव से घूम-घूम कर बाढ़ में फंसे लोगों के बीच खिचड़ी बनाकर वितरित की।

प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर हो रही इस मदद से बाढ़ पीड़ितों को काफी सहारा मिल रहा है। शिक्षको के इस कार्य से लोग काफी सराहना किया। शिक्षक मुकेश यादव ने कहा शिक्षक शिक्षा के साथ साथ उनके दुःख सुख के भी प्रहरी है। इस मौके पर शिक्षक प्रभात सिंह उनेश राय पैक्स अध्यक्ष कामेश्वर राय शामिल थे.

मुंगेर में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है आवश्यकता है कि उन्हें उचित मंच मिले : जिला पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिलाधिकारी द्वारा शनिवार को जिला फुटबॉल लीग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रैक सूट एवं फुटबॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर अभ्यास एवं बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। मौके पर पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, नगर आयुक्त पार्थ गुप्ता, अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक सहित मुंगेर जिला फुटबॉल संघ के सचिव भवेश कुमार, बिहार फुटबॉल संघ के संयोजक सत्येंद्र कुमार तथा जिला फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष पूर्वेंदु नारायण सहित अन्य उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने कहा कि मुंगेर में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है कि प्रतिभाओं को उचित मंच, बेहतर प्रशिक्षण और गुणवत्तापूर्ण खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। हमारा प्रयास है कि जिले के खेल मैदानों को व्यवस्थित, आकर्षक एवं खिलाड़ियों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाए, ताकि युवा खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए जिले और राज्य का नाम रोशन कर सकें।

केंद्रीय मंत्री सह सांसद के मुंगेर आगमन को लेकर जिला पदाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

मुंगेर। केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह, भारत सरकार के 03 अक्टूबर को मुंगेर के बिन्दवारा तथा 04 अक्टूबर को हवेली खड़गपुर प्रखंड अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा संबंधित कार्यक्रम स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन सहित अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। मौके पर पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आने-जाने वाले लोगों की सुविधा, वाहनों के सुगम आवागमन तथा किसी आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का भी निदेश दिया।

धरहरा में भाजपा का पौधारोपण कार्यक्रम, 125 पौधे लगाए गए

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को भाजपा जमालपुर विधानसभा की ओर से धरहरा दक्षिणी मंडल में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से लगभग 125 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री निशुतोष कुमार यादव रहे। कार्यक्रम का संयुक्त नेतृत्व धरहरा दक्षिणी मंडल अध्यक्ष चंद्रचूड़ साक्षी, धरहरा उत्तरी मंडल अध्यक्ष प्रीतम सिंह, जमालपुर नगर पश्चिमी अध्यक्ष शंकर सिंह, जमालपुर नगर पूर्वी अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार भुट्टो एवं जमालपुर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मनीष दयाल गोस्वामी ने किया। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने सेवा भाव के उद्देश्य से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितंबर से सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की है। आज का यह कार्यक्रम इसलिए भी विशेष है कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर वृक्षारोपण किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उत्तम सिन्हा, राजकमल सिंह, राजीव कुमार सिंह, संतोष कुमार साह, सुनील सोरेन, प्रमोद कोड़ा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

4 अक्टूबर को भाजपा नगर मंडल की होगी बैठक

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। केंद्र, प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के निदेशानुसार भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रत्येक मंडल में प्रतिमाह बैठक आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में भाजपा नगर मंडल हवेली खड़गपुर की मासिक बैठक 4 अक्टूबर 2026, रविवार को सामुदायिक भवन, सिंहपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष शिव शंकर चौधरी करेंगे। बैठक का आयोजन सुबह 11 बजे से होगा। बैठक में नगर क्षेत्र में निवास करने वाले प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, विधानसभा स्तर के पदाधिकारी, विभिन्न मंच-मोर्चा के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, मातृशक्ति, नगर मंडल के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रमुख एवं सह प्रमुख, बूथ अध्यक्ष सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। नगर अध्यक्ष शिव शंकर चौधरी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर बैठक में आवश्यक चर्चा की जाएगी।

पूर्व विधायक स्व. अनन्त कुमार सत्यार्थी की तीसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। पूर्व विधायक स्वर्गीय अनन्त कुमार सत्यार्थी की तीसरी पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को उनके पैतृक गांव पोखरिया में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उनके पुत्र शानू कुमार सत्यार्थी के द्वारा किया गया। श्रद्धांजलि सभा में स्व. अनन्त कुमार सत्यार्थी के समर्थकों, पुराने साथियों, सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व और जनसेवा से जुड़े कार्यों को स्मरण किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्व. अनन्त कुमार सत्यार्थी ने अपने सार्वजनिक जीवन में क्षेत्र के लोगों से निरंतर जुड़कर उनके सुख-दुःख में साथ खड़े रहने का प्रयास किया। उनके साथ लंबे समय तक जुड़े रहे पुराने साथियों ने उनके सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति समर्पण को याद किया। इस अवसर पर उनके पुत्र शानू कुमार सत्यार्थी ने कहा कि उनके पिता का जीवन और क्षेत्र के विकास के लिए उनके द्वारा देखे गए सपने हमेशा उनके लिए प्रेरणा का स्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि स्व. अनन्त कुमार सत्यार्थी की स्मृतियां और उनके अधूरे सपने आने वाली पीढ़ियों को जनसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में मनोहर यादव, पूर्व मुखिया चंद्रशेखर यादव, राजद उपाध्यक्ष सुनील सिंह, राजद प्रखंड अध्यक्ष बिपिन खिरहरी, प्रवक्ता अभिमन्यु यादव, पंजियारा जी, भोला घोसवामी, सतीरमण जी, पूर्व प्रमुख अनिरुद्ध यादव, धर्मवीर यादव, पप्पू यादव सहित स्व. अनन्त कुमार सत्यार्थी के पुराने सहयोगी, समर्थक, सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा ने धूमधाम से मनाया संरक्षक का जन्मदिन

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का 82वां जन्मदिन शनिवार को बंगलबा स्थित पार्टी के जिला कार्यालय में बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। जिलाध्यक्ष परमानंद मांझी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकताओं ने केक काटकर एक-दूसरे को बधाई दी और गरीबों के मसीहा के स्वस्थ जीवन व दीघार्यु की कामना की। इस दौरान पूरा कार्यालय परिसर जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष परमानंद मांझी ने कहा कि जीतन राम मांझी का जीवन संघर्ष, त्याग और सेवा का जीता-जागता उदाहरण है। एक साधारण परिवार से निकलकर बिहार के मुख्यमंत्री और फिर केंद्र में मंत्री बनने तक का उनका सफर हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा है। उन्होंने हमेशा गरीब, दलित, महादलित और वंचित समाज के हितों को सर्वोपरि रखा है। उनके ही प्रयासों से आज दबे-कुचले वर्ग को अपनी आवाज बुलंद करने की ताकत मिली है। उन्होंने कहा कि उनके विचारों और बताए गए रास्ते पर चलकर ही पार्टी समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के हक की लड़ाई लड़ती रहेगी। इस मौके पर पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने जीतन राम मांझी के सामाजिक और राजनीतिक योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि मांझी जी ने सत्ता में रहते हुए भी कभी गरीबों से दूरी नहीं बनाई और उनके अधिकारों के लिए हमेशा संघर्ष किया। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पटना और भोजपुर की सीमा पर अवैध शराब पर पुलिस की कड़ी कार्रवाई

कोईलवर। भोजपुर पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित के निर्देश पर अवैध महुआ शराब निर्माण के खिलाफ पुलिस ने सोन नदी के दियारा इलाके में शुक्रवार को बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई बिहटा थाना क्षेत्र और भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के बीच सोन नदी के बीच में स्थित तारेगना टोक पर की गई कार्रवाई के दौरान अवैध शराब निर्माण के लिए संचालित 15 भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया गया। अभियान सदर-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रंजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। इसमें चांदी थाना पुलिस, उत्पाद विभाग भोजपुर, सशस्त्र बल तथा बिहटा थाना की संयुक्त टीम शामिल रही। टीम नाव और स्टीमर के माध्यम से सोन नदी के दियारा क्षेत्र में पहुंची और शराब निर्माण के ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने करीब 29,350 किलोग्राम जावा महुआ पास बरामद कर उसे नष्ट कर दिया। यह महुआ पास करीब 40 प्लास्टिक के ड्रमों में रखा हुआ था। इसके अलावा मौके पर तैयार करीब 215 लीटर महुआ शराब को भी पुलिस ने विनष्ट कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। एसडीपीओ रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम के पहुंचने की भनक लगते ही शराब निर्माण में शामिल लोग नाव और स्टीमर की मदद से पुलिस से बचकर बिहटा की ओर भाग निकले। हालांकि, पुलिस ने शराब निर्माण के लिए बनाए गए ठिकानों और भट्ठियों को पूरी तरह ध्वस्त करते हुए वहां मौजूद कच्चे माल और तैयार शराब को नष्ट कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से सोन नदी के दियारा क्षेत्र में अवैध महुआ शराब के निर्माण पर बड़ा प्रहार हुआ है। संयुक्त टीम ने मौके पर मौजूद शराब निर्माण से संबंधित सामग्री को नष्ट करते हुए अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

रात्रि रक्त पट्ट संग्रह कार्यक्रम के दौरान 75 लोगों के लिए गए खून के नमूने

प्रात : किरण संवाददाता

बक्सर- जिला के चौगाई प्रखंड में शनिवार को रात्रि रक्त पट्ट संग्रह कार्यक्रम (नाईट ब्लड सर्वे) प्रखंड के रैंडम साईट टोरी वीरपुर वार्ड संख्या-09 में कैंप लगाकर किया गया. कार्य का शुभारंभ उपप्रमुख राहुल मेहता द्वारा फीता काटकर किया गया. उपप्रमुख ने स्वयं रक्त नमूना देकर कार्यक्रम की शुरूआत की. कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों से रक्त नमूने एकत्र कर फाइलेरिया संक्रमण की जांच की गई तथा फाइलेरिया से बचाव एवं जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया गया. 75 सैंपल किये गए इकठ्ठाः कार्यक्रम के दौरान 75 लोगों के सैंपल लिए गए. कार्यक्रम में प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक (बीएचएम), प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक (बीसीएम), वीबीडीएस, रोगी हित धारक मंच के सदस्य एवं जन प्रतिनिधि, डीईओ, लैब तकनीशियन, आशा फैसिलिटेटर, आशा कर्मी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे. लोगों को सैंपल देने के लिए प्रेरित करने में रोगी हितधारक मंच की रही अहम भूमिकाः मालूम हो कि रात्रि रक्त पट्ट संग्रह कार्यक्रम रात 10 से 12 बजे तक संचालित किया जा रहा है. समुदाय के लोगों को सैंपल देने के लिए प्रेरित कर साईट पर लाने में सीएचओ की नेतृत्व वाले रोगी हितधारक मंच के सदस्य अहम भूमिका निभा रहे हैं. मंच के सदस्य समुदाय से आते हैं और कई सदस्य खुद फाइलेरिया रोगी हैं. बीमारी के अपने अनुभवों को साझा कर नाईट ब्लड सर्वे में अपना सैंपल देने की महत्ता पर मंच के सदस्य लगातार संवाद स्थापित कर रहे हैं. वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि नाईट ब्लड सर्वे गतिविधि के दौरान कुल 3 साईट जिसमे एक सेंटिनल और दो रैंडम साईट से कुल 900 स्लाइड अर्थात प्रत्येक साईट से 300 स्लाइड को एकत्र कर माइक्रोस्कोपी जांच की जा रही है. जिससे माइक्रो फाइलेरिया के प्रसार दर का पता लगाया जा सके. रक्त सैंपल लेने के दौरान इसकी गुणवत्ता का खास ध्यान रखा जा रहा है. रात्री रक्त पट्ट संग्रहण गतिविधि के दौरान 20 वर्ष से अधिक लोगों का ही रक्त सैंपल लिया जा रहा है. यह गतिविधि रात 10 से 12 बजे तक संपादित की जा रही है।

एसपी के निर्देश पर नया रामनगर थाना पुलिस ने चलाया विशेष वाहन जांच अभियान

मुंगेर। पुलिस अधीक्षक मुंगेर सैयद इमरान मसूद के निदेशानुसार नया रामनगर थाना पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान नया रामनगर थानाध्यक्ष रवींद्र कुमार वर्मा स्वयं सड़क पर उतर कर वाहन जांच करते नजर आए। उन्होंने बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में यह वाहन जांच अभियान चलाया गया है। अभियान के तहत दोपहिया और चारपहिया वाहनों में हेलमेट, कागजात, सीट बेल्ट सहित अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान दर्जनों वाहनों की सघन जांच की गई और वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने का निर्देश दिया गया ताकि वे सुरक्षित रहें और सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, विधायक ने लाभार्थियों को वितरित किए स्वास्थ्य किट एवं प्रमाण-पत्र

औरंगाबाद -- औरंगाबाद विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, देव में सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों एवं लाभार्थियों ने भाग लिया और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर औरंगाबाद सदर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने शिविर में पहुंचकर लाभार्थियों को स्वास्थ्य किट एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं की जानकारी ली तथा स्वास्थ्यकर्मियों से मरीजों एवं लाभार्थियों को दी जा रही सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को आमजन तक सुगम और प्रभावी तरीके से पहुंचाना जनहित की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य है। समाज के जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऐसे सेवा कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन किया जाना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सेवा और सहयोग पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। स्वस्थ समाज के निर्माण तथा जनकल्याण के लिए ऐसे प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

पीएचडी में बैकलॉग खत्म होगा, एक-तिहाई से अधिक सीटें नहीं भरेंगे विश्वविद्यालय

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार के विश्वविद्यालयों में तीन साल से लंबित पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया अब शुरू होगी। राजभवन ने वर्ष 2024, 2025 और 2026 के लंबित पीएचडी दाखिलों के लिए जल्द विज्ञापन जारी करने का निर्देश दिया है। विश्वविद्यालयों को एक साथ बड़ी संख्या में सीटें भरने के बजाय चरणबद्ध तरीके से प्रवेश लेने को कहा गया है। कुल रिक्त सीटों केएक-तिहाई से अधिक पर एक साथ नामांकन नहीं होगा। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव विपिन कुमार सिंह ने सभी कुलपतियों को पत्र भेजकर पीएचडी अध्यादेश एवं नियमावली-2026 लागू करने का निर्देश दिया है। इसमें कहा गया है कि विश्वविद्यालयों में उपलब्ध शोध सुविधाओं और संसाधनों के आधार पर ही पीएचडी में दाखिला लिया जाएगा। केवल रिक्त सीटों के आधार पर नामांकन नहीं होगा मान्यता प्राप्त गाइड, प्रयोगशाला और अन्य शोध सुविधाओं की उपलब्धता का आकलन करने के बाद सीटें तय की जाएंगी। यह निर्णय 23 सितंबर को बिहार लोक भवन में चार कुलपतियों की समिति की सिफारिशों पर कुलाधिपति की मंजूरी के बाद लिया गया। हालांकि कृषि विश्वविद्यालय और पूसा विश्वविद्यालय को इस प्रक्रिया से अलग रखा गया है। नए प्रावधान के तहत वर्ष 2026 तक अधिकतम दो-तिहाई सीटें भरने का प्रावधान है, ताकि शोधार्थियों और उपलब्ध संसाधनों के बीच संतुलन बना रहे। नेट पात्रता को लेकर भी स्पष्टता पीएचडी प्रवेश में नेट पात्रता को लेकर भी अभ्यर्थियों में बनी भ्रम की स्थिति दूर करने का निर्देश दिया गया है। जिस वर्ष अभ्यर्थी ने नेट पास किया है, उसके बाद की दाखिला प्रक्रिया में संबंधित सत्र की पीएचडी नियमावली-2026 के पात्रता प्रावधान लागू होंगे। विश्वविद्यालयों को संबंधित सत्र के लिए मान्य नेट पात्रता स्पष्ट करनी होगी। जिन विश्वविद्यालयों में पहले ही पीएचडी एप्टीट्यूड टेस्ट हो चुका है, वहां 4 जुलाई 2026 के बाद नामांकित योग्य शोधार्थियों का पंजीयन पीएचडी नियमावली-2026 के अनुसार किया जाएगा। नई नियमावली उसी तिथि से प्रभावी मानी गई है। राजभवन ने विश्वविद्यालयों को लंबित प्रक्रिया पूरी कर शोधार्थियों का पंजीयन कराने तथा पीएचडी सत्र को नियमित करने का निर्देश दिया है।

जितिया व्रत को लेकर नदी-तालाबों के घाटों पर उमड़ी भीड़, खड़गपुर झील पर दिखा आस्था का सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। संतान की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए महिलाओं द्वारा शनिवार को जितिया (जीवित्पुत्रिका) व्रत का निर्जला उपवास रखा गया। व्रत को लेकर हवेली खड़गपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न नदी, तालाब, खड़गपुर झील और पोखरों के घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालु महिलाओं की भीड़ जुटी रही। खड़गपुर झील पर विशेष भीड़ दिखा और शाम तक आस्था का सैलाब उमड़ता रहा। महिलाओं ने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संतान की सुख-समृद्धि और दीघार्यु की कामना की। जितिया पर्व की शुरूआत शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ हुई थी। नहाय-खाय के बाद शनिवार को व्रतियों ने पूरे दिन निर्जला उपवास रखा। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न जलाशयों और घाटों पर महिलाओं की काफी भीड़ देखने को मिली। कई जगह व्रती महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की और एक-दूसरे के साथ पर्व की परंपराओं को निभाया। व्रत को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया। घाटों पर सुबह से ही चहल-पहल बनी रही। परिवार के अन्य सदस्य भी व्रतियों के साथ घाटों पर पहुंचे। स्थानीय स्तर पर कई स्थानों पर साफ-सफाई और पूजा की व्यवस्था भी की गई। रविवार को व्रती महिलाएं विधि-विधान से पूजा-अर्चना और पारण के बाद व्रत का समापन करेंगी। जितिया पर्व को लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना हुआ है।

मृतक के नाम पर चार बार आपत्ति दर्ज कराने का मामला सामने आया

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। शनिवार को कोईलवर अंचल कार्यालय में भूमि विवाद एवं दाखिल-खारिज से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया। राजस्व अधिकारी (आरओ) राजभूषण सिंह ने करीब एक दर्जन मामलों की सुनवाई की। कई मामलों में द्वितीय पक्ष के उपस्थित नहीं होने के कारण सुनवाई की अगली तिथि निर्धारित की गई। इस दौरान रैयती जमीन पर दखल-कब्जे और म्यूटेशन रोकने के लिए मृत व्यक्ति के नाम से बार-बार आपत्ति दर्ज कराने का मामला सामने आया। चांदी थाना क्षेत्र के कोसीहान गांव से जुड़े एक मामले में मो. अल्लाउद्दीन ने 17 डिसमिल जमीन के म्यूटेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। इस मामले में स्थानीय निवासी राम निवास द्वारा मृतक शेख मोहम्मद मुस्तफा के नाम से बार-बार आपत्ति दर्ज कराई जा रही थी। जबकि मृतक के वंशजों की ओर से उक्त जमीन को लेकर किसी प्रकार की आपत्ति नहीं की गई थी। सुनवाई के दौरान यह मामला सामने आने पर आरओ ने कड़ी नाराजगी जताई। बताया गया कि मृत व्यक्ति के नाम से अब तक चार बार आपत्ति दर्ज कराई जा चुकी है। आरओ ने राम निवास को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा की गई तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित पक्ष को अगली सुनवाई में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया। रैयती जमीन पर दखल-कब्जे का अधिकार अंचल को नहींजनता दरबार में राजापुर पंचायत के बिंदगवां निवासी सुभाष कुमार सिंह का रैयती जमीन पर दखल-कब्जे से संबंधित मामला भी सामने आया। मामले की सुनवाई करते हुए आरओ ने स्पष्ट किया कि रैयती जमीन पर किसी पक्ष को दखल-कब्जा दिलाने का अधिकार अंचल कार्यालय को नहीं है। ऐसे मामलों में बीएलडीआर एक्ट के तहत सक्षम भूमि सुधार प्राधिकारी यानी डीसीएलआर के समक्ष अपील करनी होती है। डीसीएलआर के आदेश के बाद ही नियमानुसार दखल-कब्जे से संबंधित कार्रवाई की जा सकती है। आरओ राजभूषण सिंह ने बताया कि अंचल कार्यालय मुख्य रूप से सरकारी भूमि पर अतिक्रमण से जुड़े मामलों की कार्रवाई करता है। वहीं, सरकारी जमीन पर बसे परचाधारियों को किसी प्रकार की परेशानी होने पर अंचल स्तर से नियमानुसार उनके अधिकार दिलाने की कार्रवाई की जाती है। उन्होंने बताया कि दाखिल-खारिज की सुनवाई के दौरान यदि आपत्ति दर्ज कराने वाला पक्ष किसी कारणवश भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हो पाता है, तो उसे सुनवाई से संबंधित लिंक उसके मोबाइल नंबर पर भेजा जाता है। संबंधित व्यक्ति जूम मीटिंग के माध्यम से ऑनलाइन जुड़कर अपना पक्ष रख सकता है। जनता दरबार के दौरान गिधा थानाध्यक्ष टिंकू कुमार मौजूद रहे। हालांकि कोईलवर, चांदी और बबूरा थाने से कोई पुलिस पदाधिकारी उपस्थित नहीं हुए।

खेल मैदान में बने हेलीपैड और सड़क हटाने की मांग को लेकर युवाओं ने किया सड़क जाम

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। जगदीशपुर नगर के खेल मैदान में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 23 सितंबर को आगमन को लेकर बनाए गए हेलीपैड और सड़क को जल्द हटाने की मांग को लेकर आज शनिवार को युवाओं ने खेल मैदान की मुख्य गेट के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। समाजसेवी जगदीप यादव के नेतृत्व में युवाओं ने सड़क पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। इस दौरान जगदीप यादव सड़क पर लेटकर विरोध करते भी नजर आए। कहना था कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को 10 दिन से अधिक समय बीत जाने के बावजूद खेल मैदान में बनाए गए हेलीपैड और अस्थायी सड़क को अब तक नहीं हटाया गया है। इससे मैदान में खेलकूद और शारीरिक तैयारी करने वाले युवाओं को परेशानी हो रही है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में युवक-युवतियां यहां विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फिजिकल की तैयारी करने पहुंचते हैं। इसके अलावा बच्चे मैदान में क्रिकेट और फुटबॉल भी खेलते हैं। जगदीप यादव ने कहा कि जब तक अनुमंडल पदाधिकारी जगदीशपुर मौके पर पहुंचकर उचित आश्वासन नहीं देते और हेलीपैड व सड़क हटाने की प्रक्रिया शुरू नहीं होती, तब तक जाम जारी रहेगा। सड़क जाम के कारण दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ।

गरीबी का आकलन आय से नहीं, बहुआयामी वंचनाओं से जरूरी : प्रो. तारिक

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के अर्थशास्त्र विभाग में शनिवार को ह्लवंचना एवं गरीबीः बहुआयामी गरीबी सूचकांक का एक आकलनह्ल विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन विभागीय लेक्चर हॉल में किया गया। मुख्य वक्ता अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. मोहम्मद तारिक थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनवर इमाम ने मुख्य वक्ता एवं अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. मोहम्मद तारिक को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कुलसचिव प्रो. आर.के. ठाकुर का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शशि भूषण राय एवं डॉ. यदवेन्द्र सिंह की विशेष उपस्थिति रही। अपने व्याख्यान में प्रो. मोहम्मद तारिक ने कहा कि गरीबी को केवल आय अथवा आर्थिक संसाधनों की कमी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, जीवन-स्तर और अन्य सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से जुड़ी वंचनाएं भी गरीबी के स्वरूप को निर्धारित करती हैं। उन्होंने बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) की अवधारणा और गरीबी के विभिन्न आयामों के वैज्ञानिक आकलन की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति अथवा परिवार की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए आय के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन-स्तर से संबंधित वंचनाओं का भी आकलन आवश्यक है। व्याख्यान से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को गरीबी के बहुआयामी स्वरूप और उसके वैज्ञानिक मूल्यांकन की पद्धति को समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर प्रो. राघवेंद्र प्रताप सिंह, प्रो. धीरेंद्र कुमार सिंह, प्रो. दिवाकर पांडे, प्रो. अवध बिहारी सिंह, प्रो. कुंदन कुमार सिंह, प्रो. अहमद मसूद, प्रो. यशवंत कुमार, प्रो. अजय कुमार एवं प्रो. प्रसुंजय कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे। मंच संचालन डॉ. अरुंधती मल्लिक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक प्रो. नीरज कुमार वर्मा ने किया।

वीकेएसयू स्नातक सेमेस्टर-5 की परीक्षा 12 अक्टूबर से बीए, बीएससी व बीकॉम के लिए कार्यक्रम जारी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ने स्नातक सेमेस्टर-5 (सीबीसीएस) सत्र 2024-28 की परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार बीए, बीएससी और बीकॉम के विद्यार्थियों की सैद्धांतिक परीक्षा 12 अक्टूबर से शुरू होगी और 15 अक्टूबर तक चलेगी। परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबंधित कॉलेजों के प्राचार्यों एवं केंद्राधीक्षकों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार कला संकाय (सभी सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विषय) की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित होगी। वहीं विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय की परीक्षा दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक होगी। 12 अक्टूबर को दोनों पालियों में मेजर कोर्स (टखउ-8) की परीक्षा होगी। 13 अक्टूबर को मेजर कोर्स (टखउ-9) की परीक्षा निर्धारित है। इसके बाद 14 अक्टूबर को माइनर कोर्स (टक्ठ-5) तथा 15 अक्टूबर को माइनर कोर्स (टक्ठ-6) की परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा कार्यक्रम के साथ विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि इंटर्नशिप (क्ठळ-1) की परीक्षा संबंधित कॉलेजों में ही पूरी कराई जाएगी। आंतरिक परीक्षा भी सैद्धांतिक परीक्षा से पहले पूरी करनी होगी। वहीं प्रायोगिक परीक्षाएं 22 से 28 अक्टूबर 2026 तक संबंधित अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों में आयोजित की जाएंगी। विश्वविद्यालय ने सभी प्राचार्यों को निर्देश दिया है कि प्रायोगिक परीक्षा एवं वायवा-वोइस के अंक पोर्टल पर अपलोड करने के साथ उसकी हस्ताक्षरित हार्ड कॉपी 30 अक्टूबर तक परीक्षा विभाग में भेजना सुनिश्चित करें। केंद्राधीक्षकों को परीक्षा से संबंधित मेमो एवं उपस्थिति पत्रक 16 अक्टूबर तक भेजने का निर्देश दिया गया है। बताया गया है कि स्नातक सत्र 2023-27 के सेमेस्टर-5 में प्रमोटेड अथवा फेल छात्र-छात्राएं भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत इस परीक्षा में शामिल होंगे। इससे ऐसे विद्यार्थियों को अपनी परीक्षा पूरी करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित कराने की तैयारी शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

वर्तमान परिदृश्य में गांधी एवं शास्त्री के सिद्धांत प्रासंगिक

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के ब्लॉक मोड़ के समीप पृथ्वीराज चौहान स्मृति भवन के प्रांगण में पृथ्वीराज चौहान चैरिटेवल ट्रस्ट के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शांति दूत लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती समारोह धूमधाम से मनाई गई।ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह की अध्यक्षता में दोनों ही महापुरुषों के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। संचालन की जिम्मेवारी सुरेश विद्यार्थी ने निभाई।तत्पश्चात वर्तमान परिदृश्य में गांधी एवं शास्त्री के सिद्धांतों की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें।कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह,उपाध्यक्ष डॉ ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह, वरीय सदस्य चंद्र प्रकाश विकास,संजय कुमार सिंह,रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में पूरी दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है।ऐसे में गांधी का अहिंसा और शांति का मार्ग युद्ध से बचने का एकमात्र अचूक उपाय है।कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह, कमलेश सिंह, शैलेंद्र सिंह ने बताया कि शास्त्री जी का जीवन उच्च विचार और सादगी का प्रतीक था।

महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के प्रयास से तूतला भवानी महोत्सव को 35 लाख रुपए का आवंटन

औरंगाबाद।बिहार की प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थ स्थल तुतला भवानी महोत्सव इस वर्ष 28 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी।इस संबंध में जानकारी देते हुए महोत्सव आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक औरंगाबाद जिले के बड़ेम निवासी बिहार राज्य महोत्सव संघ के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने 10 दिन पहले बिहार सरकार के माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मांग किया था कि तुतला भवानी प्राकृतिक सुषमा से आच्छादित पहाड़ों की तराइयों में एक ऐसा स्थल है जो कश्मीर के माता वैष्णो देवी के जैसा है। पर्यटकों के ठहराव के लिए अत्याधुनिक धर्मशाला, रोपवे, हेलीकॉप्टर का ठहराव से संबंधित पत्र लिखा था।प्रेषित पत्र के आलोक में उन्होंने यहां महोत्सव आयोजन के लिए 35 लाख रुपए की भी मांग की थी जिसके आलोक में बिहार सरकार एवं पर्यटन विभाग ने उनकी मांग को स्वीकार किया और उतनी राशि स्वीकृति के आदेश दे दिए। महोत्सव रत्न ने यह भी बताया कि वे लगातार औरंगाबाद जिले में ही नहीं बिहार के अन्य जिलों में भी जहां-जहां पर प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है वहां के स्थल को देश दुनिया में प्रचारित प्रसारित करने के लिए महोत्सव को आयोजित किए जाने वास्ते प्रोत्साहित कर रहे हैं।

अमेजॉन ने प. बंगाल में अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा का किया किया विस्तार

आसनसोल। अमेजॉन ने 120 से अधिक शहरों को कवर करने वाले राष्ट्रव्यापी रोलआउट के हिस्से के रूप में अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा, अमेजॉन नाउ को पश्चिम बंगाल में 19 स्थानों तक विस्तारित किया है, केवल दो सप्ताह में अपने पदचिह्न को दोगुना कर दिया है। विस्तार में कोलकाता, आसनसोल, दुगार्पुर, मुर्शिदाबाद, कृष्णानगर, बशीरहाट, कटवा, चित्तरंजन, हाबरा, बंगगांव, डोमकल, राणाघाट, जंगीपुर, बोलपुर, खड़गपुर, रामपुर, बर्दवान, मिदनापुर और नादिया शामिल हैं। सितंबर में अमेजॉन ने घोषणा की कि अमेजॉन नाउ ने पिछले तीन महीने की अवधि में भारत में वार्षिक सकल बिक्री में 1 बिलियन डॉलर हासिल किए हैं। कंपनी का लक्ष्य 300 से अधिक शहरों में सेवा का विस्तार करना है। देश भर में लगभग 800 माइक्रो-फुलफिलमेंट और शहरी पूर्ति केंद्रों के माध्यम से ऑर्डर पूरे किए जाते हैं।

मगध विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय शतरंज टूनार्मेंट में जगजीवन कॉलेज का शानदार प्रदर्शन

गया। मगध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय शतरंज टूनार्मेंट का आयोजन केएलएस कॉलेज, नवादा में किया गया जिसमें नौ अलग-अलग महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया है।जगजीवन कॉलेज के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉलेज का नाम रोशन किया है। महिला वर्ग में गुड़िया कुमारी ने अपनी प्रतिभा, एकाग्रता और रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए बड़ी चतुराई के साथ चार राउंड की प्रतियोगिता में चारों में विजय का परचम लहराते हुए रजत पदक हासिल किया है। वहीं, पुरुष वर्ग में कॉलेज के खिलाड़ी राजा कुमार ने चार राउंड के मैच में दो में ड्रा तथा दो में विजय हासिल कर चतुर्थ स्थान पर अपनी जगह बनाई है।

पिंडदानियों के बीच पहुंचे पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विधिक सहायता स्टॉल का किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

गया। पितृपक्ष के अवसर पर आज पिंडदान के उद्देश्य से गया पहुंचे पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सह निरीक्षी न्यायाधीश, गया जिला विवेक चौधरी सपरिवार विष्णुपद क्षेत्र स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के विधिक सहायता स्टॉल पर पहुंचे। इसब दौरान पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह भी सपरिवार स्टॉल पर उपस्थित हुए हैं। दोनों न्यायमूर्तियों ने सपरिवार पिंडदान किया। इसके बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा संचालित विधिक सहायता केंद्र स्टॉल का निरीक्षण किया। यह स्टॉल आमजनों को पेयजल, लस्सी, बिस्किट, सुविधा सहायता एवं विधिक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दोनों न्यायमूर्तियों ने पिंडदानियों एवं श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए उनके बीच गमछा, अंगवस्त्र, लस्सी, पानी, बिस्किट एवं फल का वितरण किया है। न्यायमूर्तियों ने स्टॉल पर उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा उपस्थित पदाधिकारियों को पिंडदानियों एवं श्रद्धालुओं को आवश्यकता के अनुसार निःशुल्क कानूनी सहायता एवं विधिक जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी सहायता के संबंध में सरल भाषा में जानकारी दी जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया डॉ. राकेश कुमार सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया अरविंद कुमार दास तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रकाश कुमार राय सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा पितृपक्ष मेला क्षेत्र में लगाए गए विधिक सहायता स्टॉल के माध्यम से पिंडदानियों एवं श्रद्धालुओं को विभिन्न कानूनी प्रावधानों, उनके अधिकारों तथा निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता के संबंध में जानकारी दी जा रही है। स्टॉल पर लोगों की समस्याओं को सुनकर उन्हें आवश्यक विधिक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जा रहा है।

सूढ़ी समाज के एकता की ताकत से मिली राजनीतिक सफलता: सुदीश कुमार

- राष्ट्रीय सूढ़ी महासभा का विद्यापति भवन में 'गौरव सम्मान समारोह 2026' आयोजित
- बिहार सरकार से सूढ़ी समाज को अतिपिछड़ा वर्ग 1 में शामिल करने की उठी पुरजोर मांग

प्रात: किरण संवाददाता

पटना।राष्ट्रीय सूढ़ी महासभा (संघर्ष मोर्चा समिति) के तत्वावधान में पटना स्थित विद्यापति भवन में सूढ़ी समाज का गौरव सम्मान समारोह 2026 गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस समारोह में बिहार के कोने-कोने—नालंदा, नवादा, लखीसराय—के साथ-साथ छत्तीसगढ़, दिल्ली और झारखंड से आए सूढ़ी समाज के प्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान समाज के सजग प्रतिनिधियों और कार्यकताओं को प्रशस्ति-पत्र एवं शिल्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया, जबकि विशिष्ट अतिथियों को पाग और दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के अध्यक्ष श्री शिवरतन प्रसाद जी ने नालंदा जिला अध्यक्ष सुदीश कुमार जी को मंच पर प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नालंदा जिला अध्यक्ष सुदीश कुमार जी ने कहा कि 08 जून 2025 को बापू सभागार में आयोजित सूढ़ी अधिकार सम्मेलन में प्रदर्शित समाज की अभूतपूर्व एकता का ही परिणाम है कि विभिन्न राजनीतिक दलों को सूढ़ी समाज को 07 विधानसभा सीटों पर टिकट देना पड़ा। इसमें से समाज के प्रत्याशियों ने 05 सीटों पर ऐतिहासिक सफलता हासिल की। यह संपूर्ण सूढ़ी समाज के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि आज बिहार सरकार में समाज के 02 मंत्री—समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता जी और श्रम कल्याण मंत्री श्री अरुण शंकर प्रसाद जी—प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सुदीश कुमार जी ने कहा कि नालंदा जिला संगठन की ओर से सर्वप्रथम 29 मई 2026 को माननीय समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता जी को सूढ़ी समाज को अतिपिछड़ा वर्ग (एइउ) में शामिल कराने हेतु प्रतिवेदन सौंपा गया था। उन्होंने राष्ट्रीय सूढ़ी महासभा के मंच से बिहार सरकार से सूढ़ी समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करने का पुरजोर आह्वान किया। उन्होंने सरकार में मौजूद समाज के दोनों मंत्रियों से आग्रह किया कि वे समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल कराने के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाएं। नालंदा जिला अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बिहार सरकार सूढ़ी समाज की इस जायज मांग को नजरअंदाज करती है, तो समाज अपने हक और अधिकार के लिए पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में महासम्मेलन का आयोजन करेगा और सरकार से समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करने की मांग को मजबूती से रखेगा। इस अवसर पर नालंदा जिले से जिला अध्यक्ष सुदीश कुमार, अरविंद कुमार उर्फ मुनी जी, रजनीकांत कुमार जी, गुड्डू कुमार, श्याम सुंदर प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, राजा कुंदन कुमार, एवं कृष्ण मुरारी उर्फ गुड्डू कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बोधगया मठ : जहां इतिहास आज भी लेता है सांस

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। बिहार की धरती पर बोधगया केवल एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि ज्ञान, साधना और आध्यात्मिक खोज की ऐसी भूमि है जिसने सदियों से देश-दुनिया के लोगों को आकर्षित किया है। भगवान बुद्ध और बोधिवृक्ष की स्मृतियों से जुड़ी इस पावन धरती पर सनातन परंपरा के मठ-मंदिर भी अपनी अलग पहचान और विरासत के साथ मौजूद हैं। इन्हीं में बोधगया मठ एक ऐसी जीवंत परंपरा का प्रतीक है, जिसकी कहानी केवल पुरानी इमारतों तक सीमित नहीं है।।भारतीय संस्कृति में मठ का अर्थ सिर्फ पूजा-पाठ का स्थान नहीं रहा है। यह साधना, अध्ययन, अतिथि-सत्कार और सेवा का केंद्र भी रहा है। बोधगया मठ की दिनचर्या में भी इस परंपरा की झलक मिलती है। सुबह की घंटियों, मंत्रोच्चार और मंदिर की गतिविधियों के बीच ऐसा अनुभव होता है, मानो इतिहास किसी पुस्तक में बंद न होकर आज भी यहां अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा हो।

अन्नपूर्णा की आराधना में सेवा का संदेशः मठ की धार्मिक परंपरा में माता अन्नपूर्णा का विशेष महत्व है। भारतीय चिंतन में अन्न को जीवन का आधार माना गया है। इसलिए अन्नपूर्णा की उपासना के साथ सेवा और करुणा का भाव भी जुड़ा है। साधु, अतिथि और जरूरतमंद को भोजन कराना यहां केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि धार्मिक संस्कार की तरह देखा जाता है। मठ की रसोई इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण प्रतीत होती है, जहां भोजन तैयार होने के साथ-साथ बांटने और सेवा का भाव भी दिखाई देता है। पितृपक्ष जैसे अवसरों पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था इस सेवा-परंपरा को और व्यापक स्वरूप देती है। पीढ़ियों ने संभाली विरासत, समय के साथ बढ़ी पहचान बोधगया ने इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। राजनीतिक परिस्थितियां बदलीं, धार्मिक संस्थाओं का स्वरूप बदला और तीर्थयात्राओं के रास्ते भी बदले, लेकिन इस भूमि की आध्यात्मिक महत्ता बनी रही। मठों और मंदिरों ने उन परंपराओं को आगे बढ़ाने का काम किया, जिन्हें एक पीढ़ी ने दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाया। बिहार न्यास बोर्ड के सदस्य बोधगया मठ का महंत स्वामी विवेकानन्द जी महाराज का कहना है कि बोधगया मठ की पहचान में भगवान जगन्नाथ की आराधना भी एक महत्वपूर्ण आयाम जोड़ती है। जगन्नाथ की परंपरा भारतीय भक्ति की उस व्यापक भावना को सामने लाती है जिसमें ईश्वर को समूचे जगत का नाथ माना गया है। किसी प्राचीन मठ को समझने के लिए केवल उसकी उम्र जानना पर्याप्त नहीं। यह जानना अधिक महत्वपूर्ण है कि कितनी पीढ़ियों ने उसकी पूजा, व्यवस्था और सेवा को निरंतर बनाए रखा। किसी ने मंदिर संभाला, किसी ने भोजन बनाया, किसी ने अतिथियों की सेवा की और किसी ने अगली पीढ़ी को परंपरा सौंपी। यही छोटे-छोटे प्रयास किसी विरासत को जीवित रखते हैं। बोधगया मठ इसी जीवंत विरासत की कहानी कहता है—जहां अतीत स्मृति बनकर नहीं, बल्कि वर्तमान की दिनचर्या में दिखाई देता है। इसलिए यहां आने वाला व्यक्ति केवल यह न पूछे कि ह्लमठ कितना पुराना है?ह्व बल्कि यह भी सोचे कि ह्लकितनी पीढ़ियों की आस्था, साधना और सेवा ने इसे आज तक जीवित रखा है? शायद इसी सवाल में बोधगया मठ की वास्तविक कहानी छिपी है।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल के बच्चों का शानदार प्रदर्शन

अरवल। ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल, अरवल के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो सहित कई खेल प्रतियोगिताओं में डीपीएस के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जिला प्रशासन की ओर से मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर धर्मेंद्र कुमार ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सभी खिलाड़ी इसी तरह मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ते रहें तथा भविष्य में विद्यालय और अरवल का नाम रोशन करें। विद्यालय परिवार ने भी सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों और अभिभावकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

करपी सीएचसी का जिला सांसद प्रतिनिधि ने निरीक्षण कर मरीजों से हाल जाना: मनोज यादव

प्रात: किरण संवाददाता

करपी/अरवल।जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज सिंह यादव ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करपी का निरीक्षण कर विस्तृत जानकारी लिए। इस दौरान उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशिकांत के साथ अस्पताल का भ्रमण किया और भर्ती मरीजों से मिलकर हाल जाना। मनोज यादव ने बताया कि अस्पताल में टइिर, आयुष सहित मात्र 11 चिकित्सक ही हैं, जबकि करीब 20 पद रिक्त हैं। महिला डॉक्टर और बच्चा डॉक्टर उपलब्ध हैं। आंख की जांच के लिए फंडोस्कोपी, रेटिनोस्कोपी, स्लिट लैंप सहित सभी आधुनिक मशीनें उपलब्ध हैं। दांत के लिए डेंटल केयर, ईसीजी, एक्स-रे और अन्य जांच की सुविधा भी है। पांच एंबुलेंस और आयुर्वेदिक सेवा भी उपलब्ध है। उन्होंने चिकित्सकों से समय पर जनसेवा की भावना से कार्य करने का अनुरोध किया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से हाई मास्ट लाइट की मांग पर उन्होंने सांसद डॉ. सुरेंद्र प्रसाद यादव से आग्रह कर व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान पंचायत समिति सदस्य परशुराम यादव, रामनिवास शर्मा, अन्य जनप्रतिनिधि और चिकित्सा पदाधिकारी मौजूद रहे।

करपी सीएचसी में जन आरोग्य समिति की राशि गबन का आरोप, प्रभारी डॉ. शशिकांत पर जांच

करपी / अरवल। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, करपी में सरकारी राशि के गबन का मामला सामने आया है। आरोप है कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशिकांत ने जन आरोग्य समिति का पैसा अवैध तरीके से अपने एवं अपने पिता राम जी राम के खाते में ट्रांसफर किया। बताया जा रहा है कि अरवल थाना कांड संख्या 46/26 में पुलिस पदाधिकारी द्वारा जांच के दौरान इसका खुलासा हुआ। नाम न बताने की शर्त पर एक नर्स ने बताया कि वे कहते हैं तुम लोग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाओगे, मेरी ऊपर तक पहुंच है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इतने के बावजूद उन्हें जीएनएम कॉलेज अरवल का प्राचार्य भी बनाया गया है और आज भी वे प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बने हुए हैं। नर्स ने आशंका जताई है कि उनके साथ कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है और अन्य अधिकारियों से मिलने के लिए उन्हें छुट्टी नहीं दी जाती है ताकि वे कोर्ट मे, थाना मे, डीएम के जनता दरबार में न जा सकें। मामले में जिला पदाधिकारी से संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

छूटे हुए एवं नए पात्र निर्वाचक फॉर्म-6 के माध्यम से निर्वाचक सूची में जुड़वाएं अपना नाम

अरवल। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, अरवल द्वारा जिले के सभी पात्र निर्वाचकों से अपील की जाती है कि जिन पात्र नागरिकों का नाम अब तक निर्वाचक सूची में शामिल नहीं है, वे अपना नाम निर्वाचक सूची में शामिल कराने हेतु फॉर्म-6 के माध्यम से आवेदन अवश्य करें। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में वैसे राज्यों में, जहाँ विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है, वहाँ निर्वाचक सूची में नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 के साथ अलग से घोषणा-पत्र देने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। अतः पात्र नागरिक अपना नाम निर्वाचक सूची में शामिल कराने हेतु निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार फॉर्म-6 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, अरवल द्वारा विशेष रूप से छूटे हुए पात्र निर्वाचकों एवं नए निर्वाचकों से अपील की गई है कि वे अभियान का लाभ उठाते हुए निर्वाचक सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं।

पितृपक्ष मेले में पिंडदानियों की सेवा में जुटा इनर व्हील क्लब ऑफ गया

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। पितृपक्ष मेला के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ गया द्वारा गांधी मैदान में ठहरे पिंडदानियों के बीच जरूरत की सामग्री वितरित की गई है। यह सेवा कार्य क्लब की अध्यक्ष आभा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है। क्लब की ओर से इनर व्हील के लोगो वाले विशेष थैलों में सेब, केला, छाछ, लस्सी, पेड़ा एवं तौलिया सहित अन्य आवश्यक सामग्री के पैकेट तैयार कर पिंडदानियों के बीच वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य पितृपक्ष मेले में दूर-दराज से आए यात्रियों को आवश्यक सहयोग एवं सुविधा उपलब्ध कराना था। इस अवसर पर क्लब की सचिव राखी भदानी, उपाध्यक्ष डॉ. मंजू सिन्हा, पीडीसी अंजना पोद्दार, पीडीसी ऋतु डालमिया, पीपी अंजना मित्तल, पीपी विंमी लोहानी, पीपी तृप्ति गुप्ता, समीक्षा गौतम, लीना गुप्ता, नीति भदानी, स्मिता पोद्दार एवं क्लब एडिटर डॉली सिंह उपस्थित रहीं हैं। क्लब की सदस्यों ने पिंडदानियों के बीच सामग्री वितरित कर सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया है।

मिथिला भाषा को जन-जन तक पहुंचाना लक्ष्य : रहमानी

- चेतना समिति का जागरण रथ पहुँचा सुपौल

प्रात: किरण संवाददाता

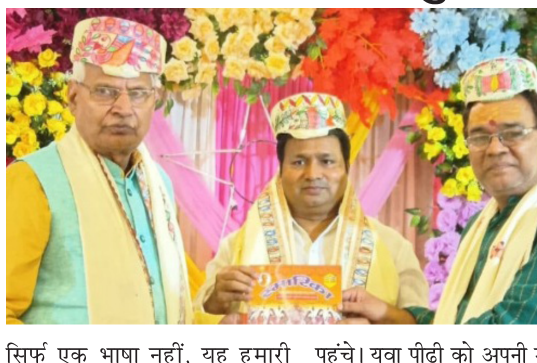

सुपौल। जनगणना में मातृभाषा मैथिली को अधिकाधिक संख्या में शामिल करने हेतु चेतना समिति, पटना की ओर से चेतना जागरण यात्रा के तहत सुपौल के एक निजी होटल के सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते सुपौल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह कांग्रेस नेता मिन्नत रहमानी ने कहा कि मिथिला की भाषा, संस्कृति और संस्कार ही हमारी पहचान है। उन्होंने कहा, मैथिली सिर्फ एक भाषा नहीं, यह हमारी आत्मा है। चेतना समिति का संकल्प है कि सुपौल के हर प्रखंड, पंचायत और गांव में चेतना जागरण का संदेश पहुंचे। युवा पीढ़ी को अपनी मातृभाषा से जोड़ना आज सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि मिथिला क्षेत्र में रहने वाले सभी जाति-धर्म के लोगों की भाषा मैथिली ही है। जनगणना में सभी लोग अपनी मातृभाषा मैथिली ही लिखें, इसके लिए घर-घर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। रहमानी ने कहा कि मिथिला के विकास के लिए भाषा-चेतना बेहद जरूरी है और जिस तरह से चेतना समिति अपने अभियान को आगे बढ़ाने के लिए सुपौल को चुना है हम सभी लोग मिलकर एक जुटता के साथ चेतना समिति के अभियान को सुपौल के गाँव गांव तक पहुँचाएँगे। चेतना समिति के अध्यक्ष विवेकानंद झा ने कहा कि आने वाले दिनों में सुपौल में जनजागरण अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भाषा संवाद का आयोजन किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत देव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, देव में ह्यसेवा संकल्प अभियानह्व के तहत आज स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों एवं लाभार्थियों ने भाग लिया और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर औरंगाबाद सदर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने शिविर में पहुंचकर लाभार्थियों को स्वास्थ्य किट एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं की जानकारी ली तथा स्वास्थ्यकर्मियों से मरीजों एवं लाभार्थियों को दी जा रही सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को आमजन तक सुगम और प्रभावी तरीके से पहुंचाना जनहित की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य है। समाज के जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऐसे सेवा कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन किया जाना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सेवा और सहयोग पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। स्वस्थ समाज के निर्माण तथा जनकल्याण के लिए ऐसे प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

औरंगाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स की मासिक बैठक सम्पन्न

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स की मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें चैंबर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में आगामी पर्व-त्योहारों, विशेषकर दुर्गा पूजा, दीपावली एवं लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर शहर के व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं, बाजार की व्यवस्था एवं व्यापारिक गतिविधियों को सुचारू बनाने के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों एवं व्यापारियों से आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान होने वाली समस्याओं को लेकर सुझाव आमंत्रित किए गए। इस दौरान बाजार में यातायात एवं पार्किंग की व्यवस्था, सुरक्षा, अतिक्रमण, साफ-सफाई, बिजली आपूर्ति तथा त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को व्यवस्थित करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। चैंबर का उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं को एकत्रित कर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाना तथा उनके समाधान की दिशा में सार्थक पहल करना है। बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय 14 अक्टूबर को आयोजित होने वाला ह्यऔरंगाबाद डांडिया नाइटसह्व भी रहा। औरंगाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं सीतीयोग इन्वर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाने के लिए विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम की तैयारियों, आयोजन की रूपरेखा एवं सदस्यों की सहभागिता को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। इस आयोजन का उद्देश्य शहर में सांस्कृतिक उत्साह, सामाजिक समरसता एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है। बैठक में चैंबर की आगामी कार्ययोजनाओं, व्यापारियों की एकजुटता तथा औरंगाबाद के आर्थिक एवं सामाजिक विकास से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। चैंबर के चेयरमैन मुकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्वों के दौरान व्यापारिक गतिविधियां काफी बढ़ जाती हैं।

दशम युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

सासाराम। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली एवं गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दशम युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के देव मंगल सभागार में भव्य शुभारंभ हुआ। संगोष्ठी का मुख्य विषय इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा है। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता गोपाल नारायण सिंह, कुलाधिपति, गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार ने की। कार्यक्रम में डॉ. बालमुकुंद पांडे, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संजय सिंह टाइगर, उच्च शिक्षा एवं विधि मंत्री, बिहार सरकार, विशिष्ट अतिथि के रूप में मिथिलेश तिवारी, शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार, औरंगाबाद के विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह, प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, डॉ. विकास कुमार सिंह, युवा प्रमुख, इतिहास संकलन योजना तथा प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय गया सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि से हुआ। इसके पश्चात संकल्प मंत्र एवं स्वागत भाषण संगोष्ठी के समन्वयक डॉ. राम प्रकाश शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात डॉ. विकास कुमार सिंह द्वारा विषय प्रवर्तन किया गया। डॉ. बालमुकुंद पांडे ने बीज वक्तव्य प्रदान करते हुए भारतीय इतिहास-दृष्टि, भारतीय इतिहास लेखन की परंपरा तथा इतिहास को भारतीय दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। इसके बाद उच्च शिक्षा मंत्री संजय टाइगर ने इतिहास लेखन में भारतीय प्राविधियों के इस्तेमाल पर जोर दिया। विशिष्ट उद्बोधन प्रदान करते हुए शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने आह्वान किया कि नई शिक्षा में भारत की बात और भाव सर्वोपरि होना चाहिए। सारस्वत उद्बोधन देते हुए इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने अपने सारस्वत उद्बोधन में औपनिवेशिक बेड़ियों से मुक्ति का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से हिस्टोरियोग्राफी को भारत विद्या कहे जाने का आग्रह किया। अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के संस्थापक गोपाल नारायण सिंह ने रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों से भारतीय इतिहास को सीख लेने का आग्रह किया।

एथलेटिक्स में शानदार मुकाबले, वॉलीबॉल में विजेता टीमों का निर्धारण
तकनीकी टीम के बेहतर समन्वय से प्रतियोगिताओं का सफल संचालन

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी, खेल विभाग, बिहार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के वार्षिक खेल कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन, शुक्रवार को भी जिले के विभिन्न खेल मैदानों पर खिलाड़ियों का उत्साह और खेल प्रतिभा देखने को मिली। पहले दिन गांधी मैदान से शुरू हुए खेल महोत्सव का रोमांच दूसरे दिन एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, बैडमिंटन सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं में जारी रहा। जिला खेल पदाधिकारी विकास कुमार के नेतृत्व में सभी शारीरिक शिक्षा शिक्षक, संबंधित खेल संघ और तकनीकी पदाधिकारी आपसी समन्वय से प्रतियोगिता का संचालन कर रहे हैं। विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

तकनीकी पदाधिकारियों, खेल शिक्षकों, निर्णायकों एवं संबंधित खेल संघों के समन्वय से स्पर्धाओं का संचालन निर्धारित नियमों के अनुरूप कराया गया। एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन एथलेटिक्स का 100 मीटर बालक वर्ग में अमित कुमार ने प्रथम, अतुल कुमार ने द्वितीय तथा सेवल राजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर में मनीष कुमार प्रथम, रोहित कुमार द्वितीय और करण कुमार तृतीय रहे। 400 मीटर में अतुल कुमार प्रथम, तनिश कुमार द्वितीय तथा दानिश हाशमी तृतीय रहे। 800 मीटर में पवन कुमार प्रथम, लक्ष्मी राम द्वितीय और अमन कुमार तृतीय स्थान पर रहे। 1500 मीटर में अतुल कुमार प्रथम, शेख इरफान द्वितीय तथा राहुल कुमार तृतीय रहे। 3000 मीटर में अतुल कुमार ने प्रथम, आलोक कुमार ने द्वितीय तथा रोशन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फील्ड इवेंट में गोला प्रक्षेपण में राजीव कुमार प्रथम, इकरामुल हक द्वितीय और तौसीफ राजा तृतीय रहे। चक्र प्रक्षेपण में राजीव कुमार प्रथम, असित कुमार द्वितीय तथा इकरामुल हक तृतीय स्थान पर रहे। भाला प्रक्षेपण में करण कुमार प्रथम, तौफीक राजा द्वितीय तथा मयंक कुमार तृतीय रहे। लंबी कूद में छोटू कुमार प्रथम, नीरज कुमार द्वितीय तथा इस्लाम आलम तृतीय रहे। ऊंची कूद में नीरज कुमार प्रथम, निशांत राज द्वितीय तथा अभिषेक कुमार तृतीय रहे। 4x100 मीटर रिले में केसरिया स्कूल ने प्रथम, हाई स्कूल तेनुआ ने द्वितीय तथा हरपुर आदमपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वॉलीबॉल में विजेता टीमों का हुआ निर्धारण वॉलीबॉल प्रतियोगिता के अंडर-14 बालक वर्ग में विद्यापीठ पब्लिक स्कूल, पदम खेर विजेता तथा कैम्ब्रिज पब्लिक स्कूल, मोतिहारी उपविजेता रहा। अंडर-17 बालक वर्ग में जीवन इंटरनेशनल स्कूल, मोतिहारी विजेता तथा राइजिंग स्टार स्कूल, मोतिहारी उपविजेता रहा। अंडर-19 बालक वर्ग में रोशनी पब्लिक स्कूल, तुरकौलिया विजेता तथा जीवन इंटरनेशनल स्कूल, मोतिहारी उपविजेता रहा। बालिका वर्ग के अंडर-14 में राइजिंग स्टार स्कूल, मोतिहारी विजेता रहा। अंडर-17 बालिका वर्ग में कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल, मोतिहारी को वॉकओवर मिलने के बाद फाइनल में प्रवेश मिला। वॉलीबॉल प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में जिला सचिव सह संयोजक, वॉलीबॉल, सचिन कुमार के साथ विजय शंकर राय, पिंकू सिंह, विकास कुमार एवं अनमोल ने तकनीकी पदाधिकारी के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बाढ़ के बाद संक्रमण से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए दिशा-निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बाढ़ का पानी उतरने के बाद संक्रमण और दूषित पानी से होने वाली बीमारियों के खतरे को देखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनाटांड़, बगहा-02 अस्पताल प्रशासन की ओर से लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलंत चिकित्सा दल के साथ जनजागरूकता के लिए माइकिंग भी शुरू कराई गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों से पीने के पानी को उबालकर या सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने, भोजन को ढककर रखने तथा खाने से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोने की अपील की गई है। लोगों को बाढ़ के पानी में नहीं जाने और बच्चों को भी दूषित पानी से दूर रखने की सलाह दी गई है। जारी जागरूकता संदेश में बाढ़ के बाद खुले में रखे या संदिग्ध भोजन का सेवन नहीं करने, मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करने तथा घर और आसपास की साफ-सफाई रखने पर जोर दिया गया है। जलजमाव वाले स्थानों की सफाई करने और मच्छरों के प्रजनन को रोकने की भी अपील की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने दस्त, उल्टी या डिहाइड्रेशन के लक्षण दिखाई देने पर ओआरएस का घोल देने और तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी है। सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय तुरंत अस्पताल पहुंचने को कहा गया है। साथ ही नियमित टीकाकरण से वंचित बच्चों को टीकाकरण अभियान से जोड़ने की अपील की गई है। बाढ़ के बाद कचरा और मृत पशुओं के शवों का सुरक्षित तरीके से निस्तारण करने तथा आसपास स्वच्छता बनाए रखने की भी सलाह दी गई है। किसी भी आपात स्थिति में 102 एंबुलेंस सेवा से संपर्क करने की जानकारी लोगों को दी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

सेवा ज्योति यात्रा को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न

सुगौली। सेवा संकल्प अभियान के तहत आगामी 7 अक्टूबर को मोतिहारी में आयोजित होने वाली सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शनिवार को सुगौली में भाजपा की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ने की। इसमें सांसद डॉ. संजय जायसवाल एवं विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता की उपस्थिति रही। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, कार्यकर्ताओं की सहभागिता तथा यात्रा को सफल बनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान भाजपा जिला पदाधिकारी, पांचों मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता रामगोपाल खंडेलवाल, संजय संजू सभी मंडल महामंत्री एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं से सेवा ज्योति यात्रा में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

जनता दरबार में 08 भूमि विवादों का मौके पर निष्पादन

सीवान/ दरौंदा अंचल कार्यालय में शनिवार को भूमि विवादों के त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण को लेकर जनता दरबार लगाया गया। इसमें भूमि विवाद से संबंधित 11 फरियादियों ने अपनी शिकायतें रखीं। सीओ वेद प्रकाश नारायण एवं थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह की मौजूदगी में सभी मामलों की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान 08 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। वहीं, 03 मामलों में आवश्यक दस्तावेज एवं तथ्यों की जांच के लिए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया गया। जांच पूरी होने तक इन मामलों को लंबित रखा गया है। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर पारदर्शी तरीके से विवादों के समाधान का प्रयास किया। सीओ वेद प्रकाश नारायण एवं थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य भूमि विवादों का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करना है। मौके पर राजस्व कर्मचारी, डीईओ ब्रजेश राज सहित अन्य लोग मौजूद थे।

महुआरी में विशेष ग्रामसभा विकास कार्यों पर हुई चर्चा

सीवान/महाराजगंज ग्राम पंचायत राज देवरिया बिशुनपुर महुआरी में शनिवार को विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया गया। ग्रामसभा में पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता, आवास, रोजगार सहित विभिन्न विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई। ग्रामसभा में स्वच्छता अधिनियम 2026, जी-राम जी, आवास योजना, जीविका कार्य, सोलर लाइट, सड़क निर्माण सहित अन्य विकास योजनाओं के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी दी गई। साथ ही पंचायत में संचालित एवं प्रस्तावित कार्यों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। मौके पर मुखिया आलोक कुमार सिंह, पंचायत सचिव प्रभास कुमार, स्वच्छता पर्यवेक्षक नितेश कुमार पांडेय, कार्यपालक सहायक संतोष कुमार यादव, विकास मित्र बेबी देवी, रोजगार सेवक अखिलेश साह, आवास सहायक अरविंद तिवारी, जीविका दीदी, वार्ड सदस्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

दो दिनों में दो नाबालिग लड़कियां लापता, नौ लोगों पर प्राथमिकी

मैनाटांड। इनरवा थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों से दो दिनों के भीतर दो नाबालिग लड़कियों के लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों मामलों में परिजनों ने बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन दिया है। पुलिस ने दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर नाबालिगों की बरामदगी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष के अनुसार, गुरुवार को एक नाबालिग लड़की के पिता ने आवेदन देकर खमिया निवासी अमर प्रसाद कुशवाहा, संदेश कुशवाहा, पप्पू कुशवाहा और इंद्रजीत कुशवाहा पर उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया। परिजनों के अनुसार, लड़की के लापता होने के बाद उसकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। वहीं, शुक्रवार को दूसरी नाबालिग लड़की के पिता ने थाना में आवेदन देकर इनरवा गांव निवासी चंदन कुमार, मनोज कुमार कुशवाहा, संजू देवी और यमुना महतो समेत अन्य लोगों पर उनकी बेटी को ले जाने का आरोप लगाया। इस मामले में भी पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों घटनाओं को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं और प्रेम प्रसंग की बात भी सामने आ रही है। हालांकि, पुलिस ने इस संबंध में जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। नाबालिग लड़कियों की बरामदगी के लिए पुलिस टीम कार्रवाई कर रही है और जल्द ही दोनों को बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट ने नौतन के बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाई राहत सामग्री, पानी में उतरकर सेवादारों ने बांटा राशन

बेतिया/नौतनः प्रखंड क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ से त्रस्त जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए सामाजिक संस्था रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट आगे आई है। ट्रस्ट की टीम ने नौतन के जलमग्न और सुदूर बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचकर सैकड़ों पीड़ित परिवारों के बीच आवश्यक खाद्य एवं राहत सामग्री का वितरण किया। बाढ़ के कारण कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह कट चुका था और चारों ओर कई फीट पानी भरा हुआ था। ऐसे कठिन हालात में भी रोटी बैंक के स्वयंसेवकों ने अदम्य साहस का परिचय दिया और कमर भर पानी को पार करते हुए सीधे पीड़ितों तक पहुंचे। संस्था की ओर से बाढ़ पीड़ितों के बीच तैयार भोजन के पैकेट, चूड़ा-मीठा, सत्तू, ब्रेड, बिस्कुट, मोमबत्तियां एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बांटी गई। ट्रस्ट के संस्थापक संजू गिरी ने बताया कि बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए हमने समर्थकों व नगरवासियों से राहत सामग्री जुटाने की अपील की थी। आम नागरिकों और दानदाताओं के त्वरित सहयोग से सामग्री एकत्र कर बिना समय गंवाए प्रभावित क्षेत्र में पहुंचाई गई। संस्था ने इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं, शुभचिंतकों एवं जान जोखिम में डालकर राहत पहुंचाने वाले समर्पित सेवादारों का आभार प्रकट किया।

ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में हथियार लहराकर फायरिंग का दावा, वीडियो वायरल

सीवान/दरौंदा। थाना क्षेत्र के भिखाबांध गांव के साइ टोला में आयोजित ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम के दौरान एक युवक द्वारा हथियार लहराकर कथित तौर पर हर्ष फायरिंग किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। हालांकि, वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे हथियार और फायरिंग की घटना की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि करीब चार दिन पूर्व किसी घर पर आयोजित कार्यक्रम में ऑर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो मोबाइल फोन से रिकॉर्ड कर लिया। बाद में वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट होने के बाद तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में मंच पर कलाकारों को नृत्य करते देखा जा रहा है। इसी बीच एक युवक मंच पर पहुंचता है और कमर से हथियार जैसा दिखाई देने वाला सामान निकालकर हवा में फायरिंग करता नजर आ रहा है। युवक की पहचान को लेकर भी चर्चा वायरल वीडियो को लेकर एक युवक का नाम अहमद बताया जा रहा है और दावा किया जा रहा है कि वह भिखाबांध के साइ टोला का निवासी है। हालांकि, युवक की पहचान और वीडियो में उसकी संलिप्तता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसडीपीओ बोले- वीडियो की कराई जा रही जांच मामले में महाराजगंज के एसडीपीओ अमन ने बताया कि वायरल वीडियो पुलिस को प्राप्त हुआ है। वीडियो की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद वीडियो में दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान और घटना की वास्तविकता सामने आने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक कार्यक्रम में हथियार का प्रदर्शन और कथित हर्ष फायरिंग गंभीर मामला है। लोगों ने पुलिस से वीडियो की बारीकी से जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है।

कृषि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली। शनिवार को प्रखंड कृषि कार्यालय में कृषि विभाग के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, किसान सलाहकार, प्रखंड के सभी मुखिया एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद डॉ. संजय जायसवाल एवं स्थानीय विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलु गुप्ता शामिल हुए। बैठक में क्षेत्र में कृषि से जुड़े विभिन्न विषयों, किसानों की समस्याओं तथा सरकार द्वारा संचालित कृषि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों एवं किसान सलाहकारों से किसानों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने की जानकारी ली। साथ ही किसानों को कृषि संबंधी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सांसद एवं विधायक ने कहा कि किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र का विकास प्राथमिकता है। योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए।

दहेज हत्या मामले में पिता-पुत्र को सजा, पति को 10 और ससुर को 3 वर्ष कारावास

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा व्यवहार न्यायालय के एडीजे-4 मानवेंद्र मिश्रा की अदालत ने विवाहिता पिंकी देवी की मौत से जुड़े दहेज प्रताड़ना मामले में दोषसिद्ध पिता-पुत्र को सजा सुनाई है। अदालत ने मृतका के पति राहुल कुमार यादव को 10 वर्ष सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड, जबकि ससुर कृष्णा यादव को तीन वर्ष कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर दोनों को छह-छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इससे दो दिन पूर्व अदालत ने राहुल यादव और कृष्णा यादव को विवाहिता को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दोषसिद्ध किया था। वहीं, मामले में आरोपित गम्हा यादव को साक्ष्यों के आधार पर दोषमुक्त कर दिया गया। मामला लौकरिया थाना कांड संख्या 61/2025 से जुड़ा है। अभियोजन के अनुसार, पिपराडीह निवासी राजदेव यादव ने अपनी पुत्री पिंकी देवी की शादी 26 फरवरी 2024 को जरार निवासी कृष्णा यादव के पुत्र राहुल कुमार यादव से की थी। आरोप था कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज की मांग को लेकर पिंकी को प्रताड़ित किया जाता था। चार लाख रुपये और वाहन की मांग किए जाने का भी आरोप लगाया गया था। लाराजदेव यादव ने 27 मई 2025 को लौकरिया थाने में आवेदन देकर बताया था कि सुबह करीब नौ बजे उन्हें पुत्री की मौत की सूचना मिली। इसके बाद जरार स्थित ससुराल पहुंचने पर पिंकी देवी मृत अवस्था में मिली। आवेदन में पति राहुल यादव, ससुर कृष्णा यादव, सास पार्वती देवी, ननद सीता कुमारी, आरती कुमारी और गम्हा यादव पर दहेज को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया गया।

दुर्गा पूजा को लेकर अग्निशमन विभाग अलर्ट, पूजा समितियों के साथ बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण। आज दिनांक 03 अक्टूबर 2025 को जिला अग्निशमन कार्यालय, मोतिहारी में जिला अग्निशमन पदाधिकारी, मोतिहारी के अध्यक्षता में जिले के सभी दुर्गा पूजा समितियों के अध्यक्षों के साथ अग्नि सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला अग्निशमन पदाधिकारी मो० आरिफुज्जमा द्वारा सभी पूजा समितियों को अग्नि सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की गई। उन्होंने बताया कि त्यौहार के दौरान भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर अग्नि दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बड़े पूजा पंडालों के लिए फायर ठडउ (अनापत्ति प्रमाण पत्र) लेना अनिवार्य है। बिना ठडउ के पंडाल का निर्माण नहीं किया जाए। ठडउ के लिए ऑनलाइन आवेदन बिहार अग्निशमन सेवा के पोर्टल पर किया जा सकता है। अंत में सभी पूजा समिति के अध्यक्षों ने अग्निशमन विभाग के द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया।

बैठक में दिए गए मुख्य दिशा-निर्देशः

1. पंडाल में प्रवेश और निकास के लिए कम से कम दो अलग-अलग और चौड़े रास्ते होने चाहिए।
2. पंडाल के अंदर बिजली के तारों को व्यवस्थित रखें और ओवरलोडिंग से बचें।
3. पंडाल के अंदर ज्वलनशील सामग्री जैसे प्लास्टिक, कपड़ा, थमाकोल का उपयोग कम से कम करें।
4. प्रत्येक पंडाल में 2 से 4 अग्निशमन यंत्र (ऋ१ी ए७३ल्लॅ४रॆ१) एवं बालू से भरी बाल्टियाँ अनिवार्य रूप से रखें।
5. किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अग्निशमन नियंत्रण कक्ष के नंबर 101 पर संपर्क करें।

पंचायत सचिव गोपेश कुमार को सम्मान के साथ दी गई विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड़। प्रखंड क्षेत्र के इनरवा पंचायत में पंचायत सचिव गोपेश कुमार का विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मान के साथ विदाई दी गई। समारोह में पंचायत प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों ने शामिल होकर उनके कार्यकाल को याद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुखिया रामदेव भगत और पंचायत समिति प्रतिनिधि अमरेश कुमार गिरी एवं उपमुखिया आनंद मिश्रा ने कहा कि पंचायत सचिव गोपेश कुमार ने अपने कार्यकाल के दौरान पंचायत के विकास कार्यों एवं आम लोगों से जुड़े कार्यों के निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उनके साथ काम करने का अनुभव अच्छा रहा और उनकी कार्यशैली को पंचायत के लोग लंबे समय तक याद रखेंगे। समारोह के दौरान उपस्थित वार्ड सदस्य रहीस मियां, ओमप्रकाश शर्मा, मुनेश्वर चौरसिया, मुना राम , कासिम मियां, आसिक मियां , असरफ अली , कृष्णा यादव , जफरुल मियां, सुकुल साह, पारस राम , स्वच्छता प्रवेक्षक सुनीला कुमार गिरी आदि लोगों ने पंचायत सचिव गोपेश कुमार को पुष्पमाला एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। विदाई के दौरान कई लोग भावुक नजर आए। लोगों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, पंचायत सचिव गोपेश कुमार ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों, कर्मियों एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग और स्नेह को वह हमेशा याद रखेंगे।

दो दिवसीय सुगौली महोत्सव सह प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आगाज,खेल मैदान में बच्चों ने दिखाया दमखम

सुगौली उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुगौली लेन हिंदी के मैदान में शनिवार को दो दिवसीय सुगौली महोत्सव सह प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य शुभारंभ हुआ ।कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर खेलकूद प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया ।इसके बाद मैदान में खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिला ।बच्चों ने अपनी प्रतिभा,मेहनत और खेल कौशल का प्रदर्शन कर उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया ।प्रतियोगिता के दौरान 100 मीटर बालिका दौड़ में मुस्कान खातून ने प्रथम,जास्मीन ने द्वितीय और संजना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।वहीं 100 मीटर बालक दौड़ में आनंद कुमार प्रथम,नवीन कुमार द्वितीय और शिवम कुमार तृतीय स्थान पर रहे ।200 मीटर दौड़ में सुबास कुमार ने प्रथम,आरिफ आलम ने द्वितीय और जमाल ने तृतीय स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ में रूबी कुमारी प्रथम,निकहत खातून द्वितीय और तराना खातून तृतीय स्थान पर रहीं ।कबड्डी प्रतियोगिता में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया ।जूनियर वर्ग में सुगौली लेन हिंदी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया,जबकि दृष्टि गुरुकुल स्कूल की टीम उपविजेता रही ।वहीं सीनियर वर्ग में आर.एस.एस. की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया और द रेडियंट पब्लिक स्कूल की टीम दूसरे स्थान पर रही ।कार्यक्रम के आयोजक कुन्दन मिश्रा ने कहा कि सुगौली ऐतिहासिक महत्व की धरती है ।यहां के गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ।सुगौली महोत्सव भी इसी पहल का हिस्सा है,जिसके माध्यम से बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच उपलब्ध कराया जा रहा है ।कार्यक्रम के संरक्षक एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य छोटे-बड़े सभी प्रतिभागियों को एक मंच प्रदान करना है ।इससे बच्चों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने तथा आगे बढ़ने का अवसर मिलता है ।मुख्य अतिथि रुद्र सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर नितेश,शिक्षक मुन्ना गिरी और शिक्षक प्रभुनारायण प्रसाद ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा को सामने लाने के साथ उनमें खेल भावना,आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।दो दिवसीय महोत्सव के पहले दिन खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों का उत्साह देखने लायक रहा ।आयोजन के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने की पहल की गई।

रोटी-बेटी के रिश्ते को पर्यटन से जोड़ने की पहल, पोखरा और उत्तर-पूर्वी भारत के बीच बढ़ेगा पर्यटक आदान-प्रदान

बगहा। नेपाल और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे सामाजिक एवं सांस्कृतिक ह्यरोटी-बेटीह्न संबंधों को पर्यटन के माध्यम से और मजबूत करने की पहल शुरू हुई है। पोखरा के पर्यटन व्यवसायियों ने उत्तर-पूर्वी भारत के पर्यटन व्यवसायियों के साथ पर्यटक आदान-प्रदान और पर्यटन क्षेत्र में व्यावसायिक सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। शुक्रवार को पोखरा में उत्तर-पूर्वी भारतीय पर्यटन महासंघ (ठएक्ळ्उ) के 24 प्रतिनिधियों के साथ पोखरेली पर्यटन व्यवसायियों की बैठक हुई। बैठक में दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटन सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने पर भी चर्चा हुई। उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, गुवाहाटी, दार्जिलिंग और मणिपुर से आए टूर ऑपरेटर इसमें शामिल हुए। पोखरा पर्यटन परिषद के अध्यक्ष हरि भुजेल ने कहा कि पोखरा और उत्तर-पूर्वी भारत के बीच भौगोलिक एवं सांस्कृतिक समानताएं हैं। दोनों क्षेत्रों के धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़कर संयुक्त रूप से पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने उत्तर-पूर्वी भारत के शहरों को पोखरा से हवाई संपर्क से जोड़ने के लिए पहल करने की बात भी कही। इस पहल के तहत पर्यटक आदान-प्रदान, गंतव्य प्रचार, व्यावसायिक नेटवर्क और हवाई संपर्क विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। शनिवार को भी पोखरा में उत्तर-पूर्वी भारत और पोखरा के पर्यटन व्यवसायियों के बीच बीटूबी कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें पर्यटन व्यवसायिक संबंधों को विस्तार देने पर चर्चा हुई। नेपाल और भारत के बीच खुले सीमा क्षेत्र और मजबूत सामाजिक-सांस्कृतिक संपर्क पहले से ही दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तों का महत्वपूर्ण आधार रहे हैं।

महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर बच्चों ने लिया सत्य और अहिंसा का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड। महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल, सबेया-भंगहा में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रधानाध्यापक इंजीनियर अनिल कुमार गिरि ने दीप प्रज्वलित कर एवं केक काटकर की। इसके बाद महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रधानाध्यापक इंजीनियर अनिल कुमार गिरि ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और सादगी के मार्ग पर चलकर देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल नारे लगाने तक सीमित नहीं है। ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना, स्वच्छता बनाए रखना, बड़ों का सम्मान करना और जरूरतमंदों की सहायता करना भी सच्ची देशभक्ति है। उन्होंने बच्चों को सदैव सत्य बोलने, हिंसा से दूर रहने तथा आपसी भाईचारा और प्रेम बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के जीवन, उनके संघर्ष और विचारों से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाए गए। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को गांधीजी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया।

संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने रखा जीउतिया

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड़। प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को महिलाओं ने संतान की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना को लेकर श्रद्धापूर्वक जीउतिया व्रत रखा। इस दौरान व्रती महिलाओं ने पूरे दिन निर्जला उपवास रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की शाम के समय विभिन्न स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से भगवान जीमूतवाहन की पूजा की और जीउतिया व्रत की कथा सुनी। घरों में भी पर्व को लेकर विशेष तैयारियां की गई थीं। महिलाओं ने एक-दूसरे को जीउतिया पर्व की शुभकामनाएं दीं। पर्व को लेकर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सुबह से ही धार्मिक माहौल बना रहा। पूजा स्थलों पर महिलाओं की भीड़ देखी गई। व्रत को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह नजर आया। मान्यता है कि जीउतिया व्रत संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के लिए किया जाता है। यह व्रत कठिन उपवासों में माना जाता है। व्रती महिलाएं पूरे दिन निर्जला रहकर भगवान जीमूतवाहन की पूजा-अर्चना करती हैं। शनिवार को पारण के साथ महिलाओं का व्रत संपन्न होगा।

अब्दुल वहाब उर्फ छोटू बने रालोमो अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली, पू.चः नगर के स्टेशन रोड सिसवनिया टोला वार्ड नं 06 स्थित रालोमो अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अब्दुल वहाब उर्फ छोटू के निजी आवास पर देर रात को राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक आलोक कुमार सिंह एवं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जुल्फिकार आफताब का प्रदेश उपाध्यक्ष अब्दुल वहाब उर्फ छोटू, प्रदेश महासचिव मामून अली शेख सहित कार्यकर्ताओं ने फूल-माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पार्टी संगठन को मजबूत करने को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा राजनीतिक एवं सामाजिक सक्रियता तथा संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए अब्दुल वहाब उर्फ छोटू को राष्ट्रीय लोक मोर्चा, बिहार अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी मिलने से संगठन के कार्यकर्ताओं और विशेषकर युवाओं में उत्साह है। अब्दुल वहाब पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए। पार्टी की ओर से निर्धारित कार्यक्रमों और बैठकों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए संगठन के विस्तार में योगदान देने की अपील की। वहीं, प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने की खबर के बाद अब्दुल वहाब को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। कार्यकर्ताओं ने नई जिम्मेदारी के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं और संगठन के हित में सक्रियता से कार्य करने की बात कही। मौके पर प्रदेश महासचिव मामून अली शेख,अब्दुल्ला मलिक,इंजिनियर मो. जियाउल हक, इंजिनियर मो. आफताब,इरशाद आलम, कमरुल होदा, मो. इम्तियाज,एजाज मलिक,वसीम आलम,फैयाज आलम,साहिल सैफी,मो. शोबराती,फैयाज,डॉ अमनूल्लाह,डॉ इमामूल हक,मुन्ना गिरी,अयूब हैदर,वंशीधर दुबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चलंत चिकित्सक दल ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर किया स्वास्थ्य परीक्षण

बगहा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनाटांड़, बगहा-2 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में चलंत चिकित्सक दल द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सीय उपचार का अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को आवश्यक चिकित्सीय सलाह देने के साथ स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के लिए प्रचार-प्रसार भी किया गया। चलंत चिकित्सा दल ने प्रभावित एवं जरूरतमंद क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच की तथा उनकी समस्याओं के अनुसार उपचार और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। साथ ही लोगों को बीमारियों से बचाव, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों से किसी भी तरह की स्वास्थ्य समस्या होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की। अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

हॉकी में ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री मोदी ने बधाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने यादगार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास उपलब्धि के लिए भारत की बेटियों की जमकर सराहना की है।

पीएम मोदी ने पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारतीय हॉकी के लिए एक बहुत ही खास पल। भारत के लोग महिला हॉकी टीम की सफलता का जश्न मना रहे हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में शानदार गोल्ड मेडल जीता है और वो भी चार दशकों से ज्यादा समय के बाद। यह बेहतरीन कौशल और टीमवर्क का नतीजा है। उनका जज्बा भी बहुत प्रेरणादायक है। टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। उम्मीद है कि यह सफलता देशभर में हॉकी की लोकप्रियता बढ़ाने में योगदान देगी।' केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी भारतीय महिला टीम को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'भारत के लिए गोल्ड की कामयाबी। 44 साल बाद भारतीय महिला हॉकी को गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई। हुनर, पक्के इरादे और टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन। बहुत बढ़िया, चैंपियंस। 'केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय महिला टीम के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक दिन। हमारी अद्भुत 'नारी शक्ति' ने एशिया को जीत लिया है।

अभिषेक शर्मा ने क्रिस गेल को पछाड़ा, 400 छक्कों का रिकार्ड

निशिन । भारत के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने शनिवार को करोगी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 28 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली और टीम का स्कोर 6 विकेट पर 211 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अभिषेक ने अपनी इस विस्फोटक पारी के दौरान कई उपलब्धियां हासिल कीं। अभिषेक ने अपनी 61 रन की पारी के दौरान 7 छक्के लगाए। पारी का दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक के टी20 क्रिकेट में 400 छक्के पूरे हो गए। शर्मा के अब कुल 405 छक्के

हो गए हैं। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। गेल ने 400 छक्के लगाने के लिए 3,557 गेंदें खेली थीं। अभिषेक ने 3,513 गेंदों में अपने 400 छक्के पूरे किए।टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के नाम है। रसेल ने 3,027 गेंदों पर 400 छक्के लगाए हैं।

दांतों में गोल्ड, चेहरे पर मुस्कान... सोना जीत बढ़ाई शान

पाकिस्तान को हराने के बाद टीम इंडिया का आइकॉनिक पोज

18 गेंद में चाहिए थे 52 रन, फिर आए बुमराह-शिवम

निशिन, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में एक और स्वर्ण आ गया है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण जीत लिया है। भारत ने एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के फाइनल में छह विकेट पर 211 रन बनाए थे। यह टी20 में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा टोटल था। भारत ने 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। 2012 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 192 रन बानए थे। भारत के लिए अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने अर्धशतक लगाए। अभिषेक ने 28 गेंद में तीन चौके और सात छक्के की मदद से 61 रन की पारी खेली। वहीं, तिलक ने 22 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। पाकिस्तान ने रजत जीता। वहीं, श्रीलंका ने सुबह बांग्लादेश को हराकर कांस्य पर कब्जा जमाया था।

सधी हुई रही भारत की शुरुआत, अभिषेक ने की छक्कों की बरसात

भारत की शुरुआत सधी हुई रही थी। वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक ने पहले विकेट के लिए 28 रन जोड़े। वैभव को सैम अयूब ने आउट किया। वैभव ने नौ गेंद में दो छक्के की मदद से 15 रन बनाए। वहीं, संजू सैमसन दो रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और अभिषेक ने पारी संभाली। दोनों ने 24 गेंद में 42 रन की साझेदारी की।अभिषेक ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 13वां अर्धशतक लगाया। इसके बाद वह आउट हो गए। फिर श्रेयस ने ईशान किशन के साथ चौथे विकेट के लिए 32 गेंद में 35 रन की साझेदारी की। पांच रन के अंतराल पर भारत ने इन दोनों के विकेट गंवा दिए। श्रेयस 24 गेंद में 21 रन और ईशान 18 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तो तिलक और दुबे की आंधी आई। तिलक और दुबे ने छठे विकेट के लिए 30 गेंद में 62 रन की साझेदारी निभाई। दुबे 15 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, तिलक ने 21 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। 20वें ओवर में भारत ने 16 रन बटोरे। इस तरह भारत ने छह विकेट पर 211 रन बनाए। अक्षर एक रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से अहमद दानियाल और अराफान मिनहास ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, सैम अयूब और अबरार अहमद को एक-एक विकेट मिला।

आखिरी ओवर का रोमांच

पाकिस्तान को छह गेंद में 33 रन की जरूरत थी। शिवम दुबे गेंदबाजी कर रहे थे और स्ट्राइक पर हसन नवाज थे। पहली गेंद पर चौका आया। फिर दुबे ने वाइड फेंकी। पाकिस्तान को पांच गेंद 28 रन चाहिए थे। दुबे ने दूसरी गेंद डॉट फेंकी। भारत ने मैच में पकड़ बना ली थी। तीसरी गेंद पर भी डॉट आया। नवाज ने रन नहीं लिया।चौथी गेंद पर नवाज ने छक्का लगाया। वह 94 पर पहुंच गए थे। पांचवीं गेंद पर हसन ने दो रन बनाए। आखिरी गेंद पर नवाज आउट हो गए। उनका शतक नहीं हो सका और पाकिस्तान टीम हार गई।

भारतीय टीम ने दूसरी बार जीता स्वर्ण

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीता है। पिछली बार 2023 हांगझोउ में भी ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में स्वर्ण जीता था। वहीं, क्रिकेट में भारत ने दोनों स्वर्ण अपने नाम किए। इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। महिला क्रिकेट टीम ने 2023 हांगझोउ में भी स्वर्ण जीता था।

पाकिस्तान की पारी

212 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही थी। उसने 39 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। अक्षर पटेल ने माज सदाकत (23 रन) और उस्मान खान (3 रन) को पवेलियन भेजा था। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर ने साहिबजादा फरहान (10) को आउट किया। इसके बाद हसन नवाज और सैम अयूब ने चौथे विकेट के लिए 48 गेंद में 87 रन की साझेदारी निभाई।

नई पीढ़ी को प्रेरित करने वाला रहेगा यह वर्ल्डकप

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप देश के क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा । उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया । दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ 50 ओवर के इस मेगा इवेंट को को-होस्ट करेगा । डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर फैनकोड की एक खास चैट में आईएएनएस से कहा, '2027 में वनडे वर्ल्ड कप 2003 के बाद पहली बार साउथ अफ्रीका वापस आ रहा है । 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया । इसका मुझ पर बहुत बड़ा असर पड़ा । मुझे साफ तौर पर याद है कि एक ऑस्ट्रेलियाई ने यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग क्लिनिक किया था । वहीं मैंने उस समय, 19 साल की उम्र में क्रिकेट खेला था । मैं एडम गिलक्रिस्ट को थोड़ा और बेहतर जान पाया । उन्होंने उस दिन मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया ।' उन्होंने कहा, 'उन्हें उस समय कोई आइडिया नहीं था कि मैं कौन हूं । मुझे उनके साथ एक बहुत अच्छा पल साफ तौर पर याद है ।

रेड बॉल क्रिकेट को चहल ने कहा अलविदा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कह दिया है । चहल अब कभी भी व्हाइट जर्सी में रेड बॉल क्रिकेट खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे । चहल ने इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने फैसले की जानकारी दी । चहल ने लिखा, 'मैंने जो पहली क्रिकेट बॉल पकड़ी थी, वह रेड बॉल थी । मैं 10 साल का था, और मुझे तब कोई अंदाजा नहीं था कि मुझे इस खेल से इतना प्यार हो जाएगा । मेरे लिए, रेड-बॉल क्रिकेट कभी भी सिर्फ एक और फॉर्मेट नहीं था । यहीं पर मैंने सब्र, कैरेक्टर, मजबूती और घंटों तक मैदान पर रहने, हर रन और हर विकेट के लिए लड़ने की असली खुशी का मतलब सीखा ।' उन्होंने लिखा, 'मैंने अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास मैच लॉर्ड्स में खेला । यह कहना भावुक करने वाला है क्योंकि टेस्ट कैप हमेशा एक सपना था, जिसे मैंने कई सालों तक अपने साथ रखा । हो सकता है कि यह न हुआ हो, लेकिन मैं अपने सफर से सच में खुश हूं और इस फॉर्मेट में मुझे मिले हर मौके के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं । रेड बॉल ने मुझे मेरी जिंदगी की कुछ सबसे खूबसूरत यादें दीं, और कोई भी चीज इसे कभी नहीं छीन सकती ।' चहल ने लिखा, 'मैं अभी खत्म नहीं हुआ हूं । अपने देश के लिए खेलने की भूख अभी भी जिंदा है ।

क्लोजिंग सेरेमनी में ध्वजवाहक होंगी नीरू ढांडा

नागोया। भारतीय शूटर नीरू ढांडा रविवार को नागोया (जापान) में आयोजित एशियन गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में राष्ट्रीय ध्वज लेकर चलेंगी। यह उनके लिए एक यादगार सफर रहा, जिसमें वह देश की बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरीं। 27 वर्षीय ट्रैप शूटर ने इन गेम्स में तीन मेडल (दो गोल्ड और एक सिल्वर) जीते। शूटिंग में भारत के शानदार प्रदर्शन में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। नीरू के मेडल जीतने का सिलसिला महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल के साथ शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ टीम बनाई थी। तीन दिन के क्वालिफिकेशन के बाद भारतीय तिकड़ी का कुल स्कोर 328 रहा। वे गोल्ड मेडल जीतने वाले चीन से पीछे रहीं, जबकि कुवैत ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके बाद नीरू ने व्यक्तिगत ट्रैप इवेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और इस खेल में एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। 118 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में टॉप करने के बाद उन्होंने फाइनल में 28 का स्कोर बनाकर एशियन रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने कायन चेनाई के साथ मिलकर ट्रैप-मिक्स्ड टीम इवेंट में भी गोल्ड मेडल जीता। मुश्किल शुरुआत के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की और आखिर में 34 हिट के साथ जीत हासिल की। उन्होंने 2026 में ही कतर द्वारा बनाए गए 33 हिट के पिछले एशियन रिकॉर्ड को तोड़ा।मिक्स्ड टीम की जीत ने नीरू के लिए दो दिनों के यादगार सफर को पूरा किया। व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीतने के 24 घंटे से भी कम समय में वह फिर से शूटिंग रेंज में लौटीं और एक बार फिर टॉप पर रहीं। तीन मेडल जीतने के कारण वह आइची-नागोया गेम्स में भारत की प्रमुख खिलाड़ियों में से एक बन गईं और उन्हें क्लोजिंग सेरेमनी में भारतीय दल का नेतृत्व करने का सम्मान मिलेगा।

नीरज ने धीरज को हराया, ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने शनिवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वेयर में पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल के लिए हुए मुकाबले में अपने ही देश के धीरज बोम्मादेवरा को हराया। पांच सेट तक चले मुकाबले में नीरज ने धीरज को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। दोनों तीरंदाज अपने-अपने सेमीफाइनल मैच हारने के बाद इस मुकाबले में उतरे थे। नीरज को सेमीफाइनल में जापान के जुन्या नाकानिशी से 1-7 से हार मिली थी, जबकि धीरज को अंतिम चार में साउथ कोरिया के ली वू-सेओक से हार का सामना करना पड़ा था। ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में नीरज ने पहला सेट 29-26 के स्कोर से जीता, जबकि दूसरा सेट 27-28 से और तीसरा सेट भी 28-29 से हार गए। धीरज 4-2 से आगे थे और उन्हें सिर्फ एक सेट जीतने की जरूरत थी, लेकिन नीरज ने चौथा सेट शानदार तरीके से खेला और तीन बार 10 का स्कोर करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया।

धीरज ने आखिरी सेट की शुरुआत 8 के स्कोर के साथ की, जबकि नीरज ने 10 का स्कोर किया। धीरज ने सुधार करते हुए दो बार 10 का स्कोर किया और आखिरी सेट में कुल 28 प्वाइंट बनाए। नीरज को ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए 19 अंकों की जरूरत थी। उन्होंने अपने आखिरी दो तीरों पर 9 और 10 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। दोनों तीरंदाजों ने इससे पहले मिक्स्ड और टीम इवेंट में मेडल जीते थे। धीरज ने मिक्स्ड इवेंट के फाइनल में कुमकुम मोहोद के साथ सिल्वर मेडल जीता था, जहां उन्हें गोल्ड मेडल के मुकाबले में चीन से हार मिली थी। इसके अलावा, धीरज ने नीरज और यशदीप भोग के साथ टीम सिल्वर मेडल भी जीता था। फाइनल में उन्हें साउथ कोरिया से हार का सामना करना पड़ा और वे गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए। इन खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। कुमकुम मोहोद ने एशियन गेम्स में इतिहास रचा। उन्होंने साउथ कोरिया की ओह येजिन को हराकर व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने का कारनामा किया।

ताइक्वांडो टीम का पदक जीतने का सपना रह गया अधूरा

तोयोहाशी । भारत का एक और एशियन गेम्स ताइक्वांडो अभियान बिना किसी पदक के समाप्त हो गया । देश की तीन सदस्यीय महिला टीम आइची-नागोया 2026 से खाली हाथ लौटी । यह प्रतियोगिता शनिवार को जापान के तोयोहाशी जिमनैजियम में खत्म हो जाएगी । कशिश मलिक, ज्योति यादव और रूपा बेयोर चार मेडल इवेंट्स में भारत की तरफ से उतरी थीं, लेकिन किसी भी इवेंट में इनमें से कोई भी एथलीट पोडियम फिनिश नहीं कर सकी । भारत का आखिरी एशियन गेम्स ताइक्वांडो मेडल 2002 में बुसान में सुरेंद्र भंडारी ने जीता था । सुरेंद्र ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था । कशिश ने गेम्स में भारत को सबसे ज्यादा जीत दिलाई और मिक्स्ड इंडिविजुअल वर्चुअल ताइक्वांडो इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची, जो आइची-नागोया में एशियन गेम्स में डेब्यू कर रहा था । उन्होंने हांगकांग, चीन की सियू वाई लैम पर 2-0 की जीत के साथ शुरुआत की और दोनों राउंड 800-500 और 400-0 से जीते ।

एमएसपी निर्धारण में पारदर्शिता की मांग: किसानों ने कहा, सरकार सार्वजनिक करे लागत और महंगाई का डेटा

नई दिल्ली, एजेंसी। किसान संगठनों ने केंद्र के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने के फैसले पर नाराजगी जताई है. वह इसलिए क्योंकि यह मौजूदा उत्पादन लागत में बढ़ोतरी से मेल नहीं खाता है. साथ ही सरकार ने 2027-28 सीजन के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में सिर्फ 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की है, जिससे यह 2,585 रुपये से बढ़कर 2610 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है.

सरकार ने कहा कि बदले हुए एमएसपी का मकसद किसानों को अच्छा रिटर्न देना है. हालांकि किसानों के प्रतिनिधियों ने सवाल उठाया है कि क्या यह बढ़ोतरी खेती की बढ़ती लागत को ठीक से दिखाती है. किसान नेताओं ने मांग की है कि सरकार को हर फसल के लिए एमएसपी तय करते समय लागत और महंगाई से जुड़े डेटा जारी करने चाहिए. उनका तर्क है कि इनपुट लागत (कुल खर्च होने वाली धन राशि) काफी बढ़ गई है.

इन चिंताओं की ओर इशारा करते हुए, भारतीय किसान यूनियन (अपॉलिटिकल) के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने ईटीवी भारत को बताया, 'एमएसपी की घोषणा के साथ-साथ, सरकार को किसानों के खेती के खर्च और महंगाई में बढ़ोतरी का डेटा भी जारी करना चाहिए. '

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण किसानों को लगभग डेढ़ गुना अधिक कीमत पर हर्बिसाइड और पेस्टिसाइड खरीदने पड़ रहे हैं. इसी तरह डीजल की कीमतें भी बढ़ी हैं. जबकि सल्फर और अन्य पोषक तत्वों की कीमतों में काफी वृद्धि दर्ज की गई है. हालांकि सरकार

ने गेहूं के एमएसपी में केवल 25 रुपये की वृद्धि की है, जिससे यह 2610 रुपये प्रति क्विंटल तय हो गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि गेहूं के एमएसपी में 0.96 प्रतिशत की बढ़ोतरी धोखा है.

मलिक ने कहा कि सरकार की किसान विरोधी नीतियों की वजह से किसानों का कर्ज लगातार बढ़ रहा है. किसान यह भी जानना चाहते हैं कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना और पंतनगर ने गेहूं की पैदावार की क्या लागत निकाली है. यह जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए. संयुक्त किसान मोर्चा समन्वय समिति के सदस्य पी कृष्ण प्रसाद ने ईटीवी भारत को बताया, 'कमीशन सी2 लागत का निजी तौर पर मूल्यांकन करता है ताकि यह पक्का हो सके कि सुझाई गई एमएसपी कम से कम बड़े उत्पादन वाले राज्यों में पूरी अवसर लागतों को कवर करे. क्योंकि सरकार सी2 पर 50 प्रतिशत प्रॉफिट मार्जिन की गारंटी नहीं देती है (जो स्वामीनाथन कमीशन फॉर्मूला की मांग कर रहे किसान यूनियनों के साथ विवाद का एक मुख्य मुद्दा बना हुआ है), सी2 डेटा को 'मुख्य कार्यकारी घोषणा से बाहर रखा जाता है. '

उन्होंने कहा कि एमएसपी कितना सही है, इसका अंदाजा लगाते समय खेती के खर्च में बढ़ोतरी, खाने की चीजों की कीमतों और घर के रहने के खर्च पर भी ध्यान देना होगा. एमएसपी के मुद्दे पर किसान नेता आशीष मित्तल ने ईटीवी भारत से कहा, 'अगर खेती से मिलने वाला रिटर्न कम होता रहा, तो किसानों पर कर्ज बढ़ेगा. उन्हें अपनी जमीन गिरवी रखने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है या वे अपनी जमीन खो सकते हैं जिससे खेती में गिरावट आएगी. इससे खेती और शहरों में मजदूरी की दरें भी कम हो सकती हैं जिससे मजदूरी सस्ती हो जाएगी. ' इस बीच कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक्स पर पोस्ट किया, 'कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की रिपोर्ट, 'रबी फसलों के लिए मूल्य नीति 2027-28' की घोषणा के 48 घंटे बाद भी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध नहीं कराई गई है. जब किसान रबी एमएसपी 2027-28 की घोषणा से हुए इस क्रूर मजाक पर दुख और आक्रोश जता रहे हैं, तो सवाल यह है कि मोदी कैबिनेट उस रिपोर्ट के आधार पर एमएसपी का फैसला कैसे कर सकती है, जो उपलब्ध ही नहीं है या गायब है. 'शायद प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री (जो इन दिनों प्रेस कॉन्फ्रेंस और इवेंट मैनेजमेंट में व्यस्त हैं) ने निर्देश दिया है कि इस रिपोर्ट को छिपाकर ही रखा जाए. सच यह है किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है. एक तरफ खाद्य महंगाई के मुकाबले एमएसपी पर नकारात्मक रिटर्न और दूसरी तरफ एमएसपी के इर्द-गिर्द अपारदर्शिता. 'उन्होंने इसको लेकर एक्स पोस्ट पर एक चार्ट भी प्रकाशित किया है. उन्होंने कहा चार्ट इस सच्चाई को उजागर करता है कि खाद्य महंगाई के सामने एमएसपी की बढ़ौतरी की रिटर्न किसान के लिए नेगेटिव है।

संक्षिप्त समाचार

बंगलूरू में सिलिंडर लीक से घर में लगी आग, चार बच्चों समेत परिवार के छह लोग झुलसे

बंगलूरू , एजेंसी। बंगलूरू के नयनदहल्ली इलाके में शनिवार सुबह एलपीजी सिलिंडर से गैस लीक होने के बाद घर में आग लग गई। हादसे में एक ही परिवार के छह लोग झुलस गए, जिनमें चार बच्चे शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना के समय परिवार के सदस्य खाना बना रहे थे। हादसा विनायक लेआउट स्थित किराये के मकान में हुआ। परिवार मूल रूप से रायचूर का रहने वाला है और बंगलूरू में किराये के घर में रह रहा था। पुलिस ने घायलों की पहचान करिलिंगप्पा (40), उनकी पत्नी लक्ष्मम्मा (42), चैतरा (11), बसवा (9) और तीन वर्षीय जुड़वां बहनों गीता और गिरिजा के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, एलपीजी सिलिंडर से गैस लीक होने के बाद अचानक आग भड़क गई और परिवार के सभी छह सदस्य इसकी चपेट में आ गए। आग में उन्हें झुलसने की चोटें आई हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद चंद्रा लेआउट पुलिस थाने के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सभी घायलों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि एलपीजी रिसाव किस वजह से हुआ और आग कैसे भड़की।

गुजरात के अमरेली में शेरनी का आतंक, वनकर्मी समेत 5 लोगों को बनाया निशाना, वन विभाग ने ऐसे दबोचा

अमरेली, एजेंसी। गुजरात के अमरेली जिले से डरावनी खबर सामने आई है. अमरेली के वड़िया तालुका में एक शेरनी ने भारी आतंक मचाया. इस शेरनी ने एक के बाद एक कुल 5 लोगों पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया. घायलों में दो बाइक सवार युवक, दो किसान और खुद वन विभाग का एक कर्मचारी शामिल है. इस सिलसिलेवार हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया. हालांकि, वन विभाग की टीम ने करीब 12 घंटे चले कड़े रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शेरनी को बेहोश कर पिंजरे में कैद कर लिया है.

आधी रात को बाइक सवार युवकों पर पहला हमला: जानकारी के मुताबिक, यह घटना अमरेली के वड़िया तालुका के अरजणसुख गांव की सीमा पर शुरू हुई. तोरी गांव के रहने वाले दो युवक, मेहुल मनुभाई वाजा और भगीरथ गभीरभाई बासिया, एक कार्यक्रम से देर रात मोटरसाइकिल पर अपने गांव लौट रहे थे. अरजणसुख और तोरी गांव को जोड़ने वाली सड़क पर अचानक झाड़ियों से निकलकर शेरनी ने उनकी चलती बाइक पर छलांग लगा दी. अचानक हुए इस हमले से दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े. शेरनी के इस हमले में मेहुल के हाथ में और भगीरथ के पैर में गंभीर चोटें आईं. गनीमत रही कि बाइक गिरने और शोर मचाने के बाद शेरनी वहां से भाग निकली. दोनों घायलों को तुरंत आपातकालीन सेवा 108 की मदद से अमरेली के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया.

खेतों में काम कर रहे किसानों को भी बनाया निशाना: इस घटना के बाद शेरनी का गुस्सा शांत नहीं हुआ. सुबह होते ही उसने अरजणसुख गांव के पास कपास के खेतों में काम कर रहे दो स्थानीय किसानों पर अचानक हमला बोल दिया. एक घायल किसान ने बताया कि वह खेत में काम कर रहा था, तभी कपास की फसल के बीच से अचानक शेरनी निकली और उस पर टूट पड़ी. एक बार पीछे हटने के बाद शेरनी दोबारा लौटी और उसने किसान के सिर पर वार किया. शेरनी के इस आक्रामक रूप को देखकर खेतों में काम कर रहे अन्य मजदूरों और किसानों में भगदड़ मच गई. लोग अपनी जान बचाने के लिए खेतों में बने पक्के केबिनों और झोपड़ियों में छिप गए. एक ही रात में कई हमलों की खबर मिलते ही गिर पूर्व के वन विभाग में हड़कंप मच गया. सहायक वन संरक्षक राजन जाधव के नेतृत्व में वन विभाग की भारी-भरकम टीम और वन्यजीव विशेषज्ञ तुरंत मौके पर पहुंचे. वन विभाग ने शेरनी के पैरों के निशान ढूंढकर उसे चारों तरफ से घेरने की कोशिश शुरू की.

काशापाठ में मुख्यमंत्री सुक्खू की खास मेहमाननवाजी, पहाड़ी स्वाद से सजी थाली, पारंपरिक अंदाज में हुआ स्वागत

रामपुर, एजेंसी। 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शुक्रवार को शिमला जिले के दुर्गम क्षेत्र काशापाठ पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया, मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए ग्रामीणों ने जहां पारंपरिक संस्कृति की झलक पेश की, वहीं स्थानीय महिलाओं ने पहाड़ी स्वाद से सजी खास थाली तैयार कर मेहमाननवाजी की. महिलाओं ने दिनभर मेहनत कर पारंपरिक व्यंजन तैयार किए. काशापाठ पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्वागत स्थानीय बजंतरियों ने पारंपरिक तरीके से बेड़ देकर किया. महिलाओं ने प्राकृतिक फूलों और लोसरू से तैयार की गई फूल मालाओं से मुख्यमंत्री का स्वागत किया. इस दौरान महिलाएं पारंपरिक भेष-भूषा में नजर आईं, जिससे पूरा माहौल हिमाचली संस्कृति के रंग में रंगा दिखाई दिया.

स्थानीय निवासी कमलादेवी ने बताया कि मुख्यमंत्री के लिए तैयार की गई पारंपरिक थाली में स्थानीय मोटे अनाज से तैयार किए गए कई व्यंजन शामिल किए गए हैं. इनमें ओगले के चुड़े, फाफरे के चील्टू, भीतुभात, कौदे की रोटी, तुलसी की खीर और तुलसी की रोटी सहित अन्य पारंपरिक पकवान शामिल किए गए. स्थानीय महिलाओं का कहना है कि इन व्यंजनों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध खान-पान की परंपरा और स्थानीय अनाज की विशेषता को मुख्यमंत्री के सामने रखा गया.

पारंपरिक पहनावे से बढ़ाया स्वागत का मान

मुख्यमंत्री को क्षेत्रवासियों की ओर से ऊन का छुपटा, ऊन का पजामा, ऊनी टोपी और गाची पहनाकर सम्मानित किया गया. वहीं महिलाओं ने भी पारंपरिक परिधान पहनकर कार्यक्रम में भाग लिया. काशापाठ में मुख्यमंत्री के स्वागत के दौरान स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक वाद्य यंत्र, लोक पहनावा और पहाड़ी व्यंजनों का अनूठा संगम देखने को मिला. इससे ग्रामीणों ने अपनी लोक परंपराओं और संस्कृति को मुख्यमंत्री के समक्ष जीवंत रूप में प्रस्तुत किया. इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का बच्चों के प्रति खास दुलार भी देखने को मिला. काशापाठ में मौजूद बच्चों से उन्होंने आत्मीयता से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और स्नेहपूर्वक बातचीत की. मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चे भी काफी उत्साहित नजर आए. मुख्यमंत्री के सामने काशापाठ में छात्राओं ने पारंपरिक नाटी की शानदार प्रस्तुति दी.

बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाकों में वायुसेना का राहत अभियान, हेलीकॉप्टरों से 10 टन सामग्री पहुंचाई गई

पटना , एजेंसी। नेपाल और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में सितंबर के अंतिम सप्ताह में हुई अत्यधिक बारिश के बाद राज्य के छह जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इस बीच राहत और बचाव अभियान को तेज करते हुए भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने सारण के बाढ़ प्रभावित इलाकों में करीब 10 टन आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, दरभंगा और मुजफ्फरपुर के 30 प्रखंडों की 144 ग्राम पंचायतों में करीब 4.93 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। भारतीय वायुसेना की मध्य वायु कमान (सीएसी) के हेलीकॉप्टरों को गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर और तटबंधों में टूट के बाद 2 अक्टूबर को अल्प सूचना पर बिहार में राहत कार्य के लिए तैनात किया गया। पटना से संचालित हेलीकॉप्टरों ने दिनभर उड़ान भरते हुए सारण जिले के चकिया, पृथ्वीपुर, सतजोड़ा, करचोलिया और मकेर सहित प्रभावित क्षेत्रों में करीब 10 टन आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई। विषम परिस्थितियों और कठिन भूभाग के बीच चलाए गए इस अभियान के जरिए बाढ़ प्रभावित समुदायों तक जरूरी सहायता पहुंचाई गई। रक्षा प्रकोष्ठ के मुताबिक प्राकृतिक आपदा के समय नागरिक प्रशासन को सहयोग देने और प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए वायुसेना का अभियान जारी है। इधर, आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार प्रभावित लोगों के बीच अब तक करीब 68,600 पॉलीथिन शीट और 64,100 ड्राई राशन पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। ड्राई राशन के वितरण का कार्य अभी जारी है। आबादी के निष्क्रमण और आवागमन को सुगम बनाने के लिए कुल 323 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। आवश्यकता के अनुसार नावों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 242 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से अब तक करीब 5.22 लाख लोगों को भोजन कराया जा चुका है। इसके अलावा दो बाढ़ राहत शिविर भी संचालित हैं, जहां करीब 100 लोगों के लिए आवासन, भोजन और चिकित्सा समेत आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

फ्रांस में सड़कों पर छात्रों का गुस्सा नजर आ रहा

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में सड़कों पर छात्रों का गुस्सा नजर आ रहा है। कहीं स्कूलों के गेट पर नारे लग रहे हैं तो कहीं पुलिस और छात्रों के बीच टकराव की तस्वीरें सामने आ रही हैं। कुछ शहरों में हालात इतने बिगड़े कि आगजनी और सार्वजनिक परिवहन तक प्रभावित हुआ। इस आंदोलन की शुरुआत पेरिस के आसपास के कुछ हाईस्कूलों से हुई थी। लेकिन कुछ ही दिनों में प्रदर्शन दूसरे शहरों तक पहुंच गया और स्कूलों के भीतर की समस्याएं अब देशभर में चर्चा का विषय बन गई हैं।

ऐसे में सवाल उठता है कि छात्र आखिर क्यों नाराज हैं उनकी क्या मांगे हैं प्रदर्शन से कितने लोग प्रभावित हुआ हैं सरकार का क्या कहना है इस प्रदर्शन को किन-किन मुद्दों से जोड़ा जा रहा है

छात्रों की नाराजगी की असली वजह क्या है: फ्रांस के लाइसी यानी उच्च माध्यमिक स्कूलों में 15 से 18 साल के छात्र पढ़ते हैं। यहां छात्रों की प्रमुख शिकायतें बड़ी कक्षाओं, शिक्षकों की कमी, जर्जर स्कूल भवनों और लंबे पढ़ाई के समय को लेकर हैं। 15 साल की छात्रा केसिया ने रॉयटर्स को बताया कि उसकी कक्षा में 35 छात्र हैं, पर्याप्त कुर्सियां नहीं हैं और एक घंटे का लंच ब्रेक भी सभी छात्रों के लिए पर्याप्त नहीं है। जून में पड़ी लगातार गर्मी के दौरान भी स्कूलों की खराब हालत सामने आई। कई इमारतों में इन्सुलेशन की व्यवस्था खराब थी और एयर कंडीशनिंग नहीं थी।

कई जगह शिक्षक अनुपस्थित थे और उनकी जगह दूसरे शिक्षक नहीं मिले। शिक्षकों में भी काम की परिस्थितियों और वेतन को लेकर असंतोष है।

प्रदर्शन की शुरुआत कहां से हुई: सितंबर के मध्य में पेरिस के आसपास के लाइसी में छोटे स्तर पर प्रदर्शन शुरू हुए। रॉयटर्स के मुताबिक, आंदोलन करीब 10 दिन पहले पेरिस के उपनगर क्रेतेय के सेंट-एक्जुपेरी हाई स्कूल से शुरू हुआ था। सोशल मीडिया के जरिए प्रदर्शन तेजी से दूसरे शहरों तक पहुंचा। छात्रों ने स्कूलों के गेट रोकने शुरू किए और कई जगह पुलिस से टकराव हुआ। फ्रांस के 3,700 लाइसी में से 1,027 स्कूल प्रभावित हुए। विश्वविद्यालय के छात्र भी आंदोलन में शामिल हुए और 30 विश्वविद्यालय परिसरों में नाकाबंदी की गई।

कब बढ़ गया तनाव- 1 अक्तूबर को आंदोलन ने बड़ा रूप ले लिया। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक 1,020 से ज्यादा हाई स्कूल प्रदर्शन या हड़ताल से प्रभावित हुए और 222 जगहों पर नाकाबंदी हुई। 28 सितंबर को ऐसी 180 नाकाबंदी थीं। कई शहरों में कूड़ेदानों में आग लगाई गई और इन घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। नांत के नेल्सन मंडेला हाई स्कूल के प्रवेश हिस्से में आग लगी। स्ट्रासबर्ग, ऑर्लियाँ, नाइस, ला रोशेल और मार्सेय में सार्वजनिक परिवहन कुछ समय के लिए बंद किया गया।

पुतिन के सामने रूसी ड्रोन वॉर मशीन का प्रदर्शन, 600 ड्रोन्स ने आसमान में दिखाई ताकत

मॉस्को। रूस के रणनीतिक सैन्य अभ्यास सेंटर 2026 के अंतिम चरण से बेहद चौंकाने वाले देखने को मिले, मैदान-ए-जंग में ड्रोनों ने लक्ष्यों पर भीषण बमबारी की, जिसके जोरदार धमाकों से पूरा इलाका दहल उठा।समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2 अक्टूबर को चेल्याबिंस्क क्षेत्र के चेबरकुलस्की ट्रेनिंग ग्राउंड पहुंचकर इस युद्धाभ्यास का निरीक्षण किया।इन तस्वीरों और वीडियो से साफ पता चलता है कि आधुनिक युद्ध में रूस का ध्यान अब पूरी तरह से ड्रोन तकनीक और सटीक मारक क्षमता को मजबूत करने पर केंद्रित हो चुका है। अभ्यास के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने स्पष्ट किया कि इस व्यापक सैन्य ड्रिल का मुख्य उद्देश्य सेना के कमांडरों और शीर्ष अधिकारियों को किसी भी संभावित बाहरी खतरे और हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार करना है।उन्होंने अभ्यास स्थल पर जाकर रणनीति और सैन्य तैयारियों की गहन समीक्षा की और जवानों का हौसला बढ़ाया।इस विशाल रणीतिक अभ्यास में 11 ट्रेनिंग रेंजों और कैस्पियन सागर में

करीब 47,000 सैनिकों ने हिस्सा लिया, जबकि इसके अंतिम चरण में लगभग 6,000 सैनिक शामिल हुए।रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने आधिकारिक बयान में जानकारी दी कि केवल चेबरकुलस्की ट्रेनिंग ग्राउंड पर ही करीब 700 सैन्य वाहन व हथियार, 600 से अधिक लड़ाकू ड्रोन और 60 से ज्यादा रोबोटिक सिस्टम युद्ध की तैयारी के लिए मैदान में उतारे गए थे। रूस के इस रणनीतिक अभ्यास में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का बड़ा प्रदर्शन देखने को मिला। इसमें चीन प्रमुख भागीदार के रूप में शामिल हुआ, जबकि बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, मंगोलिया और पाकिस्तान की सेनाओं ने भी युद्धाभ्यास में भागीदारी की।इन देशों की सेनाओं को संयुक्त रूप से दुश्मन के किसी भी बाहरी हमले का एकजुट होकर मुकाबला करने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रपति पुतिन ने अभ्यास के दौरान नए जेट-इंजन वाले जेरान ड्रोनों का भी बारीकी से निरीक्षण किया। इन ड्रोनों का इस्तेमाल रूसी सेना यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में करती रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि रूस यूक्रेन संघर्ष के जमीनी अनुभवों और वहां सीखी गई रणनीतियों को तेजी से अपने सैन्य अभ्यासों और नई तकनीक में शामिल कर रहा है।

इलॉन मस्क का भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप:शिवॉन बोलीं- एक हफ्ते में ही आई लव यू कहा था

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला कंपनी के मालिक इलॉन मस्क का उनकी भारतीय मूल की गर्लफ्रेंज से ब्रेकअप हो गया है। न्यूरालिंक की एग्जीक्यूटिव शिवॉन जिलिस ने मस्क के साथ ब्रेकअप होने की पुष्टि की है। दोनों के साथ में 4 बच्चें हैं।

उन्होंने शुक्रवार को ङ्ग पर पोस्ट कर बताया कि मस्क ने एक हफ्ते में ही आई लव यू कहा था लेकिन उन्होंने अचानक ब्रेकअप कर लिया। उन्होंने बताय कि उन्हें इसकी पहले से कोई वॉर्निंग नहीं मिली थी।

जिलिस ने कहा- मैं इस ब्रेकअप से दुखी हूं, लेकिन मस्क की अब भी बहुत परवाह करती हूं। मैं चाहूंगी कि वे हमेशा खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों आगे भी अच्छे दोस्त रहेंगे और अपने बच्चों की साथ में परवरिश करेंगे। शिवॉन जिलिस और इलॉन मस्क के 4 बच्चे हैं। इनमें जुड़वां बच्चे स्ट्राइडर और एज्योर, बेटी अर्काडिया और बेटा सेल्डन लाइकर्गस शामिल हैं। मस्क ने 2021 में जुड़वां बच्चों के जन्म की जानकारी दी थी।

वहीं, अर्काडिया का जन्म 2024 में हुआ था।

इसके बाद जिलिस ने 28 फरवरी 2025 को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए चौथे बच्चे सेल्डन लाइकर्गस के जन्म की जानकारी दी थी। हालांकि, उन्होंने बच्चे की सटीक जन्म तारीख नहीं बताई थी। सेल्डन इलॉन मस्क का 14वां बच्चा है। इलॉन मस्क 2 शादियां कर चुके हैं। जस्टिन विल्सन और तालुलाह रिले उनकी पत्नियां रहीं, जबकि एम्बर हर्ड, ग्रिम्स और शिवॉन जिलिस के साथ उनके रिश्ते चर्चा में रहे हैं। 1990 के दशक में कनाडा की क्वीन्स यूनिवर्सिटी में फिजिक्स की पढ़ाई के दौरान मस्क की मुलाकात इंग्लिश लिटरेचर की स्टूडेंट जस्टिन विल्सन से हुई। दोनों ने कई साल डेटिंग के बाद जनवरी 2000 में शादी की।

2002 में उनके पहले बेटे नेवाडा का जन्म हुआ। हालांकि, 10 हफ्ते की उम्र में इंफेंट डेथ सिंड्रोम से उसकी मौत हो गई। इसके बाद 2004 में कपल ने आईवीएफ के जरिए जुड़वां बच्चों विवियन और ग्रिफिन का स्वागत किया। 2006 में तीन बच्चे काई, सैक्सन और डेमियन भी आईवीएफ से हुए। 2008 में मस्क और जस्टिन विल्सन का तलाक हो गया।

तालुलाह रिले से 2 बार शादी की- 2008 में मस्क ने ब्रिटिश एक्ट्रेस तालुलाह रिले को डेट करना शुरू किया। दोनों ने 2010 में शादी की, लेकिन 2012 में तलाक हो गया। 2013 में दोनों ने दोबारा शादी कर ली। दिसंबर 2014 में तालुलाह ने दूसरी बार तलाक की अर्जी दायर की, लेकिन अगले साल इसे वापस ले लिया। मार्च 2016 में तालुलाह ने तीसरी बार तलाक की अर्जी दायर की और दोनों का तलाक हो गया। मस्क और तालुलाह के कोई बच्चे नहीं हैं। मस्क ने हॉलीवुड एक्ट्रेस एम्बर हर्ड को 2016 के अंत और 2017 की शुरुआत में कई महीनों तक डेट किया। एम्बर के पूर्व पति जॉनी डेप ने बाद में उन पर शादी के दौरान मस्क के साथ धोखा देने का आरोप लगाया था।हालांकि, मस्क और एम्बर दोनों ने इस रिलेशनशिप से इनकार किया। दोनों 2017 में अलग हो गए। नवंबर 2017 में मस्क ने बताया था कि वह एम्बर के साथ सच्चे प्यार में थे।

ग्रिम्स से रिश्ता, 3 बच्चे हुए- इलॉन मस्क और सिंगर ग्रिम्स ने अप्रैल 2018 में डेटिंग शुरू की। मई 2020 में कपल ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। इसका नाम ङ्ग ठ-12 रखा गया। दिसंबर 2021 में सरोगेसी के जरिए बेटी एक्सा डार्क साइडरेल हुई। 2022 में दोनों अलग हो गए। बाद में कपल के तीसरे बच्चे टेक्नो मैकेनिकस के बारे में भी जानकारी सामने आई। बच्चे की सही जन्मतिथि और उसके बारे में बहुत कम जानकारी सार्वजनिक है। इसके बाद इलॉन मस्क का शिवॉन जिलिस के साथ रिश्ता सामने आया। दोनों के 4 बच्चे हैं। नवंबर 2021 में जुड़वां बच्चों स्ट्राइडर और एज्योर का जन्म हुआ। इसके बाद 2024 में बेटी आर्केडिया और फरवरी 2025 में बेटे सेल्डन लिकर्गस का जन्म हुआ। 15 फरवरी 2025 को अमेरिकी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और राइटर एश्ले सेंट क्लेयर ने दावा किया था कि वे टेस्ला कंपनी के मालिक इलॉन मस्क के बेटे की मां हैं। क्लेयर ने कहा कि उसने 5 महीने पहले सीक्रेट तौर पर इस बच्चे को जन्म दिया है, लेकिन सेफ्टी और प्राइवेसी के चलते पहले इसकी घोषणा नहीं की। इलॉन मस्क लंबे समय से घटती जन्मदर को दुनिया और मानव सभ्यता के लिए खतरा बताते रहे हैं। वे कई बार ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील कर चुके हैं। 2021 में उन्होंने कहा था कि अगर लोग ज्यादा बच्चे पैदा नहीं करेंगे तो सभ्यता खत्म हो जाएगी। 2015 में प्रकाशित उनकी बायोग्राफी में मस्क ने कहा था कि वह सिर्फ स्मार्ट लोगों से बच्चे पैदा करने के लिए नहीं कह रहे हैं, लेकिन स्मार्ट लोगों को भी बच्चे पैदा करने चाहिए।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496